{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
शनिवार 13 दिसम्बर 2025
पौस कृष्ण 09 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 81
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स – 84,818.13
निफ्टी – 25,898.55
सोना – 1,30,750
चांदी – 2,01,000
डॉलर – 90.18

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

अन्ना हजारे करेंगे अपना आखिरी अनशन

मुंबई। अन्ना हजारे ने शुक्रवार को महाराष्ट्र में लोकायुक्त अधिनियम लागू करने की मांग को लेकर आमरण अनशन की घोषणा की है। अन्ना 30 जनवरी से अपने गांव रालेगण सिद्धि में अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठेंगे। अन्ना ने इसे अपना आखिरी आंदोलन बताया है। दरअसल अन्ना 2022 में भी इस मांग को लेकर अन्ना अनशन पर बैठे थे। उस समय उन्होंने तत्कालीन उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और केंद्रीय मंत्री की मध्यस्थता के बाद अनशन तोड़ा था।

विनेश फोगाट ने वापस लिया संन्यास

पंचकूला। विनेश फोगाट ने संन्यास वापस लेकर कुश्ती में लौटने का फैसला लिया है। वह 2028 में लॉस एंजिलिस ओलिंपिक में हिस्सा लेना चाहती हैं। विनेश ने सोशल मीडिया पर पोस्ट लिखकर इसकी जानकारी दी। विनेश 2024 के पेरिस ओलिंपिक में फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय रेसलर बनी थीं। हालांकि, फाइनल से पहले उनका 100 ग्राम वजन ज्यादा निकला, जिससे वे डिसक्वालिफाई हो गईं। इसके बाद उन्होंने रेसलिंग को अलविदा कह दिया। विनेश अभी हरियाणा के जुलाना से कांग्रेस विधायक हैं।

इंडिगो को 58 करोड़ रुपये का मिला जीएसटी नोटिस

नई दिल्ली। इंडियो के लिए एक और बुरी खबर है। अब इंडिगो को एक जीएसटी का नोटिस मिला है। दरअसल, इंडिगो को वित्त वर्ष 2020-21 के लिए जीएसटी विभाग का 58.75 करोड़ का पेनल्टी नोटिस मिला है। यह आदेश सीजीएसटी, दिल्ली साउथ कमिशनरेट के अतिरिक्त आयुक्त की ओर से जारी किया गया है, जिसमें मूल जीएसटी टैक्स की मांग के साथ पेनल्टी भी शामिल है।

हालांकि इंडिगो ने इस नोटिस को गलत करार दिया है, और इसे कानूनी रूप से चुनौती देने की घोषणा की है। इंडिगो ने बीएसई फाइलिंग में बताया कि यह ऑर्डर गलत है और इसके खिलाफ उसकी दलील मजबूत है, जिस पर बाहरी टैक्स सलाहकारों की सलाह भी आधारित है। कंपनी ने स्पष्ट किया है कि यह नोटिस उसके आर्थिक वित्तीय स्थिति, रोजाना संचालन या फिर कारोबार गतिविधियों पर कोई असर नहीं डालेगा।

कुछ ना कहना

इनसाइड स्टोरी : छोटा दीपक : आतंक का पर्याय और सभी मुठभेड़ों का मास्टरमाइंड

माओवादी छोटा दीपक के नाम से थर थर काँपते थे मुखबिर!

पुलिस मुखबिरों को मार देता था नक्सली भर्ती का विशेषज्ञ दीपक

एक्सप्रेस विशेष
पदमेश न्यूज। बालाघाट

अब वह पुलिस लाइन बालाघाट में कैद होकर रह गया है! कभी वह तीनो राज्यों में बेहिचक चहल कदमी किया करता था! नए नक्सली कैडर भरती करता था! मुखबिरों को सजा दिया करता था! सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ों की प्लानिंग करता था!इस तरह छोटा दीपक उर्फ़ सुधाकर उर्फ़ मूल नाम मंगलसिंह उइके के बारे में अब बेहद चौँकाने वाली ख़बरें सामने आ रहीं हैं।

वह छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र नामक एमएमसी जोन का मुख्य प्लानिंग वाला हार्डकोर नक्सली हुआ करता था.वह लगभग सारी माओवादी घटनाओं का गवाह रहा है।

यह भी चौँकाने वाली ख़बर है कि वह नक्सली लगभग सभी मुठभेड़ों में शामिल रहा है।

पुलिस के उच्च पदस्थ सूत्रों की बातों पर भरोसा करें तो यह सही है कि मध्य प्रदेश के जिले बालाघाट, मंडला और डिंडौरी को नक्सल प्रभावित बनाए रखने और दहशत का माहौल बनाये रखने में नक्सली दीपक उर्फ सुधाकर की बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका रही थी।

यह गौरतलब है कि छोटा दीपक ने गुरुवार को बालाघाट में अपने साथी रोहित उर्फ मंगलू के साथ आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस के साथ दीपक की कई बार मुठभेड़ हुई, लेकिन हर बार

वह बच कर निकल जाता था।यह भी बताया जाता है कि इसने पुलिस के कई मुखबिरों को भी मारा है।

अफसरों के मुताबिक छोटा दीपक बालाघाट जिले के नक्सलियों की सूची में हमेशा से ही बड़ा नाम रहा है।और दहशत का पर्याय होता था. छोटा दीपक ने बालाघाट जिले के बीहड़ सुदूर गाँवों में निवासरत कई आदिवासी युवाओं को ब्रेन वाश कर नक्सली बनाया है।और उनकी ट्रैनिंग भी करवाई और इन्हें हार्डकोर नक्सली बनाने में भी अपना योगदान दिया । छोटा दीपक नामक यह नक्सली लम्बे अरसे से यहां के ऐसे युवाओं पर नजर रखता था और उन्हें अपने चंगुल में लेकर नक्सली बनने के लिए प्रेरित किया करता था।और वे लोग इसके झांसे में आकर नक्सली बन भी जाते थे।

बताया जाता है कि पालगोंदी निवासी दीपक उर्फ़ सुधाकर उर्फ़ मंगल सिंह कुख्यात मलाजखंड दलम के नक्सलियों और पुलिस के बीच बालाघाट के जंगलों में जब-जब मुठभेड़ हुई, उसमें यह शामिल रहा है । किन्तु छोटा दीपक हर बार पुलिस की गोलियों से बचकर निकल जाता था।

सूत्र तो यहाँ तक बताते हैं कि यह करीब 35 सालों से ही सक्रिय था। यह मुखबिरों को मौत की सज़ा देने के लिए जाना जाता था.खासकर यह निशाना उन लोगों को बनाता था, जो पुलिस के लिए मुखबिरी करते थे।पुलिस के मुखबिर दीपक के नाम से थर थर काँपते थे.पुलिस के ऐसे ही कई मुखबिरों को इसने मौत के घाट उतारा था।

ख़बर यह भी है कि हाल ही के दिनों में हुई पुलिस मुठभेड़ में भी यह शामिल था। इस दौरान भी वह बच कर निकल गया था।

नक्सल ऑपरेशन के स्पेशल डीजी पंकज श्रीवास्तव की रही महत्वपूर्ण भूमिका

मध्यप्रदेश में माओवाद के खात्मे का सबसे बड़ा असरदार कारक नक्सल ऑपरेशन के स्पेशल डीजी पवन कुमार श्रीवास्तव रहे है. बेशक उन्हें इसका श्रेय दिया जाना चाहिए. बताते हैं कि केंद्र से नक्सली खात्मे की डेडलाइन तय होते ही मध्य प्रदेश सरकार सक्रिय हुई और उन्होंने ऐसे अनुभवी और जाँबाज पुलिस अफसर को जिम्मेदारी दी जो लंबे अरसे तक देश की सबसे बड़ी जांच एजेंसी सीबीआई में विभिन्न पदों पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं। इस तरह स्पेशल डीजी पंकज श्रीवास्तव को यह जिम्मेदारी दी गई। उन्होंने दिन-रात एक कर बालाघाट रेंज में तैनात सुरक्षा बलों और पुलिस अफसरों के साथ मिलकर लगातार जमीनी स्तर की रणनीति बनाई और पूरे नक्सल मूवमेंट को बालाघाट जिले में ध्वस्त करने में जुट गए। वहीं बालाघाट रेंज के आईजी संजय कुमार जो पूर्व में यहाँ एसपी रह चुके हैं ने भी अपने पूर्ववर्ति कार्यकाल के अनुभवों का लाभ उठाया और गाँव में रहने वाले ग्रामीणों से संवेदनशील होकर बात किया. संवाद क़ायम किया जिससे नक्सली भी उनपर काफ़ी भरोसा कर सीधे उनके बंगले जाकर हथियार डाला. बताते हैँ कि यहां पर पूर्व पदस्थ रहे अन्य अफसरों ने भी अपने अनुभवों का आधार बनाकर पूरी मेहनत के साथ नक्सल मूवमेंट को खत्म करने के सभी प्रयास किए।

प्रकारान्तर से कह सकते हैँ कि जिसका नतीजा शानदार रहा. कह सकते हैं बालाघाट आधिकारिक तौर पर नक्सल गतिविधियों के मामले में अब मुक्त है।

देश के अधिकांश राज्यों ने घोषित की विंटर वेकेशन

नई दिल्ली । देश के अधिकांश राज्यों ने 2025-26 शैक्षणिक वर्ष के लिए विंटर वेकेशन की तारीखें जारी कर दी हैं। इस बार मौसम विभाग की तेज़ चेतावनियों, राज्यों की जलवायु परिस्थितियों और शिक्षा विभागों की सलाह को ध्यान में रखते हुए छुट्टियों में बड़ा अंतर देखने को मिल रहा है। कहीं बच्चों को केवल 10 दिन का अवकाश मिलेगा, तो कहीं डेढ़ माह तक स्कूलों में ताला लटका रहेगा। कई राज्यों में ठंड, कोहरे और बर्फबारी के बढ़ते असर को देखते हुए छुट्टी बढ़ने की भी पूरी संभावना है।

दिल्ली में शिक्षा निदेशालय के मुताबिक 1क्क्15 जनवरी 2026 तक सभी सरकारी और निजी स्कूलों में अवकाश रहेगा। बढ़ती ठंड को देखते हुए इस दौरान शिक्षकों को भी किसी ऑफलाइन गतिविधि से छूट दी गई है।

हरियाणा में भी 1क्क्15 जनवरी 2026 तक विंटर वेकेशन रहेगा। राज्य के शिक्षा विभाग ने बताया कि मौसम की स्थिति खराब होने पर छुट्टियाँ बढ़ाई जा सकती हैं।

वहीं पीएम श्री स्कूलों और केंद्रीय विद्यालयों में 23 दिसंबर 2025 से 1 जनवरी 2026 तक 10 दिन की क्रिसमस/विंटर छुट्टी लागू रहेगी।

उत्तर प्रदेश में 20क्क्31 दिसंबर तक सभी स्कूल बंद रहेंगे। जनवरी 2026 से नया सेशन शुरू होगा। मध्य प्रदेश के सरकारी, निजी और केंद्रीय बोर्ड से जुड़े कई स्कूल 23 या 24 दिसंबर से छुट्टी पर चले जाएंगे। अधिकांश जगह 31 दिसंबर तक ब्रेक रहेगा, जबकि कुछ स्कूल इसे जनवरी के पहले सप्ताह तक

बढ़ाते हैं। हिमाचल में 24 और 25 दिसंबर को छुट्टी रहेगी। ठंड के हिसाब से 23क्क्24 दिसंबर से ही विंटर ब्रेक के शुरू होने की संभावना है। ऊंचे और अत्यधिक ठंडे इलाकों में यह अवकाश और लंबा भी हो सकता है।

पंजाब में 22 दिसंबर 2025 से 10 जनवरी 2026 तक स्कूल बंद रहेंगे। 11 जनवरी को स्कूल दोबारा खुलेंगे। लगातार गिरते तापमान और घने कोहरे के कारण लंबा ब्रेक दिया गया है। ओडिशा में 23क्क्31 दिसंबर तक विंटर/क्रिसमस वेकेशन है। राज्य के सभी प्राथमिक, माध्यमिक स्कूलों और केंद्रीय विधायलों में 23 से 31 दिसंबर तक छुट्टियाँ रहेंगी। 1 जनवरी 2026 को शिक्षण कार्य फिर शुरू होगा। केरल व तमिलनाडु में भारी बारिश के चलते 12, 13 और 14 दिसंबर को स्कूल बंद रखने का आदेश दिया गया है। हालात बिगड़ने पर छुट्टियाँ आगे बढ़ सकती हैं। जम्मू-कश्मीर के विंटर ज़ोन में 8क्क्14 दिसंबर से ही स्कूल बंद कर दिए गए हैं।

बिहार ने अभी विंटर वेकेशन की तारीखें जारी नहीं की हैं। माना जा रहा है कि कक्षा 1क्क्5 के लिए जल्द ही अवकाश घोषित होगा। ठंड को देखते हुए यहां भी लंबे ब्रेक की संभावना है।

देश के ज्यादातर बड़े शहर जहरीली हवा की चपेट में....राहुल गांधी ने कहा-

सरकार प्रदूषण रोकने प्लान बनाए

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को लोकसभा में वायु प्रदूषण का अहम मुद्दा उठाया। यहां उन्होंने कहा, कि हमारे देश के ज्यादातर बड़े शहर जहरीली हवा की चपेट में हैं। लाखों बच्चे फेफड़ों संबंधी बीमारियों से ग्रसित हो रहे हैं। कैंसर से लोग पीड़ित हो रहे हैं। ऐसे में हम सभी को मिलकर इस दिशा में बेहतर काम करना चाहिए। इस पर संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने कहा, कि हम ऐसे अहम मामलों पर चर्चा करने के लिए तैयार हैं।

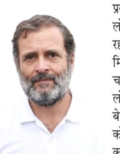

कांग्रेसा सांसद राहुल गांधी ने सदन में कहा, कि वायु प्रदूषण से जुड़ा यह एक अहम मुद्दा है। मुझे पूरा विश्वास है कि सरकार और हमारे बीच इस मसले पर एक सहमति होगी। इस सदन में मौजूद प्रत्येक सदस्य इस बात से सहमत होगा कि प्रदूषण के चलते देश के लोगों को जो नुकसान हो रहा है, उस पर हम सभी मिलकर काम करना चाहेंगे। राहुल गांधी ने लोकसभा में कहा, कि बेहतर होगा कि हम चर्चा को इस बात पर केंद्रित न करें कि हम क्या नहीं कर सके और आप क्या नहीं कर पाए, बल्कि सीधे इस बात पर ध्यान दिया जाए, कि हम भविष्य में भारत की जनता के लिए क्या करने जा रहे हैं। हमें कौन-कौन से कदम उठाने होंगे। उन्होंने कहा, कि मेरा तो मानना ??है कि हम एक-दूसरे पर दोषारोपण करने की जगह, इस एक महत्वपूर्ण प्रदूषण वाले मुद्दे पर, जिस पर हम सहमत हैं, कोई असहमति नहीं है, चर्चा करें। आईये, भारत की जनता के भविष्य के बारे में बात की जाए। राहुल गांधी ने आगे कहा, कि वैसे भी यह कोई वैचारिक मुद्दा नहीं है। इस सदन में मौजूद प्रत्येक सदस्य इस बात से सहमत होगा, कि वायु प्रदूषण और इससे हमारे लोगों को होने वाला नुकसान ऐसी चीज है जिस पर हम सभी मिलकर काम करना चाहेंगे।

सदन में इसका जवाब देते हुए संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा, कि सरकार ने पहले दिन से ही अपना रुख स्पष्ट कर दिया था। हम ऐसे सभी अहम मामलों पर चर्चा करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। यह सरकार कांग्रेस और अन्य विपक्ष की पार्टियों के नेताओं से सुझाव लेने के लिए भी तैयार है।

सुप्रीम कोर्ट ने सख्त लहजे में कहा-

तेजाब पीड़ितों को दिव्यांग श्रेणी में रखें, करें कानून में बदलाव

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने केंद्र सरकार से दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम में संशोधन करने पर विचार करने को कहा ताकि अपराधियों के तेजाब हमले के पीड़ितों को "दिव्यांगजन" की श्रेणी में शामिल किया जा सके और उन्हें कल्याणकारी उपायों का लाभ मिल सके।

केंद्र सरकार की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि सरकार कानून में बदलाव पर विचार करने को तैयार है और उन्हें खुद इस अपराध के उस पहलू की जानकारी नहीं थी। पीठ ने अपने आदेश में कहा, भारत सरकार याचिका में उठाए गए सभी मुद्दों पर विचार करे... सॉलिसिटर जनरल का कहना है कि याचिका में उठाए गए सभी मुद्दों पर विचार किया जाएगा और एक उपयुक्त नीतिगत ढांचा तैयार किया जाएगा। पीठ ने जम्मू और कश्मीर और लद्दाख उच्च न्यायालय को अपने अधिकार क्षेत्र में लंबित तेजाब हमले के सभी पांच मामलों में सुनवाई में तेजी लाने का निर्देश दिया। यह बताए जाने पर कि तेजाब हमले के पीड़ितों को राज्य सरकारों से मुआवजे के रूप में तीन लाख रुपये से अधिक नहीं मिलते हैं, प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि वह इस पहलू पर गौर करेंगे। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने तेजाब हमले की पीड़िता शाहीन मलिक द्वारा दायर एक जनहित याचिका में सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को पक्षकार बनाया है। इससे पहले पीठ ने चार दिसंबर को सभी उच्च न्यायालयों की रजिस्ट्रियों को अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में लंबित तेजाब हमलों के मामलों का ब्योरा पेश करने का निर्देश दिया था।मलिक ने अपनी याचिका में कानून के तहत दिव्यांगजन की परिका विस्तार करने का अनुरोध किया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि तेजाब हमले के कारण आंतरिक अंगों की जानलेवा क्षति झेलने वाले पीड़ितों को पर्याप्त मुआवजा और चिकित्सा देखभाल सहित अन्य राहतें मिल सकें।

केंद्र ने जनगणना 2027 के लिए 11,718 करोड़ मंजूर किए, पहली बार डिजिटली होगा सेंसस

एक व्यक्ति की जनगणना पर आएगा 97 रुपए खर्च

नई दिल्ली । देश में 2027 में पहली बार जनगणना डिजिटली होगी। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को कैबिनेट मीटिंग में इसके लिए 11,718.24 करोड़ रुपए की मंजूरी दी है। इसके मुताबिक एक व्यक्ति की जनगणना पर सरकार के करीब 97 रुपए खर्च होंगे। दरअसल 2011 की जनगणना में भारत की आबादी लगभग 121 करोड़ थी। अगर इसे आधार माना जाए तो 1 व्यक्ति की गणना करने में करीब 97 रुपए खर्चा (11,718.24 करोड़ रुपए/121 करोड़ आबादी) आएगा। अगर 150 करोड़ अनुमानित जनसंख्या मानी जाए तो प्रति व्यक्ति 78 रुपए खर्च होगा।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि 30 लाख कर्मचारी डिजिटल जनगणना पूरी करेंगे। यह सीएएएस सॉफ्टवेयर से होगी। इसका डिजाइन डेटा सुरक्षा को ध्यान में रखकर बनाया

गया है। जनगणना दो फेज में होगी। फेज-1 (अप्रैल-सितंबर 2026) में घरों की लिस्टिंग और गिनती होगी। फेज-2 (फरवरी 2027) में आबादी की गिनती होगी। कैबिनेट की बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने जनगणना 2027 की जानकारी दी। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि विश्व का सबसे बड़ा प्रशासनिक और सांख्यिकीय अभ्यास होगा। जनगणना 2027 अब तक की 16वीं और स्वतंत्रता के बाद की 8वीं जनगणना होगी। जनगणना केंद्र का विषय है। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि देश में जनगणना अधिनियम, 1948 और जनगणना नियम, 1990 के तहत इसे किया जाता है। पिछली जनगणना 2011 में हुई थी। कोविड महामारी के कारण जनगणना 2021 आयोजित नहीं की जा सकी। इससे पहले 16 जून 2025 को जनगणना 2027 की राजपत्र अधिसूचना जारी की गई। जनगणना 2027 की अनुमानित लागत 11,718 करोड़ रुपये होगी

दो चरणों में होगी जनगणना

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि जनगणना की संदर्भ तिथि 1 मार्च 2027 को 00:00 बजे होगी। बर्फ से ढके क्षेत्रों के लिए यह तिथि 1 अक्तूबर 2026 को 00:00 बजे होगी। वैष्णव ने कहा, जनगणना 2027 दो चरणों में आयोजित की जाएगी। पहले चरण में मकान सूचीकरण और आवास जनगणना होगी।

सूपखार फारेस्ट रेंज के कातलदेही जंगल में खतरनाक इंसास रॉयफल समेत अन्य हथियारों का जखीरा मिला!!

एक्सप्रेस विशेष
पदमेश न्यूज़ । बालाघाट

कल एक तरफ़ नक्सल मोर्चे में मध्यप्रदेश की बालाघाट पुलिस ने एक बेहतर कामयाबी के साथ दशकों से वांछित छोटा दीपक उर्फ मंगल उईके (52) ने स्टेनगन फोर्स के हवाले कर दिया है। इस इलाके में दीपक का बतौर नक्सली काफी खौफ रहा है। उस पर मध्यप्रदेश के अलावा महाराष्ट्र व छत्तीसगढ़ में लाखों रुपए का इनाम घोषित है।

दीपक मूलत: बालाघाट का ही बाशिंदा है। वह पालेगोंदी गांव का रहने वाला है। दीपक ने बिरसा थाना क्षेत्र के सीआरपीएफ के कोरका कैंप में दर्रेकसा एरिया कमेटी के एसीएम रोहित उर्फ मंगरू (30 वर्ष) के साथ समर्पण किया है। रोहित मूलत: बस्तर

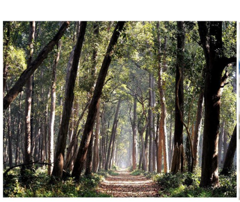

का रहने वाला है। तब पत्नी जमुना को राजनांदगांव पुलिस ने मार गिराया था।

इस संबंध में बालाघाट रेंज आईजी संजय कुमार ने दीपक की सरेंडर की पुष्टि करते कहा कि शासन द्वारा निर्धारित समर्पण नीति के तहत सरेंडर करने पर लाभ दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि पुलिस अन्य विषयों पर जानकारी जुटा रही है। गौरतलब है कि इन दिनों बालाघाट में भी

सिलसिलेवार एमएमसी जोन के नक्सली हथियार डालकर मुख्यधारा में वापस लौट रहे हैं। इसके साथ ही एमएमसी जोन में नक्सलियों का लाल गलियारा बनाने का लक्ष्य भी खत्म हो गया। पुलिस बचे हुए नक्सलियों को वापस लाने के लिए जोर लगा रही है।

बालाघाट में हथियार और नक्सल सामान जब्त

एक ओर नक्सली लगातार सरेंडर और नक्सल सामग्रियां जब्त की है। कर रहे हैं। वहीं बालाघाट के गढ़ी थाना क्षेत्र में गश्ती दल ने हथियार सुरक्षा बलों ने बुधवार शाम को ही सुपखार फारेस्ट रेंज के काटोलदेही जंगल में एके- इंसास रायफल और एसएलआर हथियार समेत 3 नग 303 रायफल जब्त किया है। इसके अलावा जवानों ने भारी मात्रा में नक्सलियों द्वारा गड़ाए गए राशन की खेप भी बरामद की है।

यूपीएससी का बड़ा कदम, अब दिव्यांगजनों को मिलेगा उनकी पसंद का केंद्र

-आयोग ने इस पहल को क्रियान्वित करने कई रणनीति अपनाई

नई दिल्ली। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने दिव्यांगजनों के लिए परीक्षा की सुगमता और पहुंच बढ़ाने के उद्देश्य से अहम कदम उठाते हुए सभी दिव्यांग उम्मीदवारों को अपनी परीक्षाओं के लिए 'पसंदीदा परीक्षा केंद्र' आवंटित करने का फैसला लिया है। इन उम्मीदवारों को अक्सर होने वाली व्यवस्था संबंधी चुनौतियों और विशेष जरुरतों को ध्यान में रखते हुए आयोग ने यह फैसला लिया है कि प्रत्येक दिव्यांगजन आवेदक को वही परीक्षा केंद्र आवंटित किया जाए, जिसे उन्होंने आवेदन पत्र में अपनी पसंद के रूप में चुना है। आयोग ने इस पहल को क्रियान्वित करने के लिए निम्नलिखित रणनीति अपनाई है जिसमें प्रत्येक केंद्र की वर्तमान क्षमता का उपयोग सर्वप्रथम दि०?यांगजनों और गैर-दि०?यांगजनों दोनों तरह के उम्मीदवारों द्वारा किया जाएगा। केंद्र के एक बार अपनी पूरी क्षमता तक पहुंच जाने के बाद, यह गैर-दिव्यांग उम्मीदवारों के लिए चयन के लिए उपलब्ध नहीं रहेगा, हालांकि, दिव्यांग उम्मीदवार उस केंद्र का चयन करने का विकल्प जारी रख सकेंगे। इसके बाद यूपीएससी अतिरिक्त क्षमता की व्यवस्था करेगी ताकि किसी भी दिव्यांग उम्मीदवार को उसकी पसंद के केंद्र से वंचित न रखा जाए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यूपीएससी के अध्यक्ष डॉ. अजय कुमार ने कहा कि पिछले पांच सालों के परीक्षा केंद्रों के आंकड़ों का विश्लेषण करने के बाद पाया कि दिल्ली, कटक, पटना, लखनऊ और अन्य जैसे कुछ केंद्र आवेदकों की ज्यादा संख्या के कारण बहुत जल्द अपनी क्षमता की अधिकतम सीमा तक पहुंच जाते हैं।

कलेक्टर ने ली राजस्व अधिकारियों की बैठक

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

कलेक्टर मृणाल मीना ने 12 दिसम्बर को जिले के सभी एसडीएम, तहसीलदार एवं नायब तहसीलदारों की बैठक लेकर राजस्व प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा की। बैठक में अपर कलेक्टर जीएस धुर्वे, डीपी बर्मन, संयुक्त कलेक्टर राहुल नायक, डिप्टी कलेक्टर प्रदीप कौरव, एसडीएम गोपाल सोनी उपस्थित थे। सभी एसडीएम एवं तहसीलदार व नायब तहसीलदार वीडियों कांफ्रेंस के माध्यम से बैठक में उपस्थित थे। बैठक में सर्वप्रथम फार्मर रजिस्ट्री की समीक्षा की गई। इस दौरान निर्देशित किया गया कि जमीन के जितने भी खातेदार है उन सभी की फार्मर आईडी होना चाहिए और सभी के आधार नंबर खसरा से लिंक होना चाहिए। इसी आधार पर भविष्य में किसानों को खाद का वितरण किया जाएगा। इसलिए सभी किसानों एवं खाताधारकों की फार्मर आईडी का कार्य शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश दिये गए। लामता तहसील में फार्मर आईडी एवं फार्मर रजिस्ट्री का कार्य संतोषजनक नही पाया गया। वन पट्टाधारक किसानों की भी फार्मर आईडी बनाना है इसके लिए बैहर, बिरसा, परसवाड़ा एवं लांजी तहसीलदार को निर्देशित किया गया कि अपने क्षेत्र के सभी वन पट्टाधारक किसानों की फार्मर आईडी शीघ्रता से बनवाए। इस दौरान बताया गया कि जिले में 6929 वन पट्टाधारक किसानों की फार्मर आईडी बनाना है। बैठक में स्वामित्व योजना के अंतर्गत ग्राउंड ट्रूथिंग की समीक्षा की गई और निर्देशित किया गया कि चयनित ग्रामों के अंतिम प्रकाशन की कार्यवाही शीघ्रता से पूर्ण करें। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत संदिग्ध खातों की जांच एवं सत्यापन का कार्य शीघ्रता से पूर्ण करने कहा गया। नगरीय क्षेत्र में धारणाधिकार के प्रकरणों का शीघ्र निराकरण कर पात्र हितग्राहियों को धारणाधिकार पत्र वितरित करने के निर्देश दिये गए। नजूल प्रकरणों की समीक्षा के दौरान नजूल पट्टो का नवीनीकरण प्राथमिकता से करने के निर्देश दिये गए। भू-राजस्व एवं अन्य मदों की वसूली का कार्य तत्परता के साथ करने के निर्देश दिये गए और कहा गया कि जिन प्रकरणों में आरआरसी जारी हो गई है उनमें वसूली के लिए कुर्की एवं नीलामी की कार्यवाही करें। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत नगरीय क्षेत्र बालाघाट में 01 करोड़ रुपए से अधिक एवं वारासिवनी में 78 लाख रुपए की वसूली के लिए कुर्की नीलामी की कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए।

बैठक में आरसीएमएस पोर्टल पर दर्ज अविवादित नामांतरण, सीमांकन एवं बटवारा के प्रकरणों का समय सीमा के भीतर निराकरण करने के निर्देश दिये गए। सायबर तहसील के अंतर्गत नामांतरण के प्रकरण समय सीमा के भीतर अनिवार्य रूप से निराकृत करने कहा गया। बैठक में वन ग्रामों के राजस्व ग्रामों में परिवर्तन, भू-अर्जन एवं शासकीय कार्यों के लिए भूमि आवंटन प्रकरणों की भी समीक्षा की गई। तहसीलदारों को निर्देशित किया गया कि अतिक्रमण हटाने के प्रकरणों में तत्परता के साथ कार्यवाही करें और यह केवल कागजों पर नहीं बल्कि मौके पर भी दिखना चाहिए। प्राकृतिक आपदा से राहत के प्रकरणों का तत्परता के साथ निराकरण करने के निर्देश दिये गए। इसी प्रकार सड़क दुर्घटना में सहायता राशि के प्रकरणों को शीघ्र निराकृत कर पीड़ित परिवार को सहायता राशि का भुगतान तत्परता के साथ करने कहा गया। बैठक में सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणों की भी समीक्षा की गई और निर्देशित किया गया कि इन प्रकरणों का शीघ्रता से निराकरण किया जाए।

राजस्व प्रकरणों की समीक्षा के दौरान लामता तहसील की प्रगति संतोषजनक नही पाए जाने पर लामता तहसीलदार एवं वहां के लिपिक का 5-5 दिन का वेतन काटकर राजसात करने के निर्देश दिये गए। धारणाधिकार के प्रकरणों को समय पर प्रस्तुत नही किये जाने के लिए कलेक्ट्रेट के रीडर को कारण बताओ नोटिस जारी करने कहा गया। सभी एसडीएम को निर्देशित किया गया कि वे नगरीय क्षेत्रों का भ्रमण कर सुनिश्चित करे कि कोई भी व्यक्ति खुले में न सोये। यदि कोई व्यक्ति खुले में सोया मिलता है तो उसे नगर पालिका के आश्रय गृह में पहुंचाए।

छोटे भाई ने दिव्यांग बड़े भाई को मोबाइल फेंक कर मारा

मामूली बात पर दो भाइयों के बीच हुआ विवाद, घायल भजन शरणागत का जिला अस्पताल में चल रहा उपचार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। हट्टा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम करियादंड में मामूली बात को लेकर दो सगे भाइयों के बीच विवाद हो गया। जहां तू- तू, मैं-मैं से शुरू हुआ यह विवाद इतना अधिक बढ़ गया कि छोटे भाई ने अपने विकलांग बड़े भाई को मोबाइल फेक कर मार दिया। जिससे बैसाखी के सहारे खड़ा विकलांग भाई गिरकर घायल हो गया।जिसे उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।घायल का नाम ग्राम करियादंड निवासी 42 वर्षीय भजनलाल पिता भाऊलाल शरणाग बताया गया है।जिसका जिला अस्पताल में उपचार जारी है।

घर से चावल निकालने की बात पर हुआ था विवाद

प्राप्त जानकारी के अनुसार करियरदंड निवासी भजनलाल शरणागत जन्म से विकलांग है जो बैसाखी के सहारे चलता है बताया गया की बीती शाम वह अपने घर पर था, जो पिता के कमरे से चावल निकाल रहा था, इसी दौरान छोटा भाई लक्ष्मी प्रसाद शरणागत वहां आ गया और बोला कि तू मुझसे गाली गलौच करता रहता है।इसी बात को लेकर दोनो के दरमियान विवाद हो गया ,जहां तू- तू, मैं-मैं से शुरू हुआ यह विवाद इतना अधिक बढ़ गया कि छोटे भाई लक्ष्मी शरणागत ने अपने विकलांग बड़े भाई भजनलाल शरणागत को जोर से मोबाइल फेंककर मारा, जो भजन के कमर पर लगा जिससे भजन गिरकर घायल हो गया। जिसे 108 एंबुलेंस के माध्यम भजन की पत्नी भुमेंश्वरी शरणागत ने जिला अस्पताल लाकर भर्ती कराया है, जहां उसका उपचार जारी है। उधर इस घटना के बाद से ही विकलांग संघ में आक्रोश देखा जा रहा है जिन्होंने इस मामले में वैधानिक कार्यवाही किए जाने की मांग की है।

उपनगरीय क्षेत्र गर्रा में शिवलिंग की जलधारी में नॉनवेज ग्रेवी डालने वाला युवक गिरफ्तार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कोतवाली थाना क्षेत्र के गर्रा स्थित श्मशान घाट के नजदीक स्थित मंदिर परिसर में कुछ अज्ञात लोगों द्वारा शिवलिंग की जलधारी में नॉनवेज ग्रेवी डाले जाने की घटना सामने आने के बाद क्षेत्र में आक्रोश फैल गया। इस घटना का विरोध करते हुए कुछ सनातनियों ने तत्काल कोतवाली थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। शिकायत मिलते ही कोतवाली पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए त्वरित रूप से घटना का संज्ञान लिया। पुलिस के बड़े अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने विशेष जांच टीम गठित की तथा गर्रा सहित आसपास के क्षेत्रों में लगे कैमरों के वीडियो फुटेज खंगालने शुरू कर दिए। जांच के आधार पर पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया। इस संबंध में 12 दिसंबर को प्रभारी सीएसपी प्रतिष्ठा राठौर ने जानकारी देते हुए बताया कि कुछ युवकों ने जन्मदिन की पार्टी मनाने के बाद इस घटना को अंजाम दिया था। उन्होंने बताया कि आरोपियों ने स्वीकार किया है कि उन्होंने यह कृत्य नशे की हालत में किया।

जानकारी देते हुए प्रतिष्ठा राठौर ने बताया कि कुछ सनातनियों ने इस पूरी घटना की जानकारी पुलिस को दी थी और शिकायत की थी इसके बाद दी गई शिकायत पर पुलिस ने मामले को अत्यंत संवेदनशील मानते हुए तुरंत कार्रवाई की। सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का निरीक्षण किया। संभावित तनाव को देखते हुए थाना प्रभारी के निर्देशन में तीन विशेष जांच दल गठित किए गए। इन टीमों को आसपास के क्षेत्रों, वारासिवनी रोड तथा अन्य रूटों पर लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज की गहन जांच का जिम्मा सौंपा गया। कई घंटे तक चले फुटेज विश्लेषण और क्षेत्र में की गई पूछताछ के आधार पर पुलिस को संदिग्ध व्यक्ति के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी मिली। फुटेज में दिखे संदिग्ध की पहचान योगेश पिता सहदेव नागवंशी, उम्र 40 वर्ष, निवासी स्नेहनगर के रूप में हुई। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए उसे अभिरक्षा में लिया और पूछताछ शुरू की। पूछताछ में योगेश ने बताया कि वह गर्रा बोटेनिकल गार्डन के निकट एक बर्थडे कार्यक्रम में बर्तन साफ करने का काम कर रहा था। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद बची हुई नानवेज ग्रेवी उसने एक बोतल में रख ली थी। इसके बाद वह गर्रा एवं श्मशान घाट क्षेत्र के पास शराब पीने पहुंचा। आरोपी ने स्वीकार किया कि अत्यधिक नशे की हालत में उससे यह कृत्य हो गया।

इन धाराओं के तहत मामला दर्ज

कोतवाली पुलिस ने आरोपी योगेश नागवंशी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 298 और 299 के तहत मामला पंजीबद्ध कर युवक को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी से विस्तृत पूछताछ जारी है ताकि घटना से जुड़ी कोई भी अन्य कड़ी सामने आए तो उसे भी जोड़ा जा सके। घटना के बाद पुलिस ने नागरिकों से शांत रहने की अपील की है। पुलिस का कहना है कि अफवाह फैलाने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तत्काल सूचना थाना को दें। पुलिस पूरी सतर्कता के साथ मामले की जाँच कर रही है और किसी भी प्रकार का माहौल बिगड़ने नहीं दिया जाएगा।

खनिज, राजस्व एवं पुलिस की टीम द्वारा सिवनघाट में की गई कार्यवाही

रेत खनन एवं परिवहन के लिए बनाया गया पुल ध्वस्त किया गया

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देश पर खनिज, राजस्व एवं पुलिस की टीम द्वारा 12 दिसम्बर को खैरलांजी तहसील के अंतर्गत ग्राम सिवनघाट में वैनगंगा नदी से रेत का अवैध खनन एवं परिवहन रोकने बड़ी कार्यवाही की गई है। महाराष्ट्र राज्य के गोंदिया जिले के व्यापारियों एवं ठेकेदारों द्वारा अवैध रूप से रेत का खनन करने की शिकायत प्राप्त होने पर यह कार्यवाही की गई है। 12 दिसम्बर को खैरलांजी तहसीलदार सुश्री छवि पंत, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस अभिषेक चौधरी, थाना प्रभारी रामसिंह पटेल, नायब तहसीलदार डीएल परते, खनिज निरीक्षक सुरेश कुमार कुलस्ते, दुर्गेश डेहरिया, रजनीश तिवारी, परसराम कोकोटे, मोनू ठाकुर, राजस्व निरीक्षक, हल्का पटवारी, कोटवार एवं अन्य लोगो की टीम द्वारा ग्राम सिवनघाट पहुंचकर कार्यवाही की गई। टीम ने मौके पर पाया कि रेत का अवैध रूप से खनन करने के लिए नदी पर पुल बना लिया गया है। टीम द्वारा जेसीबी मशीन से इस पुल को ध्वस्त कर दिया गया है, जिससे नदी में रेत खनन के लिए वाहनों का आवागमन न हो सके। खनिज निरीक्षक श्री कुलस्ते ने बताया कि 12 दिसम्?बर को गिट्टी का अवैध परिवहन करते हुए डम्बर क्रमांक एमपी-50-एच-1395 को किरनापुर तहसील के ग्राम हिर्री में जब्त किया गया है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले में रेत एवं खनिज के अवैध परिवहन पर कड़ी निगरानी जारी रहेगी और भविष्य में भी इस प्रकार की कार्यवाही की जाएगी।

बैंक सीईओ व उपायुक्त ने किया धान खरीदी केन्द्रों का निरीक्षण

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर एवं बैंक प्रशासक मृणाल मीना के मार्गदर्शन में 12 दिसंबर को मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित बालाघाट अभिनव सिंह बघेल एवं राजेश उइके उपायुक्त सहकारिता बालाघाट, श्री पटले वेयर हाउस द्वारा धान खरीदी केन्द्र परसवाड़ा और मगरदर्रा का औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान केन्द्रो में तौली गई धान के बोरो का वजन करवाया गया। इसके अलावा नमी मापक यंत्र के माध्यम से धान की नमी की जानकारी ली गई। खरीदी केन्द्रो में पहुंचे किसानों से भी चर्चा की गई। धान उपार्जन कार्य में लगे कर्मचारियों को अधिकारियों द्वारा निर्देशित किया गया कि धान उपार्जन नीति के अनुरूप खरीदी का कार्य किया जावे। समय-समय पर अधिकारियों द्वारा निरीक्षण किया जायेगा यदि लापरवाही पाई जाती है तो निश्चित तौर कार्यवाही प्रस्तावित की जावेगी। खरीदी केन्द्रो की पंजीयां, पंजीयन, बारदारो, पेयजल, किसानों की बैठने की व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरो का जायजा लिया गया। बैंक सीईओ श्री बघेल ने बताया कि 12 दिसंबर की सायं तक 30175 किसानों से 1395274 क्विंटल धान की खरीदी की गई है। 4064 किसानों को 3309.19 लाख भुगतान हुआ है।

ग्राम खड़खड़ी से कम्प्लेक्स मे खड़ी टवेरा कार चोरी

बालाघाट/ खैरलांजी थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम खड़खड़ी में बीती रात एक कम्प्लेक्स के टीन शेड के नीचे खड़ी टवेरा कर चोरी हो गई। इसकी कीमत ढाई लाख रुपए बताई गई है खैरलांजी पुलिस ने रितेश पिता घनश्याम लिल्हारे 31 वर्ष ग्राम खड़खड़ी निवासी द्वारा की गई रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपी के विरुद्ध चोरी का अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रितेश लिल्हारे अपने परिवार के साथ खेती किसानी करते हैं। जिनके पास एक सफेद रंग की टवेरा कार एम एच 49 यू 0178 है। 13 सितंबर 2019 को इस सेकंड हैंड टवेरा कार को रितेश लिल्हारे के भाई विक्रम लिल्हारे ने 5 लाख 80 हजार रुपए में खरीदी थी। यह कार विक्रम लिल्हारे के नाम से रजिस्टर्ड है। यह कार रितेश लिल्हारे के घर के बाजू में कम्प्लेक्स में ही टीन शेड सेट के नीचे खड़ी रहती थी। रोज की तरह 11 दिसंबर की रात भी यह टवेरा कार कम्प्लेक्स के टीन शेड के नीचे खड़ी थी। 12 दिसंबर को सुबह 3-30 बजे करीब जब रितेश लिल्हारे लघु शंका के लिए उठे तब उन्हें कम्प्लेक्स में कार नही थी। उन्होंने सोचा कि कार कही भाई विक्रम लिल्हारे ले गए होंगे, यह सोचकर रितेश लिल्हारे घर में जाकर सो गए। रितेश लिल्हारे सुबह उठे देख उनके भाई विक्रम लिल्हारे घर में ही थे। लेकिन कार नहीं थी। रितेश लिल्हारे के पूछने पर उनके भाई विक्रम लिल्हारे ने बताये की कार तो कम्प्लेक्स में ही थी और कार की चाबी भी उन्ही के पास थी। इसके बाद रितेश लिल्हारे और उसके भाई विक्रम लिल्हारे ने अपनी कार की तलाश खोजबीन किये किंतु कार नहीं मिली। इस प्रकार 11 एवं 12 दिसंबर की दरमियानी रात अज्ञात चोरों ने ग्राम खरखड़ी स्थित कम्प्लेक्स से टवेरा कार चोरी कर लिए। खैरलांजी पुलिस ने रितेश लिल्हारे द्वारा की गई रिपोर्ट पर टवेरा कार चोरी करने के आरोप में अज्ञात आरोपी के विरुद्ध धारा 303 (2) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है।

त्रुटि सुधार

दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस के दिनांक 12 दिसंबर 2025 के अंक में पेज 2 पर 'ग्राम कोसमी में युवक की कुयें में गिरने से मौत' समाचार तथा पेज 3 पर 'दो दिन से लापता व्यक्ति की बंजर नदी में पाई गयी लाश' उक्त दोनों समाचारों में टाइपिंग त्रुटिवश स्लग हेडिंग गुड न्यूज लग गयी है। इस तकनीकी त्रुटि के लिए हमें खेद है।

-स्थानीय सम्पादक

शराब के नशे में किया कीटनाशक का सेवन- जिला अस्पताल में मौत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट कटंगी थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम महदोली में किसी ग्राम के एक कृषक राजेंद्र पिता रामचंद्र राहंगडाले 53 वर्ष ने शराब के नशे में कीटनाशक दवाई का सेवन कर लिया जिसकी जिला अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार राजेंद्र राहंगडाले अपने परिवार के साथ खेती किसानी करता था। जिसके परिवार में एक बेटा और दो बेटी है एक बेटा और एक बेटी की शादी हो चुकी है। छोटी बेटी की शादी नहीं हुई है और वह पुणे में रहकर जॉब करती है। बताया गया कि राजेंद्र राहंगडाले शराब पीने का आदि था और वह पिछले कुछ महीनो से सुबह से ही शराब पीने लगा था। 12 दिसंबर को सुबह 5.30 बजे राजेंद्र राहंगडाले अपने घर से निकला था।जो गांव में किसी व्यक्ति के साथ बातचीत बातचीत करते भी देखा गया था। सुबह 8.30 बजे राजेंद्र राहंगडाले घर लौटा और सो गया था और जिसने घर में उल्टी भी की थी। जिससे कीटनाशक की दुर्गंध आ रही थी और पास में ही कीटनाशक दवाई की शीशी भी रखी हुई थी। राजेंद्र राहंगडाले बेहोशी की हालत में था। जिस परिवार के लोगों ने तुरंत ही कटंगी के अस्पताल में भर्ती किए थे। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद राजेंद्र राहंगडाले को जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया था। जिला अस्पताल में उपचार के दौरान 4 बजे करीब राजेंद्र राहंगडाले की मौत हो गई। जिला अस्पताल पुलिस ने मोके की कार्रवाई करने के बाद राजेंद्र राहंगडाले का शव जिला अस्पताल के फ्रीजर में सुरक्षित रख दी है। जिसका पोस्टमार्टम 13 दिसंबर को सुबह किया जाएगा।

आबकारी विभाग के कर्मचारियों से की मारपीट

बोलेरो वाहन में की तोड़फोड़, एक दरोगा और दो सिपाही घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट ग्रामीण थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम पंचेरा में शराब पकड़ने गए आपकारी विभाग की कर्मचारियों को ग्रामीण ग्रामीण में घेर मारपीट किये और उनके चौपहिया वाहन बुलेरो को तोड़फोड़ कर दिए। ग्रामीण द्वारा की गई मारपीट में आपका विभाग के दरोगा रमाकांत बघेल और दो सिपाही घायल हो गए। जिनका इलाज जिला अस्पताल बालाघाट में किया गया। जानकारी के अनुसार 12 दिसंबर को ग्रामीण थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम पंचेरा में अवैध रूप से हाथ भट्टी कच्ची महुआ की शराब ग्रामीण द्वारा निकाले जाने की सूचना मिलने पर आबकारी विभाग का अमला और सोम शराब कंपनी के कर्मचारी बुलेरो कार में ग्राम पंचेरा पहुंचे थे और जंगल में हाथ भट्टी कच्ची शराब की भट्टी और महुआ लाहन को नष्ट करने के बाद 12-00 बजे करीब आबकारी विभाग और शराब कंपनी के कर्मचारी बोलेरो वाहन में लौट रहे थे तभी उन्हें ग्रामीणों ने घेर लिया और वाहन बोलेरो वाहन में तोड़फोड़ कर दी औरआबकारी विभाग के कर्मचारियों को मारपीट कर घायल कर दिए। ग्रामीण द्वारा की गई मारपीट में आबकारी विभाग के दरोगा रमाकांत बघेल के अलावा दो सिपाही भी घायल हो गए। सभी लोग किसी तरह ग्रामीण थाना पहुंचे । ग्रामीणों द्वारा की गई मारपीट में घायल दरोगा रमाकांत बघेल और दो आरक्षक का इलाज जिला अस्पताल बालाघाट में किया गया। ग्रामीण पुलिस ने इस मामले में शासकीय कर्मचारियों को शासकीय कार्य के दौरान मारपीट कर उनके वाहन को तोड़फोड़ कर शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाने के आरोप में 3,4 ग्रामीणों के विरुद्ध अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है।

मिनेश पुसाम
आपको
जन्मदिवस पर
शुभाशीर्वाद
-शुभचिंतक-
मां-श्रीमती रैवंता पुसाम
बहन-श्रीमती दुर्गा पुसाम
पत्नी -श्रीमती छोटी उर्फ उमेश्वरी पुसाम
भतीजा और भतीजी-जियांश पुसाम और त्रिशा पुसाम
जोड़ापाट(कायदी)वारासिवनी

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

अपना शहर

लोहारा मार्ग पर सड़क हादसे में सब्जी मंडी के हमाल की मौत

पंचर होते ही वाहन फिसलने से हुआ हादसा

ढूंढने निकले परिजनों को सड़क पर पड़ा मिला वितेश का शव

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। ग्रामीण थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम लोहारा में शुक्रवार की अल सुबह हुए एक सड़क हादसे में बालाघाट सब्जी मंडी में काम करने वाले एक मजदूर की मौत हो

गई। मृतक का नाम थाना किरनापुर ग्राम पाला निवासी 30 वर्षीय वितेश पिता स्व. गजलाल कुतराहे बताया गया है। जिसके शव का शुक्रवार को जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया है, तो वही मामले की जांच के लिए डायरी ग्रामीण थाना नवेगांव पहुंचाई गई है। जिसके आधार पर पुलिस द्वारा इस पूरे मामले की जांच शुरू कर दी गई है

मंडी नहीं पहुंचा तो परिजनों ने की तलाश, रोड में पड़ा मिला शव

प्रति जानकारी के अनुसार थाना किरनापुर ग्राम पाला निवासी वितेश बालाघाट सब्जी मंडी में काम करता था, जो प्रतिदिन की तरह, शुक्रवार को वाहन से बालाघाट मंडी आ रहा था। इस दौरान ही अलसुबह, ग्राम लिंगा लोहारा के पास उसका वाहन अचानक से पंचर होकर पलट गया।जिससे वितेश मोटरसाइकिल सहित सड़क पर गिरकर गम्भीर रूप से घायल हो गया।उधर जब वह काफी समय तक मंडी नहीं पहुंचा तो मंडी में साथ काम करने वाले मौसा ने घर पर फोन लगाया। इसके बाद परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की तो उसका शव सड़क किनारे रोड पर पड़ा हुआ दिखाई दिया।

पीएम के बाद परिजनों को सौपा गया शव

बताया गया कि परिजन, जब वितेश को घायल हालत में जिला अस्पताल लेकर पहुंचे तो यहां डॉ. ने उसे चेक करते ही मृत घोषित कर दिया।युवक की मौत की तहरीर पर अस्पताल चौकी पुलिस ने शव बरामद कर पंचनामा कार्यवाही के बाद शव का पीएम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया है। मामले की अग्रिम जांच के लिए डायरी ग्रामीण थाना पहुचाई गई है। बताया गया कि ये परिवार में दो भाई और एक बहन है। वितेश, सब्जी मंडी में हमाली का काम करके परिवार का जीविकोपार्जन करता था।

सड़क किनारे घायल पड़ा था वितेश- संदीप

मृतक के भाई संदीप ने बताया कि सब्जी मंडी नहीं पहुंचने की खबर पर वह वितेश को रास्ते में खोजने निकल था। लोहारा में एक जगह लगी भीड़ को देखकर मैने रूककर देखा तो भाई वितेश, घायल हालत में पड़ा था। जिसे लेकर जिला अस्पताल लाए तो यहां डॉ. ने उसे मृत घोषित कर दिया।

सीएमएचओ डॉ. परेश उपलप सहित विभागीय अफसरों के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पारित

जिला पंचायत स्वास्थ्य समिति की हंगामाखेज बैठक में सदस्यों ने उपेक्षा को गंभीर उदासीनता बताया

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

जिला पंचायत के सभा हाल में स्वास्थ्य महिला एवं बाल कल्याण समिति की आवश्यक बैठक आयोजित की गई। बैठक में समिति के सदस्यों के साथ सभापति केसर बिसेन ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाया। सभापति बिसेन ने कहा कि अधिकारी परेश उपलव हर बार जानबूझकर बैठक से अनुपस्थित रहते हैं और अपने प्रतिनिधि को भेज देते हैं, जबकि उनका प्रतिनिधि समिति के सवालों के उचित जवाब देने में असमर्थ रहता है। इस व्यवहार पर नाराज़गी जताते हुए उन्होंने इसे गंभीर उदासीनता बताया। इसके साथ ही सभापति ने स्वास्थ्य विभाग तथा महिला एवं बाल विकास विभाग की कार्यप्रणाली पर भी कई गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा मरीजों को दी जाने वाली सुविधाएं जिला स्तर पर ठीक से उपलब्ध नहीं कराई जा रहीं, जिसका असर ग्रामीण क्षेत्रों में और अधिक देखने को मिलता है। इन सभी मुद्दों को लेकर सभापति ने विभागीय अधिकारियों की कड़ी फटकार लगाई और कहा कि इसकी विस्तृत शिकायत वरिष्ठ स्तर पर भी वह करेंगी ।

12 दिसंबर को जिला पंचायत के सभा हाल में दोपहर 1 बजे से स्वास्थ्य महिला एवं बाल कल्याण समिति की आवश्यक बैठक आयोजित की गई थी। इस बैठक की सूचना स्वयं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलव द्वारा जारी की गई थी। लेकिन जैसे ही बैठक शुरू हुई, समिति के सदस्य और सभापति केसर बिसेन विभागीय अधिकारियों के अनुपस्थित रहने पर नाराज हो गए। उन्होंने बैठक को स्थगित करने की बात तक कह डाली। कुछ अधिकारियों ने बताया कि वे अनुपस्थित अधिकारियों के प्रतिनिधि के रूप में उपस्थित हैं, जिस पर समिति के सदस्य और सभापति और अधिक नाराज हो उठे। सभापति केसर बिसेन ने आरोप लगाया कि मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी हर बैठक में जानबूझकर अनुपस्थित रहते हैं ताकि विभागीय समीक्षा का सामना न करना पड़े। स्वास्थ्य विभाग के प्रमुख बनने के बाद से उनका यही रवैया रहा है। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा कि स्वास्थ्य सेवाएं न तो जिला स्तर पर और न ही ग्रामीण क्षेत्रों में सही ढंग से उपलब्ध कराई जा रही हैं। महिला एवं बाल विकास विभाग को भी केसर बिसेन ने आड़े हाथों लिया। उन्होंने आरोप लगाया कि विभाग की योजनाओं का लाभ आम जनता तक नहीं पहुंचाया जा रहा है और न ही योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों पर छोटे अधिकारियों से पैसे लेने तक के आरोप लगाए और इसके कुछ प्रमाण भी बैठक में प्रस्तुत किए। बिसेन ने स्पष्ट कहा कि इन सभी मामलों की शिकायत वरिष्ठ अधिकारियों से की जाएगी। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि विभागीय अधिकारी जनप्रतिनिधियों को सही जानकारी नहीं देते और न ही शासन की योजनाओं को क्षेत्रों में ठीक से क्रियान्वित कर रहे हैं। बैठक के दौरान दोनों ही विभागों की कार्यशैली पर कई गंभीर आरोप लगाए गए, जिसके चलते माहौल काफी तनावपूर्ण रहा।

अधिकारियों के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पारित

जिला पंचायत की स्वास्थ्य महिला एवं बाल कल्याण समिति की बैठक में अधिकारियों की अनुपस्थिति को लेकर निंदा प्रस्ताव पारित किया गया। समिति की सभापति केसर बिसेन ने बताया कि मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलव सहित कई विभागीय अधिकारी बैठक में अनुपस्थित रहे, जिसके चलते समिति ने सर्वसम्मति से निंदा प्रस्ताव लिया। सभापति बिसेन ने स्वास्थ्य विभाग की स्थिति पर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा कि जिला से लेकर ग्रामीण स्तर तक स्वास्थ्य सुविधाएं बेहद खराब हैं। उन्होंने बताया कि कई ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को सोनोग्राफी जैसी मूलभूत जांच के लिए भटकना पड़ रहा है। आयुष विभाग में स्टाफ की भारी कमी है, जबकि जिले के कई उपस्वास्थ्य केंद्रों में पानी जैसी प्राथमिक सुविधाएँ तक उपलब्ध नहीं हैं। बार-बार शिकायत के बावजूद विभाग द्वारा इन समस्याओं पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रदेश में आयुष्मान कार्ड निर्माण में जिला नंबर वन होने के बावजूद विभाग मरीजों को यह जानकारी तक उपलब्ध नहीं करा रहा कि गंभीर बीमारियों की स्थिति में वे किन-किन अस्पतालों में आयुष्मान योजना के तहत उपचार प्राप्त कर सकते हैं।

महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाएँ कागज़ों में

स्वास्थ्य महिला एवं बाल कल्याण समिति की बैठक में सभापति केसर बिसेन ने महिला एवं बाल विकास विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि विभाग की कई योजनाएँ सिर्फ कागज़ों में चल रही हैं, जबकि जमीनी स्तर पर स्थिति बिल्कुल अलग है। सभापति ने बताया कि विभाग द्वारा आंगनवाड़ियों में पोषण वाटिका बनाए जाने के निर्देश जारी हुए हैं, लेकिन अधिकांश केंद्रों पर आज तक कोई कार्य प्रारंभ नहीं हुआ। सिर्फ दस्तावेज़ों और पोर्टल पर संख्या बढ़ा-चढ़ाकर दिखाई जा रही है। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि जिले के कुछ ब्लॉकों में आंगनवाड़ियों में बच्चों की 100 प्रतिशत उपस्थिति तथा 30 के 30 दिन पोषण आहार वितरण जैसे फर्जी आंकड़े पोर्टल पर अपलोड किए गए हैं। बिरसा, सोनगुड्डा, डाबरी जैसी आंगनवाड़ियों का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि 30 दिनों में कम से कम चार दिन छुट्टियां होती हैं, फिर भी 30 दिन की उपस्थिति दर्ज करना विभाग की धोखाधड़ी को दर्शाता है। इसी के साथ सभापति बिसेन ने विभागीय अधिकारियों व कर्मचारियों पर ऑडिट के नाम पर आंगनवाड़ी समूहों से मोटी रकम लेने के आरोप भी लगाए। उन्होंने कहा कि आंगनवाड़ियों में भोजन बनाने वाली महिलाओं का मानदेय बहुत कम है, इसके बावजूद उनसे अनावश्यक वसूली की जा रही है। उन्होंने बैठक में ऐसे कई साक्ष्य भी प्रस्तुत किए, जिनके आधार पर उन्होंने कहा कि इस मामले की शिकायत वरिष्ठ अधिकारियों से की जाएगी।

राज्य स्तरीय हॉकी टूर्नामेंट : महिला और पुरूष वर्ग में उज्जैन बनी सिरमौर

पुस्कार वितरण के साथ प्रतियोगिता का किया गया समापन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। म.प्र शासन उच्च शिक्षा विभाग के खेल कैलेण्डर अनुसार स्थानीय शहीद चन्द्रशेखर एस्टोटर्फ मैदान में 9 दिसम्बर से खेली जा रही महाविद्यालयीन राज्य स्तरीय महिला/पुरूष हॉकी टूर्नामेंट का शुक्रवार को फायलन मैच के साथ समापन किया गया।जहां 12 दिसम्बर शुक्रवार महिला और पुरुष वर्ग का अलग अलग फाइनल मैच कराया गया।इन दोनों ही वर्ग में उज्जैन की टीम ने अपने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन कर प्रतियोगिता का खिताब अपने नाम कर लिया।जहा विजेता ,उपविजेता सहित अन्य खिलाड़ियों को पुरष्कृत कर प्रतियोगिता का समापन किया गया।

उज्जैन बनाम जबलपुर के बीच हुआ पहला मुकाबला

आयोजित प्रतियोगिता के अंतिम दिन शुक्रवार को प्रतियोगिता का फाइनल मैच महिला वर्ग में उज्जैन बनाम जबलपुर के बीच खेला गया। इस मैच के दौरान जबलपुर की महिला टीम अपने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन नहीं कर सकी, जो लाख कोशिशें के बावजूद उज्जैन के खिलाफ महज 01 गोल दागने में कामयाब हुई, जबकि उज्जैन टीम की महिला खिलाड़ियों ने अपनी कलाई का जादू दिखाते हुए 02 गोल दागकर प्रतियोगिता का फाइनल मैच 2-1 से अपने नाम कर लिया। इस मैच में उज्जैन विजेता तो वही जबलपुर उपविजेता टीम घोषित की गई।

पुरूष वर्ग में उज्जैन बनाम इंदौर के बीच हुआ जंगी मुकाबला

महिला वर्ग के बाद पुरुष वर्ग में प्रतियोगिता का अंतिम फाइनल मैच उज्जैन बनाम इंदौर के बीच खेला गया। इसमें उज्जैन टीम के खिलाड़ियों का शानदार खेल का प्रदर्शन देखने को मिला।जिन्होंने यह मैच 5-1 से एकतरफा जीतकर टूर्नामेंट का सिरमौर बनने का गौरव प्राप्त किया। प्रतियोगिता में इंदौर की टीम शुरू से ही पिछड़ी हुई नजर आई, जबकि उज्जैन टीम के खिलाड़ी मैदान में पूरे जोश के साथ दिखाई दिए।जो लगातार एक के बाद एक गोल करते नजर आए। इसी बीच काफी जद्दोजहद के बाद इंदौर की टीम उज्जैन के खिलाफ महज एक ही गोल कर सकी। जबकि उज्जैन की टीम ने अपने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करते हुए मैदान में जमकर कलाइयों का जादू दिखाया और 05 गोल दागकर प्रतियोगिता का फाइनल खिताब अपने नाम कर लिया।

हमेशा खेल भावना से खेलें खिलाड़ी

आयोजित प्रतियोगिता के दौरान अपने संबोधन में आयोजक महाविद्यालय प्राचार्य डॉ अशोक कुमार मराठे ने बताया कि बालाघाट खेलो का केंद्र बन रहा है। क्रीड़ा परिषद के अध्यक्ष डॉ पी एस कातुलकर ने आयोजन को लेकर सभी व्यवस्थाओ की सराहना की आगंतुक खिलाडीओ को खेल भावना से खेलते रहने के लिए प्रेरित किया।क्रीड़ा अधिकारी अनिल झरबडे ने अपने समस्त साथिओं के साथ व आयोजन की सफलता तक के सफर मे सहयोग के लिए हॉकी संघ, खेल विभाग, समस्त क्रीड़ा अधिकारीओ व महाविद्यालय परिवार का आभार व्यक्त करते हुए आगामी आयोजन के लिए भी तैयार रहने की बात कही।

पुरस्कार वितरण के साथ प्रतियोगिता का किया गया समापन

उधर महिला वर्ग और पुरुष वर्ग का फाइनल मैच संपन्न करने के बाद पुरस्कार वितरण किया गया। इस अवसर पर अतिथियों के हस्ते विजेता व उपविजेता टीम को ट्राफी व पुरस्कार प्रदान किया गया। तो वही बेस्ट खिलाड़ी, महिला/ पुरुष बेस्ट डिफेंडर, बेस्ट कॉर्नर सहित अपने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अन्य खिलाड़ियों को भी पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।प्रतियोगिता मे सर्वश्रेष्ट खिलाडी महिला वर्ग मे उज्जैन से अक्षा बी व पुरुष वर्ग मे उज्जैन टीम से गौरव लोहरा को दिया गया।जिसके उपरांत प्रतियोगिता समापन की घोषणा की गई।

इनकी रही प्रमुख उपस्थिती

टूर्नामेंट के समापन अवसर पर अतिथि के रूप में डीएफओ बालाघाट रेशम धुर्वे, आईजी संजय सिंह, अपर कलेक्टर एसआर धुर्वे, मुख्य चिकित्सा एवं जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ परेश उपलव पीजी कॉलेज प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे, क्रीडा परिषद अध्यक्ष डॉ. पी.एस कातुलकर सहित अन्य उपस्थित रहे। इस दौरान महाविद्यालय के प्रोफेसर, क्रीडा अधिकारी व कर्मचारी, छात्र-छात्राएं सहित खेल प्रेमी दर्शक भी मौजूद रहे।टूर्नामेंट के सफल संचालन में जेएसटी महाविद्यालय के क्रीड़ा अधिकारी अनिल झरबडे, गर्ल्स कॉलेज के क्रीडा अधिकारी डॉ. विनोद ठाकुर, डां. विकास साहू, डॉ. मधु भदोरिया, डॉ. सपन जाट, डॉ. गेंदलाल विश्वकर्मा, डॉ. स्टीफन, डॉ. सचिन तिवारी, डॉ. जे.पी साहू, श्रीमती कविता क्षीरसागर, मनीष शिवहरे, रेखा बिसेन ललित कावडे, विवेक, मनोज, लीलाधर, डॉ पटवा, केसी बापू राऊर, कमलेश टेम्भरे सहित अन्य का सराहनीय योगदान रहा।

108 कलश शोभायात्रा के साथ शहर में निकाली गई साई पालकी

श्री शिव साईं मंदिर का वार्षिक उत्सव प्रारंभ, तीन दिनों तक चलेगा वार्षिकोत्सव, रोजाना विभिन्न कार्यक्रमों के होंगे आयोजन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। श्री शिव साईं मंदिर में श्री साईं बाबा की प्रतिमा स्थापना के 19 वर्ष पूर्ण हुए हैं। स्थापना दिवस के अवसर पर प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी श्री शिव साईं मंदिर में तीन दिवसीय वार्षिक उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया है।12 से 14 दिसम्बर तक चलने वाले इस वार्षिक उत्सव की शुरुवात आज शुक्रवार 12 दिसंबर को नगर में की गई।जहां वार्षिक उत्सव के पहले दिन शुक्रवार की शाम श्री शिव साईं मंदिर से 108 कलश यात्रा और साईं पालकी शोभायात्रा निकाली गई।धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ 108 कलश यात्रा व श्री साईं बाबा की पालकी शोभा यात्रा में भक्तगण झूमते गाते हुए नजर आए आए। इस शोभायात्रा ने 108 कलश, झांकी, लाईटिंग, रथ, बैंड, घोडे आदि के साथ शहर का भ्रमण किया।शोभायात्रा मंदिर से प्रारंभ होकर महावीर चौक, मेन रोड होकर राजघाट चौक, काली पुतली चौक, आंबेडकर चौक से गोंदिया रोड होते हुए हनुमान मंदिर से मेन रोड होते हुए सुभाष चौक, महावीर चौक होते हुये वापस श्री शिव साईं मंदिर पहुंच संपन्न हुई। जहां ध्वजारोहण कर महा आरती, प्रसाद वितरण सहित अन्य धार्मिक अनुष्ठान किए गए।

आज और कल भी विभिन्न कार्यक्रमों के होंगे आयोजन

इसी तरह श्री शिव साईं मंदिर के वार्षिक उत्सव के दौरान 13 दिसंबर शनिवार को प्रात- 6 बजे श्री साईं बाबा की काकड़ आरती, 07 बजे मंदिर में उपस्थित सभी साईं भक्तों से अभिषेक, सुबह 8 बजे से वैदिक मंत्रो व विधि विधान से पूजन हवन करेंगे, वही शाम 6 बजे हवन व आरती उपरांत प्रथम दिवस की पूजन का समापन होगा।इसी तरह14 दिसंबर रविवार को प्रात- 7 बजे श्री साईं बाबा का अभिषेक, दोपहर 12 बजे पूर्ण आहूति, 56 भोग का प्रसाद , व आरती के बाद महा भंडारा प्रारंभ होगा, जो देर रात्रि तक अनवरत चलता रहेगा। इस अवसर पर श्री शिव

सांई मंदिर समिति के पदाधिकारियों ने सभी साईं भक्तों से उपस्थित होकर पुण्य लाभ प्राप्त करने का आव्हान किया है।

2006 से चली आ रही परम्परा- प. शिवकुमार

आयोजन को लेकर की गई औपचारिक चर्चा के दौरान श्री शिव साईं मंदिर पुजारी प.शिवकुमार त्रिवारी ने बताया कि आज से करीब 19 वर्ष पूर्व, 2006 में यहां श्री शिव साईं की प्रतिमा का प्राण प्रतिष्ठा की गई थी।उसी के तहत 3 दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किए गए थे।वही परम्परा आज भी निभाई जा रही है।जहा प्रतिवर्ष 12, 13, और 14 दिसंबर को श्री शिव साईं का वार्षिक उत्सव मनाया जाता है।जहा प्रतिवर्ष कलश यात्रा, पालकी यात्रा, हवन, पूजन, तप, यज्ञ, 56 भोग , महा आरती, दूध व जल से बाबा का अभिषेक व विशाल भंडारा सहित विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान कराए जाते है।जिसका समापन 14 अप्रैल को विशाल भंडारे के साथ किया जाएगा।

दो मोटरसाइकिलें आपस में टकराई-चार घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। वारासिवनी थाना अंतर्गत ग्राम रेंगाटोला से दीनी रोड पर स्थित ग्राम केरा के पास दो मोटरसाइकिल आपस में टकराने से दोनों मोटरसाइकिल में सवार चार लोग घायल हो गए। यह सड़क दुर्घटना 11 दिसंबर की शाम 6 बजे करीब हुई इस दुर्घटना में चारों घायल जिन में प्रकाश पिता सुरेश पतले 23 वर्ष लोकेश पिता मोतीलाल बंसोड दोनों ग्राम बटरमारा थाना किरनापुर, नितिन पिता टीकाराम तेलासे 29 वर्ष ग्राम सरेखा थाना ग्रामीण नवेगांव, जयचंद पिता नत्थूसाव केकती 65 वर्ष खेती ग्राम रावडबंदी थाना भरवेली निवासी है। जिनका इलाज जिला अस्पताल में किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम बटरमारा निवासी प्रकाश पटले पेंटिंग का काम करते हैं। 11 दिसंबर की शाम 5-00 बजे करीब प्रकाश पटले अपने साथी लोकेश बंसोड़ के साथ ग्राम गर्रा से काम करके मोटरसाइकिल में अपने गांव बटरमारा जाने निकले थे। तभी रेंगाटोला से दीनी रोड पर स्थित ग्राम केरा के पास सामने से आ रही मोटरसाइकिल विकास की मोटरसाइकिल से टकरा गई। सामने सेआ रही मोटरसाइकिल में नितिन तेलासे से और जयचंद केकती सवार थे दोनों मोटरसाइकिल आपस में टकराने से दोनों मोटरसाइकिल में सवार चारों लोग घायल हो गए। चारों घायल को जिला अस्पताल लाकर भर्ती किया गया।

मछली काटने के औजार से किया सिर में वार

आमातालाब पिकनिक बनाने गए दो युवकों से की मारपीट

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट रूपझर थाना अंतर्गत आमानाला के तालाब में पिकनिक मनाने गए दो लोंगो को मछुआरों ने हाथबुक्के और मछली काटने के औजार से मार कर घायल कर दिए। 11 दिसंबर की शाम यह घटना मोटरसाइकिल हटाने की विवाद को लेकर हुई। दोनों घायल रमेश पिता धीरज पंचतिलक 40 वर्ष और प्रहलाद पिता ताराचंद परते 28 वर्ष दोनों ग्राम रूपझर थाना रूपझर निवासी को जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार रमेश पंचतिलक और प्रहलाद परते दोनों मजदूरी करते हैं । 11 दिसंबर की शाम 5 बजे प्रहलाद परते और रमेश पंचतिलक दोनों आमानाला का तालाब पिकनिक मनाने के लिए गए थे। साथ में अन्य लोग भी थे। रास्ते में ग्राम उकवा के मछुआरे समाज के लोगों ने मोटरसाइकिल खड़ी कर दी थी। प्रहलाद परते ने वहां खड़े दो लोगों को मोटरसाइकिल हटाने के लिए बोले । तभी दोनों व्यक्ति प्रहलाद परते और रमेश पंचतिलक को अश्लील गालियां देने लगे। प्रह्लाद परते ने उन्हें गालियां देने से मना किया। तभी उक्त दो व्यक्तियों के साथ अन्य व्यक्ति भी आ गए जिन्होंने प्रहलाद परते और रमेश पंचतिलक को हाथ बुक्के को से मारपीट करना शुरू कर दिए।इसी दौरान एक व्यक्ति ने मछली काटने का औजार से प्रहलाद परते के सिर में वार कर दिया।जिससे प्रहलाद परते का सिर काट गया। वहा पर उपस्थित कुछ लोगों ने बीच बचाव किये और डायल 112 को फोन करके बुलाए जिससे दोनों घायल प्रहलाद परते और रमेश पंचतिलक को जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया गया। जिला अस्पताल पुलिस ने प्रहलाद परते का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्रवाई हेतु थाना रूपझर भिजवा दी है।

नई दिल्ली में मध्य प्रदेश भवन की प्रदर्शनी में चमका बालाघाट का चिन्नौर चावल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नई दिल्ली स्थित मध्य प्रदेश भवन में 12 से 14 दिसंबर तक आयोजित विशेष प्रदर्शनी में बालाघाट जिले का प्रसिद्ध चिन्नौर चावल आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। 'एक जिला-एक उत्पाद' में शामिल चिन्नौर को इस प्रदर्शनी में प्रदर्शन सह बिक्री हेतु रखा गया है, जहां इसकी खुशबू और विशेष गुणों ने आगंतुकों का ध्यान खींचा। बालाघाट-सिवनी लोकसभा क्षेत्र की सांसद श्रीमती भारती पारधी ने 12 दिसंबर को प्रदर्शनी का अवलोकन किया और चिन्नौर चावल की गुणवत्ता एवं उत्पादन प्रक्रिया की जानकारी ली। उन्होंने इसकी बढ़ती लोकप्रियता को ग्रामीण अर्थव्यवस्था और किसानों के लिए सुखद संकेत बताया। प्रदर्शनी में पहुँचे अन्य गणमान्य अतिथियों एवं आगंतुकों ने भी चिन्नौर चावल में गहरी रुचि दिखाई। लोगों ने इसकी अनोखी खुशबू, महीन दाने, उत्कृष्ट स्वाद तथा पारंपरिक उत्पादन पद्धति की सराहना की और इसे बालाघाट की विशिष्ट कृषि पहचान बताया। प्रदर्शनी के माध्यम से चिन्नौर चावल को राष्ट्रीय स्तर पर प्रोत्साहन मिलने से इसके उत्पादकों को नए बाजारों में पहचान और बेहतर मूल्य मिलने की उम्मीद है।

बैरागीलाल कटरे का शोकाकुल माहौल में किया गया अंतिम संस्कार

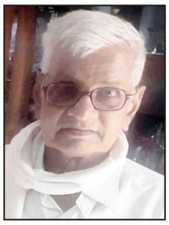

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग ९ किमी. दूर ग्राम पंचायत नेवरगांव ला. स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य राजेन्द्र कटरे के पिताश्री साल्हे ला. निवासी ७५ वर्षीय समाजसेवी बैरागीलाल कटरे का ११ दिसंबर को शाम ५.३० बजे हद्यगति रूक जाने से दुःखद निधन हो गया था। जिनका अंतिम संस्कार १२ दिसंबर को दोपहर १ बजे स्थानीय मोक्षधाम में शोकाकुल माहौल में किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार साल्हे ला. निवासी बैरागीलाल कटरे अस्वस्थ थे, गुरूवार की शाम ५.३० बजे अचानक अधिक तबियत खराब होने एवं हद्यगति रूक जाने से दुःखद निधन हो गया। निधन की खबर लगते ही चित-परिचितों एवं परिवारजनों में शोक की लहर व्याप्त हो गई। स्व. बैरागीलाल कटरे सरल, स्वभाव व मृदुभाषी के धनी थे, अपने पीछे भरापूरा परिवार छोड़ गये है। जिनका अंतिम संस्कार १२ दिसंबर को दोपहर १ बजे साल्हे ला. स्थित मोक्षधाम में शोकाकुल माहौल में किया गया। इस अवसर पर उपस्थितजनों ने दो मिनट का मौन धारण कर मृतात्मा की शांति एवं परिवार को दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने ईश्वर से कामना की है।

कमला नेहरू कन्या महाविद्यालय में मनाया गया मानवाधिकार दिवस

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शासकीय कमला नेहरू कन्या महाविद्यालय बालाघाट में राजनीतिशास्त्र विभाग द्वारा मानव अधिकार दिवस के उपलक्ष्य में निबंध प्रतियोगिता एवं पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. निधि ठाकुर के मार्गदर्शन में किया गया। निबंध प्रतियोगिता का विषय भारत में मानव अधिकार की चुनौतियां था। निबंध प्रतियोगिता में विभिन्न संकायों से 26 छात्राओं ने प्रतिभागिता की साथ ही पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया जिसका विषय जलवायु परिवर्तन और मानव अधिकार था। इसमें विभिन्न संकाय से 10 छात्राओं की सहभागिता रही। कार्यक्रम का संचालन डॉ. श्वेता मोर सहायक प्राध्यापक राजनीतिशास्त्र ने किया। प्रतियोगिता के विषयों का चयन समसामयिक परिदृश्य की चुनौतियों के संदर्भ में छात्राओं को जागरूक बनाने के उद्देश्य से किया गया था। कार्यक्रम को सफल बनाने में आईक्यूएसी प्रभारी डॉ. स्वाति खोब्रागढ़े, भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ की संयोजक डॉ. सरोज घोड़ेश्वर एवं मोहरलाल पारधी, मोहित लांझेवार, नरेश दौने का विशेष योगदान रहा।

अधिवक्ता संघ ने विधायक अनुभा मुंजारे को सौंपा ज्ञापन

लालबर्रा में सिविल न्यायालय खोले जाने की मांग

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय से लगभग ५ किमी. दूर ग्राम पंचायत खारी में शुक्रवार को हाट बाजार के शुभारंभ कार्यक्रम में पहुंची क्षेत्रीय विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे को अधिवक्ता संघ लालबर्रा के द्वारा ज्ञापन सौंपकर लालबर्रा में सिविल न्यायालय खोले जाने की मांग की है। वहीं क्षेत्रीय विधायक ने अधिवक्ता संघ को आश्वस्त किया है कि मांगों को पूरा करवाने का प्रयास किया जायेगा।

आपकों बता दे कि लालबर्रा तहसील के अंतर्गत ७७ ग्राम पंचायत एवं १०७ राजस्व ग्राम आते है, जिन्हे न्यायालयीन संबंधित प्रकरण, अपीलों एवं अन्य संबंधित कार्यों के लिए सिविल न्यायालय वारासिवनी में जाना पड़ता है और लालबर्रा तहसील के अंतिम ग्राम भांडामुर्री, छिंदलई सहित अन्य दुरस्थ ग्रामों से वारासिवनी की दुरी ४५ से ४६ किमी. है। ऐसी स्थिति में क्षेत्रीयजनों को न्यायालयीन प्रकरणों के लिए वारासिवनी आने-जाने में परेशानी होती है और आर्थिक बोझ भी बढ़ता है। अगर लालबर्रा में ही सिविल न्यायालय खुल जाता है तो लालबर्रा में व्यवहार न्यायाधीश पदस्थ होने पर सिविल एवं अपराधिक मामलों की सुनवाई एवं निराकरण यही पर हो जायेगा

। जिससे क्षेत्रीयजनों को सुविधा होगी क्योंकि वारासिवनी दुर होने के कारण एवं समय पर काम नही होने से परेशानियों का सामना करना पड़ता है। साथ ही लंबे समय से लालबर्रा में सिविल न्यायालय खोले जाने की मांग की जा रही है परन्तु शासन-प्रशासन के द्वारा इस ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे लोगों में आक्रोश भी व्याप्त है। वहीं शुक्रवार को अधिवक्ता संघ लालबर्रा के द्वारा खारी में बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे को ज्ञापन सौंपकर लालबर्रा में सिविल न्यायालय खोले जाने की मांग की है। इस अवसर पर अधिवक्ता संघ लालबर्रा के पदाधिकारी एवं अधिवक्तागण उपस्थित रहे।

न्यायालय स्थापना के नियम पर खरा उतरता है लालबर्रा

अधिवक्ता संघ ने विधायक को यह भी स्पष्ट किया कि लालबर्रा सिविल न्यायालय स्थापित करने के लिए निर्धारित सभी नियमों और मापदंडों पर खरा उतरता है। संघ की दलील है कि जब क्षेत्र नियमानुसार पात्र है और जनता को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, तब न्यायालय की स्थापना में विलंब नहीं किया जाना चाहिए। साथ ही संघ ने यह भी कहा कि विगत दिवस जिला न्यायाधीश महोदय के निर्देशन पर सिविल न्यायालय खोले जाने के संबंध में प्रकरणों एवं सिविल न्यायालय के लिए जो मापदण्ड होनी चाहिए वह लालबर्रा क्षेत्र में है या नही इसकी भी जांच करवाई गई थी। जिसमें लालबर्रा खरा उतरा था और जिला न्यायालय से न्यायाधीशों का दल भी लालबर्रा पहुंचकर शासकीय कार्यालयों का निरीक्षण भी किये थे। जिससे लोगों को लग रहा था कि जल्द ही लालबर्रा में सिविल न्यायालय की सौगात मिलेगी, लेकिन कई महीनों बीत जाने के बाद भी न्यायालय नही खुलने से क्षेत्रवासियों में नाराजगी देखी जा रही है। साथ ही यह भी कहा कि जिला न्यायालय से निर्धारित दुरी कम होने की जो बात कही जा रही है तो उसके अनुसार वारासिवनी में जिस तरह से नियमों को शिथिल करके जनहित में सिविल न्यायालय खोला गया है। उसी तरह लालबर्रा में भी जनता की समस्या को ध्यान में रखते हुए जनहित में सिविल न्यायालय खोला जाना चाहिए।

सिविल न्यायालय जल्द खोला जाये - जगदीश

चर्चा में अधिवक्ता संघ सचिव जगदीश बोपचे ने बताया कि लालबर्रा तहसील के अंतर्गत ७७ ग्राम पंचायतें आती हैं। यह क्षेत्र न केवल जनसंख्या घनत्व वाला है, बल्कि यहां सिविल और आपराधिक दोनों तरह के प्रकरण आये दिन सामने आते रहते हैं और वर्तमान में इन सभी प्रकरणों के निराकरण के लिए क्षेत्र की जनता को काफी दुरी तय कर सिविल न्यायालय वारासिवनी जाना पड़ता है। यह दूरी क्षेत्र की जनता के लिए समय की बर्बादी का कारण बनती है, साथ ही उन पर आर्थिक बोझ भी बढ़ता है। श्री बोपचे ने बताया कि बालाघाट विधायक श्रीमती मुंजारे को ज्ञापन सौंपकर लालबर्रा में सिविल न्यायालय खोलने एवं अधिवक्ता कक्ष का निर्माण करवाने की मांग की है।

अखण्ड दीप दिव्य ज्योति कलश यात्रा का श्रध्दालुओं ने किया आत्मीय स्वागत

जगह-जगह कलश रथयात्रा का पूजा-अर्चना कर लोगों ने लिया धर्मलाभ, जन-जन में देवत्व के उदय का दिया गया संदेश

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। शांतिकुंज हरिद्वार में 'शताब्दी समारोह' नारी जागरण की सशक्त माता भगवती देवी शर्मा और अखिल विश्व गायत्री परिवार की आध्यात्मिक यात्रा के प्रेरणा पुंज अखण्ड दीप प्रज्वलन और संस्थापक सिध्दांतों की १०० वीं वर्षगांठ जन्म शताब्दी के अवसर पर अखंड दीप दिव्य ज्योति कलश यात्रा निकाली गई। इस ज्योति कलश यात्रा के माध्यम से आध्यात्मिक जागृति के लिए शांतिकुंज से पवित्र ज्वालाओं को घरों तक ले जाना, सामूहिक गायत्री साधना, सामूहिक आध्यात्मिक अभ्यास, सेवा अभियान, सामाजिक स्वास्थ्य और उत्थान पर ध्यान केंद्रित करना, साहित्य का प्रसार, लोगों को प्रेरित करने के लिए पुस्तकें और पत्रिकाए वितरित करना, जन जन में देवत्व के उदय के लिए युग निर्माण आंदोलन में शामिल होने, दीक्षा लेने और अखंड ज्योति की स्थापना जैसी आध्यात्मिक प्रथाओं को अपनाने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से १२ दिसम्बर को लालबर्रा में दिव्य ज्योति कलश यात्रा का आगमन हुआ। जिसका गायत्री परिवार के द्वारा आत्मीय स्वागत किया गया तत्पश्चात मानपुर गायत्री प्रज्ञापीठ मंदिर से शाम ४ बजे अखंड दीप दिव्य ज्योति कलश यात्रा निकली गई। यह यात्रा मानपुर, अस्तपाल कालोनी, पावर हाउस सिवनी मार्ग सहित अन्य स्थानों का भ्रमण करते हुए नगर मुख्यालय से गुजरी। इस दौरान जिस स्थान से अखण्ड दीप दिव्य ज्योति कलश यात्रा गुजरी लोगों ने उसका आत्मीय स्वागत कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर धर्मलाभ अर्जित किये। चर्चा में गायत्री परिवार के पदाधिकारियों ने बताया कि अखण्ड दीप दिव्य ज्योति कलश यात्रा सिर्फ एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं है, बल्कि यह एक जन-जागरण अभियान है। इस यात्रा के माध्यम से जन-जन में देवत्व के उदय का संदेश पहुंचाना है। यानि कि प्रत्येक नागरिक को यह संदेश देना है कि सभी के भीतर एक दैवीय शक्ति और अच्छे गुण समाहित हैं। कलश और अखण्ड दीप की दिव्य ज्योति यह प्रतीकात्मक संदेश देती है कि हमें अपने जीवन में सदगुणों, नैतिकता और परोपकार के दीप को हमेशा प्रज्वलित रखना चाहिए। साथ ही समाज में धार्मिक चेतना का विस्तार करना और सामाजिक समरसता को मजबूत बनाना है एवं आध्यात्मिक ऊर्जा का विस्तार करना है और इस दीप के दर्शन मात्र से लोगों में सकारात्मक आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार होता है। साथ ही ऐसी धार्मिक यात्राएं हमारी प्राचीन भारतीय संस्कृति और धार्मिक परंपराओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम हैं। आगे बताया कि ११ दिसंबर को अखण्ड दीप दिव्य ज्योति कलश यात्रा का लालबर्रा विकासखण्ड के कंजई में प्रवेश हुआ था। जिसके बाद विभिन्न ग्रामों का भ्रमण करते हुए १२ दिसंबर को लालबर्रा पहुंची थी। जिसका जगह-जगह आत्मीय स्वागत किया गया एवं पूजा अर्चना कर नगरवासियों ने धर्मलाभ अर्जित किये है और इस यात्रा के माध्यम से जन-जन में देवत्व के उदय के संदेश को पहुंचाया जा रहा है। इस अवसर पर विश्व गायत्री परिवार के पदाधिकारी, श्रध्दालुजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

ब्लाक मरार माली समाज अध्यक्ष बने कैलाश मात्रे

५ जिला प्रतिनिधियों की भी हुई नियुक्ति, नवनियुक्त पदाधिकारियों को प्रमाण पत्र देकर किया गया सम्मानित

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत मानपुर के बालाघाट रोड़ स्थित लॉन में १२ दिसंबर को ब्लाक मरार माली समाज की आमसभा संपन्न हुई। यह आमसभा समाज के पदाधिकारी एवं जिले से पहुंचे पर्यवेक्षकों की उपस्थिति में प्रारंभ हुई। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने राष्ट्रपिता महात्मा ज्योतिबाराव फुले, माता सावित्रीबाई फुले के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। आयोजित

आमसभा में मरार माली समाज के ब्लाक अध्यक्ष एवं जिला प्रतिनिधियों के चुनाव की प्रक्रिया संपन्न करवाने की कंडिका को पर्यवेक्षक के द्वारा पढ़कर उपस्थितजनों को सुनाया गया तत्पश्चात चुनाव की प्रक्रिया प्रारंभ हुई। वहीं ब्लाक अध्यक्ष के लिए ५ लोगों ने नामांकन फार्म दाखिल किये जिसमें ३ लोगों ने नामांकन फार्म वापस ले लिए। जिसके बाद दो प्रत्याशी कैलाश मात्रे एवं दीपक पंचेश्वर बचे जिनके मध्य चुनाव होना था। लेकिन सभी की सहमति से दोनों के नाम की पर्ची बनाकर ड्रा के माध्यम से चुनाव संपन्न हुआ। जिसमें कैलाश मात्रे ब्लाक मरार माली समाज लालबर्रा के अध्यक्ष नियुक्त हुए है। इसी तरह जिला प्रतिनिधि पद के लिए भी १० से अधिक लोगों ने नामांकन फार्म भरे उनका भी चुनाव न करवाकर ड्रा के माध्यम से जिला प्रतिनिधि नियुक्त किया गया है। जिसमें श्रीमती सरिता मात्रे, श्रीमती पंचेश्वरी बाहेश्वर, ओपी बाहेश्वर, बैगालाल बाहेश्वर, धनीराम खैरवार मरार माली समाज के जिला प्रतिनिधि नियुक्त हुए है। जिसके बाद सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को पर्यवेक्षकों के द्वारा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस तरह से ब्लाक मरार माली समाज के ब्लाक अध्यक्ष, जिला प्रतिनिधि पद का चुनाव संपन्न हुआ। वहीं नवनियुक्त पदाधिकारियों ने कहा कि जो दायित्व सौंपा गया है उसका ईमानदारी से निर्वहन कर समाजोत्थान के क्षेत्र में बेहतर काम किया जायेगा। चुनाव प्रक्रिया संपन्न होने के बाद पर्यवेक्षकों ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जो दायित्व सौंपा गया है उसका ईमानदारी से निर्वहन कर समाज एवं संगठन के हित में काम करें ताकि समाज का विकास हो सके। साथ ही शिक्षा के प्रति लोगों को जागरूक कर अपने-अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा प्रदान करने की बात कही। चर्चा में मरार माली समाज लालबर्रा ब्लाक नवनियुक्त अध्यक्ष कैलाश मात्रे ने बताया कि मानपुर स्थित लॉन में समाज के ब्लाक अध्यक्ष एवं जिला प्रतिनिधि पदाधिकारियों का चुनाव प्रक्रिया शांतिपूर्वक संपन्न हुआ है और इस चुनाव प्रक्रिया के तहत मुझे ब्लाक अध्यक्ष का दायित्व मिला है। जिसका ईमानदारी से निर्वहन कर सभी वरिष्ठजनों के मार्गदर्शन में समाजोत्थान के क्षेत्र में काम किया जायेगा। साथ ही यह भी बताया कि जल्द ही ब्लाक कार्यकारिणी का गठन किया जायेगा और पदाधिकारियों की नियुक्ति की जायेगी। इस अवसर पर मरार माली समाज ब्लाक लालबर्रा के पदाधिकारी एवं स्वजातीय बंधु बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

सत्र 2025-26 में समेकित छात्रवृत्ति की पेंडेंसी के निराकरण के लिए शिविर का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर बालाघाट मृणाल मीना के निर्देशानुसार समेकित छात्रवृत्ति की पेंडेंसी के निराकरण हेतु 05 विकासखंड के विद्यालयों के प्रभारी शिक्षकों एवं प्राचार्य के शिविर का आयोजन किया गयाशिविर में बालाघाट, किरनापुर, लांजी, लालबर्रा एवं खैरलांजी विकासखंड के शासकीय/शासकीय संस्थाओं की प्रोफाइल अपडेशन, प्रोफाइल लॉक, और छात्रवृत्ति स्वीकृति में तकनीकी समस्याओं का समाधान किया गया। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य समेकित छात्रवृत्ति की पेंडेंसी का निराकरण करना था । आगामी वार्षिक परीक्षा को दृष्टिगत रखते हुए परीक्षा परिणाम उन्नयन हेतु शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लामता, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चांगोटोला, शासकीय हाई स्कूल घुनाड़ी एवं शासकीय हाई स्कूल बुढ़ियि गांव के विद्यालयों का अकादमिक निरीक्षण किया गया। प्राचार्य शा हाईस्कूल घुनाडी उपस्थिति पंजी में हस्ताक्षर कर अनुपस्थित पाये गये। स्कूल में परीक्षा पंजी का संधारण नहीं पाया गया। डी एवं ई ग्रेड के विद्यार्थियों हेतु निदानात्मक कक्षाओं का टाईम टेबल नहीं बनाया गया एवं कालखण्ड खाली पाये गये। फर्नीचर होने के बाद भी विद्यार्थियों को जमीन में बैठाना पाया गया। इस हेतु संबंधित प्राचार्य के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही हेतु कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया ।

ग्राम पौनेरा में जल जीवन मिशन ने बढ़ाई उम्मीदें

जल्द मिलेगी हर घर नल से शुद्ध पेयजल की सौगात

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले की वारासिवनी तहसील के ग्राम पौनेरा में जल जीवन मिशन के तहत संचालित नल-जल योजना तेजी से पूर्णता की ओर बढ़ रही है। योजना के पूरा होते ही ग्रामीणों की वर्षों पुरानी पेयजल समस्या का स्थायी समाधान हो जाएगा। विशेषकर महिलाओं में इस योजना को लेकर उत्साह साफ झलक रहा है, क्योंकि अब उन्हें दूर-दूर से पानी भरकर लाने की परेशानी से मुक्ति मिलने वाली है। जिला मुख्यालय से लगभग 30 किलोमीटर दूर स्थित पौनेरा ग्राम की जनसंख्या करीब 705 है। अब तक यहां पेयजल का मुख्य स्रोत केवल हैंडपंप और कुएं थे। बाहरी निस्तार के लिए ग्रामीणों को तालाब से पानी लाना पड़ता था। गर्मी के मौसम में यह समस्या और भी गंभीर रूप ले लेती थी। जल जीवन मिशन के अंतर्गत ग्राम में नल-जल योजना का काम युद्धस्तर पर जारी है। योजना के तहत 3500 मीटर लंबाई की पाइपलाइन बिछाने का कार्य पूर्ण हो चुका है। वहीं 50 किलोलीटर क्षमता वाली उच्च स्तरीय पानी की टंकी का निर्माण 70 प्रतिशत तक और 20 हजार लीटर क्षमता वाले सम्पवेल का निर्माण 80 प्रतिशत तक पूरा हो चुका है। कार्य पूरा होने के बाद ग्राम पौनेरा के प्रत्येक घर को क्रियाशील नल कनेक्शन मिलेगा, जिससे ग्रामीणों को प्रतिदिन शुद्ध एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराया जा सकेगा। इससे न केवल पानी की किल्लत समाप्त होगी बल्कि ग्रामीणों के स्वास्थ्य और जीवनस्तर में भी सकारात्मक बदलाव आएगा। ग्रामवासियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव तथा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग बालाघाट के प्रति आभार जताया है। उनका कहना है कि जल जीवन मिशन ने गाँव के विकास की दिशा में नई उम्मीदें जगाई हैं और अब हर घर तक पानी पहुंचने का सपना साकार होने जा रहा है।

नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा आज

१२८४१ परीक्षार्थी होंगे शामिल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा २०२६ के सफल संचालन और परीक्षा से संबंधित अगोपनीय सामग्री के वितरण के लिए पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय वारासिवनी में आवश्यक बैठक आयोजित की गई। नवोदय विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य रणबीर सिंह ने सभी उपस्थित पदाधिकारियों का औपचारिक स्वागत करते हुए १३ दिसंबर २०२५ को आयोजित होने वाली इस चयन परीक्षा को सफलता पूर्वक संपन्न कराने के निर्देश दिये है। परीक्षा की संपूर्ण प्रक्रिया को इस तरह से कार्यान्वित किया जाएगा जिसमें किसी भी प्रकार की त्रुटि की संभावना नहीं रहेगी । उन्होंने कहा कि इस परीक्षा के लिए जिले भर के दस विकासखंडों में ३६ परीक्षा केंद्र बनाए गए है। जिसमें कुल १२८४१ परीक्षार्थी शामिल होंगे। विद्यालय के पैनल इंस्पेक्शन के दौरान आयोजित इस अभिविन्यास कार्यक्रम में नवोदय विद्यालय समितिए क्षेत्रीय कार्यालय भोपाल की सहायक आयुक्त् श्रीमती दीक्षा ज्योति मिश्रा सहित उनकी टीम की गरिमामयी उपस्थिति ही नहीं रही । बल्कि उन्होंने चयन परीक्षा को सफलतापूर्वक संपन्न कराने

के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए। बैठक के दौरान चयन परीक्षा २०२६ के लिए जिले के विकासखंडों में सर्वाधिक रजिस्ट्रेशन हुए शीर्ष तीन विकासखंडों के स्रोत समन्वयकों को स्मृति चिह्नए शाल और प्रमाण.पत्र देकर सम्मानित किया गया। परीक्षा के सफल संचालन के लिए सभी केन्द्राध्यक्षों को श्री संजय बघेल के सहयोग से जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा की अगोपनीय सामग्रियों का वितरण किया गया तथा केंद्र स्तरीय प्रेक्षकों को फाइल में परीक्षा संबंधी आवश्यक कागजात उपलब्ध कराए गए । नवोदय चयन परीक्षा प्रभारी बी आर पटेल ने उपस्थित केन्द्राध्यक्षों और केंद्र स्तरीय प्रेक्षकों को परीक्षा पूर्व की तैयारी परीक्षा के दौरान की प्रक्रिया तथा परीक्षा के बाद तैयार किए जाने वाले पैकेट की आवश्यक जानकारी दी। यह चयन परीक्षा बिना किसी अंतराल के ११.३० बजे पूर्वाह्न से १.३० बजे तक होगी। इसलिए सभी परीक्षार्थियों को अभिभावकों सहित संबंधित परीक्षा केंद्र पर सुबह १०.३० बजे उपस्थित होने के निर्देश दिए गए हैं । इस बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी सहित परीक्षा केन्द्रों के केन्द्राध्यक्ष सभी विकासखण्ड स्रोत समन्वयक केंद्र स्तरीय प्रेक्षक नवोदय विद्यालय वारासिवनी के शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

गर्राटोला से झाड़गांव मार्ग हुआ खस्ताहाल, आवागमन हुआ खतरनाक

आवागमन में हो रही परेशान ग्रामीण सड़क निर्माण की कर रहे मांग

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत गर्रा के गर्राटोला से झाड़गांव पहुंच मार्ग की स्थिति बहुत ज्यादा खस्ताहाल हो गई है। जहां पर आवागमन करने में राहगीरों को अनेको परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। तो वहीं कई बार दुर्घटनाग्रस्त भी होना पड़ रहा है यह स्थिति बीते करीब १ वर्ष से बनी हुई है। इस डामर सड़क का डामर उधड़ने से निर्मित गड्ढे और किनारे कटाव से साइड शोल्डर की बुरी स्थिति से लोग परेशान है। जिस पर वर्तमान तक जिम्मेदार प्रशासनिक अधिकारियों के द्वारा ध्यान नहीं दिया गया है। ऐसे में राहगीर सहित ग्रामीण लोगों के द्वारा मार्ग की मरम्मत करने या मार्ग का पुनः निर्माण करवाने की मांग शासन प्रशासन से की जा रही है। ताकि लोग सुरक्षित आवागमन कर स्वयं को सुरक्षित महसूस कर सके।

सड़क की डामर परते उधड़ने किनारी कटने से हो रही समस्या

प्राप्त जानकारी के अनुसार गर्राटोला से झाड़गांव डामर मार्ग बना हुआ है इस मार्ग की दूरी करीब ढाई किलोमीटर से अधिक की है। जहां से रोजाना रामपायली मोहगांव ,थानेगांव सहित विभिन्न ग्राम के लोग रोजाना अपने कार्यों के लिए झाड़गाव, मेंढ़की, पदमपुर और डोंगरमाली सहित विभिन्न ग्राम के लिए आना जाना करते हैं। और वह भी इसी मार्ग का उपयोग रामपायली एवं विभिन्न ग्राम आने के लिए करते है। ऐसे में रोजाना दर्जनों ग्राम के ग्रामीण इस मार्ग का उपयोग करते हैं। तो वहीं झाड़गांव के लोग वारासिवनी मुख्यालय के लिए रोजाना आना जाना करते है, ऐसे में इस मार्ग का उपयोग सुबह से देर रात तक निरंतर चलता रहता है। जहां से बस ट्रक ट्रैक्टर सभी प्रकार के छोटे बड़े वाहन आना जाना करते हैं। यह जो मार्ग है उसमें अनेकों स्थानों पर बड़ी संख्या में डामर की परत उधड़ने से छोटे.बड़े गड्ढे निर्मित हो गए हैं। जिसमें अंदर की गिट्टी भी बाहर उछलकर रोड़ पर फैली हुई है तो वहीं मार्ग किनारे से लगातार काटने लगा है जिससे साइड शोल्डर से ऊंची सड़क देखने को भी मिल रही है। इस दौरान कई बार दुर्घटना ग्रस्त भी लोगों को होना पड़ रहा है यह मार्ग की स्थिति बीते करीब १ वर्ष से लंबा समय हो गया है खस्ताहाल बनी हुई है। जिसकी मरम्मत लंबे समय से विभाग या संबंधित ठेकेदार के द्वारा नहीं की गई है। जिसका परिणाम है कि लोगों को परेशानी का सामना करते हुए आवागमन करना पड़ रहा है। ऐसे में लोगों के द्वारा मार्ग के पुनः निर्माण या वर्तमान में मरम्मत किए जाने की मांग की जा रही है जिससे कि दुर्घटना की संभावना समाप्त हो सके।

प्रशासन को पुनः इस मार्ग का निर्माण कार्य कराना चाहियें-मनोज

ग्रामीण मनोज पटेल ने बताया कि यह जो सड़क है वह झाड़गांव ,मेंढ़की, बिटोड़ी सहित विभिन्न ग्रामीण क्षेत्र के लिए उपयोग की जाती है। सुबह से देर रात तक इसका उपयोग होता है रात के समय मार्ग में अंधेरा बना रहता है जिससे गड्ढे समझ नहीं आते हैं। यहां आने जाने में बहुत दिक्कत है यह डामर सड़क का डामर उखड़ गया है गिट्टी बाहर आ गई है लगातार दुर्घटनाएं होती रहती है। इस रोड का बना अति आवश्यक है करीब ५ वर्ष इसके निर्माण को हो गया है और दो वर्ष से बहुत ज्यादा रोड़ की खराब स्थिति है। इस मार्ग से रामपायली, मोहगांव, थानेगांव, झाड़गांव, मेंढ़की ,पदमपुर ,लड़सडा ,डोंगरमाली के लोग आना जाना करते हैं। मार्ग पर कई लोग दुर्घटनाग्रस्त भी हो चुके हैं।

सड़क पूरी तरह बर्बाद हो गई जगह जगह गड्ढे हो गए है-राजू

ग्रामीण राजू डोंगरे ने बताया कि यह जो सड़क है वह झाड़गांव से गर्राटोला की सड़क है अभी की स्थिति में यह सड़क पूरी तरह खराब और बर्बाद हो गई है। जगह जगह गड्ढे हो गए हैं और यह गड्ढे बहुत ज्यादा मात्रा में बने हुए है। करीब ७ महीने से मार्ग की खस्ताहाल स्थिति बनी हुई है। अभी इस पर कोई काम नहीं चल रहा है कुछ वर्ष पहले करीब ४ साल सड़क को बने हो गए हैं पर आज तक कोई मरम्मत इसकी हुई नहीं है। ग्राम पंचायत में बीच में मरम्मत के रूप में गड्ढों में मुरूम डाली थी परंतु उससे भी कोई फर्क नहीं पड़ा। यह रोड नया बनाना चाहिए जब यह रोड बनी थी तो दो से तीन दिन में ऐसे ही बन गई थी यही कारण है कि तेज गति से या खराब भी हो गई। २ किलोमीटर अधिक की सड़क है पीडब्ल्यूडी के द्वारा इसका निर्माण किया गया था अभी यहां तो शुरू में ठीक है आगे तो चलना मुश्किल है।

पूण्यतिथि पर श्रद्धासुमन अर्पित कर स्व.अमृतलाल जायसवाल के सेवामयी कार्यों को किया याद

पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने गरीबों व जरूरतमंदों को कंबल का किया वितरण

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। जिले की राजनीति में जमीन से उठकर प्रदेश स्तर तक अपने विचारों एवं

कार्यो से अल्प समय में ही प्रसिद्धि प्राप्त कर लेने वाले स्व.अमृतलाल जायसवाल की ३१ वीं पूण्यतिथि पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उनके सेवामयी कार्यो को याद किया। पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल के निवास पर परंपरा अनुसार प्रातः से ही श्रद्धाजंलि देने वालो का तांता लगा रहा। ग्रामीण क्षेत्रो से भी समर्थको ने आकर बाबूजी को श्रद्धासुमन अर्पित किये। बाबूजी का जीवन सदैव संघर्षमय और कठिन परिश्रम का रहा। संघर्ष ही जीवन है के आदर्श को उन्होनें अपना लिया था। उन्होनें जीवन पर्यन्त कर्तव्य की ही पूजा की। उनकी पूण्यतिथि पर दरिद्रनारायण भोज का भी आयोजन किया गया। पूण्यतिथि के अवसर पर जायसवाल परिवार ने कडकडाती ठंड को देखते हुये अधिक संख्या में गरीब वर्ग और जरूरतमंदो को कंबल का वितरण कर बाबूजी के आदर्शो का पालन भी किया। इस दौरान चिंतामन नगपुरे, किशोर अमूले, राहुल विश्वकर्मा, आदित्य अग्रवाल, भैयू अग्रवाल, निरंजन बिसेन, श्रीमती सरिता मनोज दांदरे, प्रीति संतोष शिव, प्रफुल्ल बिसेन, आंनद बिसेन, राही पांडे ,संदीप मिश्रा, वेदप्रकाश पटेल, भीवराम मात्रे, विजय सुराना, डॉ नीरज अरोरा, डा नीलेश शिवहरे, लक्ष्मण दुल्हानी, हरेश सचदेवा, इकबाल खान,अरमान खान, विक्की एडे, राकी गिडवानी, सोनू जायसवाल, राजेश सिंघई, धर्मू जोशी, युवराज पारधी, शानू सिंघई, प्रवीण रूसिया,मनोज लिल्हारे, जीतू पूरी,राजा चौरसिया सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

स्कूल वैन चालक को न्यायालय ने भेजा जेल

धानीटोला बुदबुदा में ४ वर्ष के बच्चे के सड़क हादसे में मृत्यु का प्रकरण

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी पुलिस ने धनीटोला स्थित वारासिवनी कटंगी मार्ग पर स्कूल वैन की चपेट में आने से ४ वर्षीय बालक की मौत के मामले में अपराध दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया हैं। जिसमें पुलिस ने गिरफ्तार स्कूल वैन चालक राकेश नागेश्वर को १२ दिसंबर को जेएमएफसी न्यायालय के समक्ष पेश किया गया जिसे न्यायालय ने जेल भेज दिया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार ११ दिसंबर को धानीटोला मुख्य मार्ग पर एक सड़क हादसे में ४ वर्षीय युवक की मौत हो गई थी। जिसमें घायल युवक को शासकीय अस्पताल वारासिवनी लाया गया जहां भुपेन्द्र बरले पिता प्रकाश बरले जाति मरार उम्र ४ वर्ष निवासी अतरी थाना लालबर्रा की मौत हो गई। जिसमें शव का पंचनामा कर मर्ग क्रमांक ८९/२०२५ धारा १९४ बीएनएसएस की कार्यवाही की गई। इसमें साक्षी शैलेष कावरे ने बताया कि भुपेन्द्र बरले निवासी अतरी मेरा भांजा है। जो एक साल से मेरे घर में रहकर प्राईड कानवेंट स्कूल धानीटोला में कक्षा एल के जी की पढाई कर रहा था। ११ दिसंबर की दोपहर करीब ३.३० बजे मैं अपने गांव धानीटोला से तुमडीटोला की ओर आ रहा था। तभी मैने देखा कि प्राईड स्कुल के सामने हमारे गांव का राकेश नागेश्वर शराब के नशे में प्राईड कानवेंट स्कूल की पीले रंग की स्कुल वैन क्रमांक एमपी ५० पी ०४८५ को खतरनाक तरीके से चलाकर जान बुझकर मेरे भांजे भुपेन्द्र बरले को ठोस मार दिया । तब मैं और गांव के लोग जमा हुये और मेरे भांजे को इलाज के लिये वारासिवनी अस्पताल लेकर गये जहां डाक्टर ने भुपेन्द्र की मृत्यु होना बताया। हमारे गांव के लोगो ने प्राईड कानवेंट स्कुल की पीले रंग की स्कुल वैन क्रमांक एमपी ५० पी ०४८५ उसके ड्रायवर राकेश नागेश्वर को मौके पर पकड कर रखा था। वैन के ड्रायवर राकेश नागेश्वर ने शराब के नशे में स्कुल वैन चलाकर जान बुझकर मेरे भांजे भुपेन्द्र बरले को ठोस मारा है। जिससे गंभीर चोट आने से मेरे भांजे भुपेन्द्र बरले की मृत्यु हो गई । वहीं साक्षी शैलेष कावरे ने यह बताया कि आरोपी वाहन चालक राकेश नागेश्वर मेरे भांजे को पुर्व से जानता पहचानता था। राकेश यह जानता था कि शराब के नशे में वाहन चलाने से स्कुल वैन में बैठे बच्चे या सड़क पर चलने वालो की जान को खतरा हो सकता है। यह जानते हुये भी राकेश नागेश्वर के द्वारा जान बुझकर शराब के नशे में स्कूल की छुट्टी का समय अन्य बच्चे भी स्कूल से घर जा रहे थे। अप्रोच रोड़ से मुख्य रोड़ पर आते हुए भी तेज गति से स्कुल की वैन को चलाकर ठोस मारा है। पुलिस ने मर्ग जांच में आरोपी राकेश नागेश्वर निवासी धानीटोला बुदबुदा के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा १०५ मोटर व्हीकल अधिनियम की धारा १८४,१८५ के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया गया है। मामले में पुलिस ने स्कूल वैन क्रमांक एमपी ५० पी ०४८५ को जप्त कर थाने में है सुरक्षित खड़ा कर दिया गया है। वहीं वैन चालक राकेश पिता नंदकिशोर नागेश्वर उम्र २३ वर्ष धानीटोला निवासी को वारासिवनी न्यायालय की जेएमएफसी कोर्ट में पेश किया गया जहां से न्यायालय ने उसे जेल भेज दिया।

विधायक विवेक पटेल ने ग्राम भेंड़ारा और कोस्ते धान खरीदी केन्द्र का किया निरीक्षण

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। विधायक विवेक पटेल ने शुक्रवार को खैरलांजी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत भेड़ारा और कोस्ते धान खरीदी केंद्र पहुँचकर निरीक्षण किया। जहाँ उन्होंने धान खरीदी की व्यवस्था देखी वहीं किसानो से संबंधित भेंट कर उनकी समस्याओं को जानने का प्रयास किया। इस दौरान उन्होंने किसानों से रुबरु होते हुए उन्हें होने वाली परेशानियों को जाना विधायक को कुछ किसानों ने मानक के अनुसार धान रिजेक्ट करने की जानकारी से अवगत कराया। फटे पुराने बारादाने मिलने की शिकायत की । वहीं विधायक पटेल ने केंद्र प्रभारी को धान खरीदी को लेकर किसानों को परेशान नहीं करने की हिदायत देते हुए कहा कि हम किसानों को परेशान करने वाले को हरगिज बर्दास्त नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि किसान बड़े संघर्ष कर फसल पकाता है। सरकार उन्हें वाजिब दाम नहीं दे रही है,इकत्तीस सौ रूपये प्रति क्विंटल की दर पर धान खरीदी करने का वादा नहीं निभाया जा रहा है। जिससे किसानो में भाजपा सरकार के खिलाप आक्रोश बना हुआ है। विधायक पटेल ने कहा कि मुझे किसानो के द्वारा लगातार समस्याए बताए जा रही थीं जिसके बाद मेरे द्वारा अचानक कोस्ते धान खरीदी केंद्र का निरीक्षण किया है । कुछ समस्या सामने आयी है जिसके लिए मौके पर ही निर्देश किया गया है हम किसानों के साथ है और किसानों को धान बेचने आने के दौरान परेशान नहीं किया जाये । भाजपा सरकार के द्वारा किसानो से इकत्तीस सौ रूपये प्रति क्विंटल धान खरीदने का वादा किया था। मगर यह भी झूठा साबित हुआ है समय पर किसानो को खाद नहीं मिल पाया,अतिवृष्टि से नुकसान हुई फसलों का मुआवजा नहीं मिल पा रहा है,मेरे द्वारा समय समय पर किसानो की हर समस्याओ को सरकार के समक्ष रखा है।

मिरगपुर में सरकार के खिलाफ किसान गर्जना संगठन का आंदोलन आज

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। ग्राम मिरगपुर में किसान गर्जना संगठन के तत्वाधान में १३ दिसंबर को किसान आंदोलन का आयोजन किया गया हैं। यह हक अधिकार आंदोलन बाजार चौक मिरगपुर में दोपहर १२ बजे से किया जायेगा। यह किसान धरना प्रदर्शन किसानो को रबी फसल के लिए राजीव सागर बांध से निरंतर पानी की व्यवस्था की जायें । किसानो को नहर में सिंचाई के लिए नियमित मोटर कनेक्शन प्रदान किया जावें । क्षेत्र में लगातार बारिश एवं किट व्याधि के प्रकोप से बर्बाद हुई धान फसल को देखते हुये खैरलांजी ,कटंगी क्षेत्र को आपदा प्रभावित क्षेत्र घोषित कर क्षेत्र अन्तर्गत हल्को के किसानो को फसल का मुआवजा तथा प्रधानमंत्री फसल बीमा का लाभ दिया जावें । सरकार के द्वारा निर्धारित धान खरीदी केन्द्रो से किसानो की धान को अस्वीकार ना किया जावें, चूंकि बारिस की वजह से किसानो की धान प्रभावित हो चुकी है फसल एवं किसानो के प्रति नरमी बरती जावें । सरकार अपने चुनावी वादे के मुताबिक धान समर्थन मूल्य ३१०० रु.प्रति क्वींटल खरीदे । किसानो की दशा सुधार हेतु सरकार किसान को २० हजार रुपये प्रति हेक्टेयर बोनस देवें । खरिफ सत्र २०२५-२६ की फसल बर्बादी को ध्यान में रखते हुये खरिफ ऋण माफ करवाने की मांग को लेकर किया जायेगा। इस अवसर पर किसानो के साथ हो रही लूट और शोषण के खिलाफ हक अधिकार आंदोलन में अधिक से अधिक किसानो से उपस्थित होने की अपील अरविंद चौधरी प्रदेश अध्यक्ष ,रामकुमार नगपुरे जिला अध्यक्ष, किसान गर्जना संगठन अशोक लिल्हारे ,अजबसिंह कृपगये ,बंडु गौपाले, योगेश सुलकिया ,डेविड सेलोकर ,धुरन नगपुरे ,योगेश लिल्हारे ,कुलदीप पटले ,भरतलाल बिसेन ,ओमप्रकाश बिसेन सहित अन्य ने की हैं।

बालाघाट एक्सप्रेस

संपादकीय

सत्य एक व्रत की तरह है

सत्यमेव व्रतं यस्य दया दीनेषु सर्वदा।
कामक्रोधौ वशे यस्य स साधुः - कथ्यते बुधैः।।

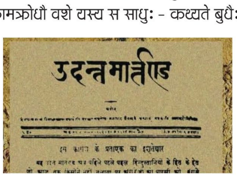

लापरवाही की हद

गोवा के एक नाइट क्लब में आग की भयावह घटना ने ने भीड़- भीड़-भाड़ वाले स्थलों पर सुरक्षा इंतजामों में लापरवाही को फिर से उजागर किया है। जैसे-जैसे इस हादसे की परतें खुल रही हैं, विभिन्न स्तरों पर कोताही बरतने के तथ्य सामने आ रहे हैं। अग्निशमन सुरक्षा उपायों के अभाव से लेकर आपात स्थिति में बचाव की माकूल व्यवस्था न होना यह दर्शाता है कि न तो क्लब के मालिकों और न ही स्थानीय प्रशासन को यहां आने वाले लोगों की सुरक्षा को लेकर कोई फिक्र थी। इस हादसे में जान गंवाने वालों के परिजन अब न्याय की मांग कर रहे हैं, लेकिन पुलिस मुख्य आरोपियों को न्याय के कठघरे में ला पाएगी या नहीं, इसको लेकर भी सवाल खड़े हो गए हैं। ऐसा इसलिए, क्योंकि क्लब के मालिक एवं दोनों मुख्य आरोपी हादसे के बाद देश छोड़कर विदेश भाग गए हैं। यानी हादसे के बाद भी पुलिस सतर्कता दिखाने और अपनी जिम्मेदारी को गंभीरता से लेने में चूक गई। जांच एजंसी का ध्यान क्लब के प्रबंधकीय कर्मियों की धरपकड़ पर ही केंद्रित रहा और इस बीच मुख्य आरोपी बच निकलने में कामयाब हो गए।

गौरतलब है कि उत्तरी गोवा स्थित %बर्च बाय रोमियो लेन% नाइट क्लब में शनिवार रात लगी भीषण आग में पच्चीस लोगों की मौत हो गई थी। इस हादसे के बाद पुलिस ने संबंधित क्लब में प्रबंधकीय कार्य में तैनात कुछ कर्मियों को गिरफ्तार किया। प्रारंभिक जांच के बाद माना जा रहा है कि क्लब में %इलेक्ट्रिक पटाखे% चलाए जाने से आग लगी। हालांकि, इसके असली कारणों का पता जांच पूरी होने के बाद ही चल पाएगा। मगर सवाल यह है कि हादसे के बाद पुलिस ने कार्रवाई में कितनी तत्परता दिखाई ? ऐसी क्या वजह रही कि दोनों मुख्य आरोपी पुलिस को चकमा देकर देश छोड़कर थाईलैंड भाग गए। क्या पुलिस को इनके फरार होने की जरा भी आशंका नहीं थी? किसी जांच एजंसी से इस तरह की लापरवाही की उम्मीद कैसे की जा सकती है? हैरत की बात है कि पुलिस ने हादसे के तुरंत बाद क्लब के मालिकों तक पहुंचने की जरूरत नहीं समझी। जांच दल ने सोमवार को जब दिल्ली स्थित उनके ठिकाने पर छापेमारी की, तब पता चला कि वे विदेश भाग गए हैं। ऐसे में पुलिस की जांच प्रणाली पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

कानूनी मामलों के जानकारों का कहना है कि दोनों मुख्य आरोपियों को अब भारत वापस लाकर न्याय के कठघरे में खड़ा करना आसान नहीं होगा। भले ही पुलिस के प्रयासों से इंटरपोल की ओर से उनके खिलाफ 'ब्लू कार्नर' नोटिस जारी कर दिया गया है, मगर यह भी संभव है कि वे थाईलैंड से किसी और देश भाग जाएं। यानी उन्हें गिरफ्तार कर वापस लाने की प्रक्रिया लंबी हो सकती है। एक और महत्वपूर्ण बात यह है कि इस हादसे के बाद राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने एक विस्तृत परामर्श जारी किया है। इसके तहत नाइट क्लब, रेस्तरां, बार, कार्यक्रम स्थलों और इसी तरह के अन्य प्रतिष्ठानों को अग्नि एवं विद्युत सुरक्षा, आपातकालीन तैयारी और सक्षम प्राधिकारियों द्वारा निर्धारित संरचनात्मक सुरक्षा मानदंडों का पुरी तरह अनुपालन करने का निर्देश दिया गया है। इसे लापरवाही नहीं तो और क्या कहा जाएगा कि किसी बड़े हादसे के बाद ही इस तरह के निर्देश जारी करने की जरूरत महसूस की जाती है। इसमें दोराय नहीं कि अगर पहले से ही नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए, तो इस तरह के हादसों को रोका जा सकता है।

बढ़ती जीडीपी, गिरता रुपया

रुपये का मूल्य आर्थिक विकास की मजबूती पर निर्भर करता है, जिसे सार्वजनिक खर्च और निजी खपत से बढ़ाया जा सकता है। सतत विकास के लिए दोनों में संतुलन होना चाहिए। भारत को सोचना होगा कि वह ऐसा क्या बना सकता है, जिसके बिना दुनिया नहीं रह सकती?

इस हफ्ते भारत व भारतीयों को अच्छी और बुरी, दोनों तरह की हैरानी हुई। अच्छी हैरानी तब हुई, जब सभी अनुमानों से ज्यादा दूसरी तिमाही में भारत की जीडीपी विकास दर 8.2 फीसदी बढ़ी। बुरी हैरानी तब हुई, जब रुपया 90.28 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। ये दोनों एकसाथ होना, राजनीतिक अर्थशास्त्र में मौजूद कमियों तथा कई विरोधाभासों में से एक को दिखाता है।

किताबी अर्थशास्त्र हमें बताता है कि उच्च विकास दर का मतलब है कि रुपया मजबूत है। आर्थिक सिद्धांत भी बताते हैं कि कम मुद्रास्फीति में मुद्रा मजबूत होती है। अभी भारत में महंगाई दर मात्र 0.25 फीसदी है। रेटिंग एजेंसियों ने भारत की रेटिंग बढ़ाई है, जिससे रुपये की कीमत बढ़नी चाहिए, पर ऐसा नहीं हुआ। पिछले एक साल में रुपया और नीचे ही गया है। वर्ष की शुरुआत में यह 85.80 पर था, और दिसंबर तक यह लगभग पांच फीसदी तक गिर गया। इन 12 महीनों में डॉलर भी ऊपर-नीचे होता रहा। डॉलर के साथ रुपया भी नीचे गया, पर डॉलर के ठीक होने पर भी वह गिरता रहा। हैरानी नहीं है कि रुपया एशिया में सबसे बुरा प्रदर्शन करने वाली मुद्रा बन गई है।

अजीब बात है कि पिछले हफ्ते जारी मौद्रिक नीति संबंधी बयान में इसका जिक्र भी नहीं है, मानो रुपये का गिरना आम बात हो गई है। गवर्नर संजय मल्होत्रा ने प्रेस कान्फ्रेंस में कहा कि रिजर्व बैंक उतार-चढ़ाव को रोकने के लिए दखल देगा, पर रुपये के लिए कोई लक्ष्य नहीं है। कहा जा सकता है कि रिजर्व बैंक अकेले ज्यादा कुछ नहीं कर सकता। उसने हाल में दखल दिया है, पर 686 अरब डॉलर के खजाने का इस्तेमाल करने की अपनी सीमाएं हैं।

रुपये में गिरावट का कारण कुछ हद तक प्रणालीगत प्रबंधन है और ज्यादातर पैसे का गणित। सरकार को लगने लगा है कि रुपये में गिरावट ट्रंप के टैरिफ के नखरे और रुके हुए व्यापार वार्ता की वजह से है। जहां भारत व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहा है, वहीं ट्रंप भू-राजनीतिक समझौते पर बातचीत करते दिख रहे हैं। यह सच है कि ऊंचे टैरिफ और अनिश्चितता ने भावनाओं पर असर डाला है। फिर भी, यह गिरती मुद्रा का बहाना नहीं हो सकता। मेक्सिको को अभी समझौते करने हैं और पेसो मजबूत हो रहा है; युआन की कीमत बढ़ी है, हालांकि अमेरिका-चीन समझौता अभी हुआ नहीं है।

रुपये में गिरावट का तात्कालिक कारण असल में आपूर्ति और मांग है। भारत की डॉलर की जरूरतें और डॉलर से होने वाली आय विदेश से आने वाले पैसे और विदेशी प्रत्यक्ष तथा संस्थागत निवेश के प्रवाह से पूरी होती है। भारत सबसे तेजी से बढ़ने वाली बड़ी अर्थव्यवस्था है, जो जीडीपी के मामले में चौथे नंबर पर है। फिर भी, भारत को प्रत्यक्ष विदेशी निवेश लाने में मुश्किल हुई है। भारत अपनी हैसियत से बहुत पीछे है

और यूएनसीटीएडी की निवेश सूची में 15वें नंबर पर है। इसे अभी 100 अरब डॉलर का आंकड़ा पार करना है।

पैसा सुरक्षा और रिटर्न के पीछे भागता है। भारत 2024-25 में 6.5 फीसदी की दर से बढ़ा और इस साल औसत सात फीसदी से ऊपर है। भारत के बड़े उद्योग स्थिर और घाटे में हैं। महंगाई लक्ष्य के दायरे में है। कॉरपोरेट नतीजे अच्छे रहे हैं। इसका खपत आधार एक अरब से अधिक है। भारत के शेयर सूचकांक रिकॉर्ड ऊंचाई पर हैं, लेकिन विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने बाजार से लगभग 18 अरब डॉलर निकाल लिए हैं। हैरानी की बात यह भी है कि नीति-निर्माताओं और अर्थशास्त्रियों का एक समूह रुपये की गिरावट का स्वागत करता दिख रहा है। बेशक यह गिरावट टाली नहीं जा सकती थी, पर अर्थव्यवस्था की बनावट को देखते हुए गिरावट का जश्न मनाना सही नहीं है। भारत जितना निर्यात करता है,

उससे अधिक आयात करता है। पिछले साल भारत ने उर्वरक आयात पर 8.29 अरब डॉलर से ज्यादा खर्च किए। साल की शुरुआत में 8.29 अरब डॉलर 70,465 करोड़ रुपये था। दिसंबर में यह 74,600 करोड़ रुपये से ज्यादा हो गया है-कमजोर रुपया केवल किसानों और सरकारों पर बोझ बढ़ाता है। यह बात भी गलत है कि रुपया सस्ता होने का मतलब है ज्यादा निर्यात। महंगा डॉलर उस अर्थव्यवस्था को नुकसान ही पहुंचाएगा, जो सहायक सामग्रियों (सोना, रत्न, पेट्रोलियम, वस्त्र, चिप, इलेक्ट्रॉनिक्स और दवा सामग्री) के आयात पर निर्भर है। अगर सहायक सामग्रियों (मान लीजिए सोना या कपास) की कीमत बढ़ जाती है, तो क्या भारतीय उत्पाद वैश्विक बाजार में मूल्य प्रतिस्पर्धा कर पाएंगे?

रुपये का मूल्य विकास की मजबूती पर निर्भर करता है। आर्थिक विकास को सार्वजनिक खर्च और निजी खपत से बढ़ाया जा सकता है। भारत ने विकास को बढ़ावा देने के लिए सार्वजनिक आधारभूत ढांचों पर जोर दिया है। इस साल, जब आधारभूत ढांचों की कहानी थमी, तो भारत ने निजी खपत को बढ़ाने के लिए आयकर और जीएसटी दर में बदलाव किया। आदर्श रूप में, सतत विकास के लिए सार्वजनिक और निजी खपत, दोनों में संतुलन होना चाहिए। इसके लिए भलाई के चक्र को सक्रिय करना होगा, यानी निवेश से रोजगार, आय, खपत, मांग और फिर निवेश। लेकिन निजी क्षेत्र बड़े निवेश से दूर भाग रहा है। इस संकोच के दृश्य और अदृश्य कारण हैं।

सौ खरब जीडीपी की उम्मीद रखने वाली अर्थव्यवस्था को उद्यमियों की मुश्किलों और विरोधाभासों को दूर करना होगा। उदारीकरण के तीन दशक बाद भी, खेती-बाड़ी में लगभग आधा कार्यबल लगा है और विनिर्माण अब भी जीडीपी के 20 फीसदी तक नहीं पहुंचा है। 2019 से 2024 के बीच, निर्यात जीडीपी 19.8 फीसदी से मुश्किल से 21.2 फीसदी तक बढ़ा है। निर्यात वृद्धि को छोटे और मझोले उद्यम बढ़ाते हैं, लेकिन एमएसएमई विनियामक दबावों और सस्ते ऋण तक खराब पहुंच से जूझ रहे हैं।

विरोधाभासों में सबसे अधिक हैरान करने वाली बात पैसे की कीमत है। इस हफ्ते, रिजर्व बैंक ने ब्याज दर में 0.25 फीसदी की कटौती की, जिससे ब्याज दर 5.25 फीसदी हो गया। सवाल यह है कि ऋण किस दर पर मिलता है। पिछले साल रिजर्व बैंक ने दरों में 1.25 फीसदी की कटौती की है, पर नए ऋण के लिए बैंकों का औसत उधार दर मुश्किल से 0.70 फीसदी कम हुआ है। यानी एएए कंपनियों के लिए ऋण दर 8 फीसदी के आस-पास है और मझोले उद्यम के लिए यह दोहरे अंकों में है। ट्रंपोनॉमिक्स का सबक यह है कि यदि ध्यान न दिया जाए, तो उसके क्या नतीजे हो सकते हैं। सवाल यह है कि भारत का फायदा किसमें है? भारत ऐसा क्या बना सकता है, जिसके बिना दुनिया नहीं रह सकती?

-शंकर अय्यर,वरिष्ठ पत्रकार

जन्मदिन विशेष

पवार को 'चाणक्य' कहा जाता है, उनकी रणनीतिक समझ के लिए सत्ता, संतुलन और समझ का नाम

शरद पवार

भारतीय राजनीति में कुछ नेता सत्ता के समीकरण नहीं, समय की दिशा बदलते हैं। आज 85 साल के हो गए शरद पवार उन विरल व्यक्तित्वों में हैं, जो राजनीति को घटना नहीं, विज्ञान की तरह पढ़ते हैं। पवार भारतीय राजनीति के एक दिग्गज हैं, जिन्होंने सहकारी आंदोलन, कृषि और खेल के क्षेत्र में अमिट छाप छोड़ी है।

1940 में जन्मे बारामती के सहज परिवेश से उठे शरदचंद्र गोविंदराव पवार ने छात्र राजनीति में कदम रखते ही अपना अलग प्रभाव दिखाया। 1956 में उन्होंने गोवा मुक्ति आंदोलन में विरोध प्रदर्शन आयोजित किया, जो उनकी राजनीतिक सक्रियता की शुरुआत थी। 1958 में वे यूथ कांग्रेस में शामिल हुए और 1962 तक पूना जिला यूथ कांग्रेस के अध्यक्ष बने। संगठन निर्माण, फैसलों की गति और संवाद की परिपक्व शैली ने उन्हें शुरुआती दौर में ही खास पहचान दिलाई। सिर्फ 38 वर्ष की आयु में महाराष्ट्र के सबसे युवा मुख्यमंत्री बनना पवार की राजनीतिक क्षमता की पहली राष्ट्रीय घोषणा थी, एक ऐसी घोषणा जिसकी गूंज आज भी सुनाई देती है।

राजनीति को पढ़ने की कला: शरद पवार की असली पूंजी

शरद पवार की सबसे बड़ी पहचान है, पॉलिटिकल इंटेलिजेंस। वे किसी भी राजनीतिक परिस्थिति को सिर्फ देखते नहीं, उसे परतों में पढ़ते हैं। किस फैसले का अगला कदम क्या होगा? किस गठबंधन, दल की उम्र कितनी है? किस घटना का दूरगामी असर क्या पड़ेगा? पवार इन सवालों का जवाब सालों पहले पढ़ लेते हैं। वे घटनाओं को सिर्फ देखते नहीं, उनकी दिशा समझते हैं। उनकी ताकत कभी कुर्सी से नहीं आई, उनकी शक्ति उनकी पढ़ाई, समझ, और संतुलन से बनी। इसी पढ़ाई ने उन्हें %किंगमेकर% की पारंपरिक छवि से आगे बढ़ाकर %किंग-रीडर% यानी परिस्थितियों को पढ़ने वाले नेता का दर्जा दिया है। पवार ने महाराष्ट्र में चार बार मुख्यमंत्री रहते हुए शिवसेना के उदय को रोका और 1993 बॉम्बे विस्फोटों के दौरान सांप्रदायिक सद्भाव बनाए रखा। कृषि मंत्री के रूप में उन्होंने किसानों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य बढ़ाए और सहकारी आंदोलन को मजबूत किया। खेल में उन्होंने बीसीसीआई अध्यक्ष (2005-2008), आईसीसी अध्यक्ष (2010-2012) और मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन प्रमुख (2013-2017) के रूप में योगदान दिया।

संगठन निर्माण और नेतृत्व की अनोखी कला

1999 में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की स्थापना हो या उसके बाद के दो दशक, पवार ने बार-बार साबित किया कि राजनीति केवल चुनाव जीतने का कौशल नहीं, बल्कि संगठन को टिकाऊ बनाने की क्षमता भी है। उनकी नेतृत्व शैली में कठोरता नहीं, संवाद की जगह होती है। और यही वजह है कि टूट के बाद भी वे नए ढांचे को मजबूती से खड़ा करते दिखाई दिए। 2019 के चुनाव प्रचार में सातारा की वह तस्वीर आज भी एक राजनीतिक प्रतीक बनी हुई है, जहां तेज बारिश में पूरी तरह भीग चुके पवार मंच पर खड़े रहे। सभा न रुकी, भाषण न रुका और न ही उनका संकल्प। इस तस्वीर ने पवार को सिर्फ एक नेता नहीं, एक लड़ाकू नेता के रूप में स्थापित किया, जो जनता के बीच भीगकर भी खड़ा रह सकता है, और राजनीति की आंधियों में भी। राजनीतिक संकट हो या आर्थिक टकराव, पवार वह नेता हैं जिनके पास हर परिस्थिति में लोग समाधान की उम्मीद से पहुंचते हैं।

रणनीति के मास्टरमाइंड: जहां असंभव संभव हो जाता है

पवार राजनीति को केवल समझते नहीं, उसे डिकोड करते हैं। और इसका सबसे बड़ा उदाहरण है 2019 में महाराष्ट्र की अविश्वसनीय राजनीति, जब उन्होंने शिवसेना (उद्धव ठाकरे), कांग्रेस और राकांपा को एक मंच पर लाकर वह गठबंधन सरकार खड़ी कर दी, जिसकी कल्पना तक किसी ने नहीं की थी। यह राजनीतिक संयोजन केवल समीकरण नहीं था, यह पवार की गहरी रणनीति, भरोसा पैदा करने की क्षमता और संवाद-कौशल का परिणाम था। यह वही समय था जब भारत ने फिर महसूस किया कि राजनीति केवल अंकगणित नहीं, मानव-व्यवहार, विश्वास और समय की नब्ज को पढ़ने का खेल है, और इस खेल में पवार सबसे दक्ष हैं।

अजित पवार की बगावत: दर्द, दरार और दृढ़ता

2023 का वह बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम, जब अजित पवार ने पार्टी तोड़ी, अपने समर्थक विधायकों के साथ अलग रास्ता चुना और सत्ता पक्ष में शामिल हो गए, पवार परिवार और महाराष्ट्र की राजनीति दोनों के लिए एक निर्णायक मोड़ था। शरद पवार ने इस मुश्किल क्षण में जिस संयम, दृढ़ता और धैर्य का परिचय दिया, वही उनकी राजनीतिक परिपक्वता की असली पहचान है। झटके की तीव्रता के बावजूद वे न डिगे, न टूटे, बल्कि एक नए राजनीतिक अध्याय की नींव शांत होकर रखने लगे।

85 की उम्र, पर ऊर्जा आज भी युवाओं जैसी

85 साल के शरद पवार आज भी राजनीति को सिर्फ देखते नहीं, जीते हैं। वे जमीनी दौरों से लेकर राष्ट्रीय समीकरणों तक हर स्तर पर सक्रिय हैं। स्वास्थ्य चुनौतियों (1999 में कैंसर, 2021 में सर्जरी) के बावजूद, वे सक्रिय हैं। 2025 तक वे एनसीपी (एसपी), महा विकास अघाड़ी और इंडिया गठबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। 2025 में नया एंगल: पवार अब मेंटर हैं, युवा नेताओं को राजनीतिक बारीकियां सिखा रहे हैं, जो भारतीय लोकतंत्र को मजबूत कर रही है।

आपदा

दक्षिण एशिया तेजी से गर्म क्यों हो रहा

दक्षिण एशिया जलवायु परिवर्तन के कारण वैश्विक औसत से दोगुना तेजी से गर्म हो रहा है। इसके कारण बाढ़, चक्रवात, लू और सूखे जैसी आपदाएं बार-बार आ रही हैं।

मौसम अब वैसे नहीं रहे, जैसे पहले हुआ करते थे। अब कभी जानलेवा गर्मी होती है और चरम गर्मी का रिकॉर्ड दर्ज किया जाता है, कभी सूखा पड़ता है, तो कभी आसमान खुलकर बरस पड़ता है। इस साल के मानसून पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव अब तक दक्षिण एशिया क्षेत्र के लिए बेहद विनाशकारी रहा है। कम दिन में ज्यादा बरसात ही मानसून का नया चेहरा बन चुका है।

तूफान कोटो के प्रभाव के कारण वियतनाम अपने दक्षिण-मध्य क्षेत्र में और अधिक भारी वर्षा से जूझ रहा है। थाईलैंड में, एक दिसंबर तक, बाढ़ से कुल नौ प्रांत, 74 जिले और 2,725 गांव प्रभावित हुए, जिनमें लगभग 23 लाख लोग थे। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, 2025 का मानसून लगातार दूसरे साल %सामान्य से ज्यादा% रहा। इसके पीछे जो ट्रेंड बन रहा है, वह ज्यादा अहम है-बारिश के दिन घट रहे हैं, पर कम दिनों में छप्पर फाड़ कर बारिश होती है।

जर्मनवॉच की रिपोर्ट क्लाइमेट रिस्क इंडेक्स 2026 के मुताबिक, 1995 से 2024 के बीच दुनिया भर में 9,700 से ज्यादा चरम मौसमी घटनाओं में 8,32,000 लोगों की मौत हुई और 45 खरब अमेरिकी डॉलर (मुद्रास्फीति समायोजित) का आर्थिक नुकसान हुआ। इन दिनों श्रीलंका, इंडोनेशिया, फिलीपींस, मलयेशिया, थाईलैंड तथा वियतनाम में एकसाथ आए विनाशकारी तूफानों ने दक्षिण एशिया में हजारों जानें ले लीं और लाखों लोगों को विस्थापित किया है। चक्रवात सेन्यार व दित्वाह ने 40 लाख लोगों को प्रभावित किया है। इससे पहले भारत, विशेषकर पंजाब, पाकिस्तान, नेपाल, बांग्लादेश बाढ़ का सामना कर रहे थे। इस साल मूसलाधार बारिश एवं उसके व्यापक प्रभाव (भूस्खलन और अचानक बाढ़) से पूरा एशिया जूझ रहा है।

दरअसल दक्षिण एशिया जलवायु परिवर्तन के कारण वैश्विक औसत की तुलना में दोगुना तेजी से गर्म हो रहा है। इसके कारण बाढ़, चक्रवात, लू और सूखे जैसी आपदाएं बार-बार हो रही हैं। पूरे एशिया के लिए चरम मौसम अब एक आवर्ती संकट बन चुका है। हाल ही में, जलवायु वैज्ञानिक चिराग धारा (क्रेया यूनिवर्सिटी), रॉक्सी मैथ्यू कोल (भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान) एवं उनके सहयोगियों द्वारा किए गए अध्ययन के अनुसार, भारत का औसत तापमान पिछले एक दशक (2015-2024) में लगभग 0.9 डिग्री सेल्सियस बढ़ गया है। पश्चिमी और पूर्वोत्तर भारत में साल के सबसे गर्म दिन का तापमान 1950 के दशक की तुलना में 1.5-2 डिग्री तक बढ़ चुका है। ऐसे में, कहीं सैलाब, कहीं सूखा-एक ही देश, दो कहानियां हैं। असम, अरुणाचल और बिहार जैसे राज्यों में बारिश 20 फीसदी तक कम दर्ज की गई।

दुनिया भर में लगभग 40 प्रतिशत लोग (तीन अरब से ज्यादा) वर्तमान में उन ग्यारह देशों में रहते हैं, जो पिछले 30 वर्षों में चरम मौसमी घटनाओं-जैसे लू, तूफानों और बाढ़ से सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। इन देशों में भारत (9वें), चीन (11वें), और लीबिया (चौथे), हैती (5वें) और फिलीपींस (7वें स्थान पर) जैसे अन्य देश शामिल हैं। इनमें कोई भी समृद्ध औद्योगिक देश शामिल नहीं है। ये सब विकासशील देश हैं।

इस वर्ष की शुरुआत से अब तक प्रशांत व हिंद महासागर में कम से कम 16 चक्रवात और दर्जनों दबाव आए हैं। भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान के जलवायु वैज्ञानिक रॉक्सी मैथ्यू कोल के अनुसार, अब मध्यम चक्रवात भी अत्यधिक वर्षा करते हैं और व्यापक बाढ़ का कारण बन सकते हैं। जलवायु परिवर्तन से दक्षिण एशिया तेजी से गर्म हो रहा है, जिसके चलते उसमें नित नई आने वाली आपदाएं दिन दूनी रात चौगुनी गति से आ रही हैं।

-डॉ. सीमा जावेद

समाज

साठ पार की बात ही कुछ और है

विभिन्न शोधों के अनुसार, कंपनियां 60 का पड़ाव पार कर चुके लोगों को ही मुख्य कार्यकारी अधिकारियों जैसे अहम ओहदों पर नियुक्त करती हैं। वैश्विक कॉरपोरेट जगत में पिछले दो दशकों में चुपचाप एक निर्णायक बदलाव दिखाई देता है। शीर्ष अंतरराष्ट्रीय कंपनियां वरिष्ठ पेशेवरों को जिम्मेदार व रणनीतिक भूमिकाओं में पहले से अधिक महत्व दे रही हैं। यह बदलाव केवल परंपरागत अनुभव के आधार पर नहीं, बल्कि उन शोधों पर आधारित है, जिनमें उम्र, उत्पादकता और नेतृत्व क्षमता के बीच गहरे संबंध सामने आए हैं। आधुनिक कार्यस्थलों में अब स्मार्ट, स्थिर और दूरदर्शी काम को प्राथमिकता दी जा रही है और यही 60 वर्ष से अधिक आयु वर्ग की सबसे बड़ी शक्ति है। अंतरराष्ट्रीय शोध संस्थान कौर्न फेरी के अध्ययन के अनुसार, फॉर्च्यून-500 कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों की औसत आयु लगभग 58 से 62 वर्ष है। अमेरिकी श्रम सांख्यिकी ब्यूरो के रोजगार पैटर्न अध्ययन भी यही संकेत देते हैं कि 58 से 65 वर्ष आयु वर्ग के पेशेवर रणनीतिक, वित्तीय और संस्थागत निर्णयों में अपने शीर्ष पर होते हैं। हार्वर्ड बिजनेस स्कूल के शोधकर्ता बताते हैं कि जटिल संगठनों के लिए सबसे निर्णायक दक्षता निर्णय की गुणवत्ता है, जो उम्र व अनुभव के साथ अधिक स्थिर और परिपक्व रूप में विकसित होती है। एशिया, यूरोप तथा अमेरिका में जनसांख्यिकीय बदलाव, लंबी जीवन अवधि, बेहतर स्वास्थ्य एवं कार्यस्थलों पर उम्र-भेदभाव के खिलाफ नई मानसिकता और कानून वरिष्ठ पेशेवरों को अधिक सक्रिय बनाए रख रहे हैं। ओईसीडी के अनुसार, 2000 के बाद 55 से 70 वर्ष आय-वर्ग की श्रम भागीदारी 22 से 30 प्रतिशत तक वृद्धि दर्ज की गई है। भारत में भी सेवा-क्षेत्र, बैंकिंग, दूरसंचार, रक्षा उद्योग, ऊर्जा और मीडिया में सलाहकार तथा बोर्ड स्तर की जिम्मेदारियों में 60 वर्ष से अधिक के पेशेवरों की मांग लगातार बढ़ी है। कंपनियां मानती हैं कि संगठन की दीर्घकालिक समझ और अनुभव, संस्थागत निरंतरता के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। उम्र और उत्पादकता का संबंध रैखिक नहीं है। यह काम की प्रकृति, पेशे की मांग और व्यक्तिगत क्षमताओं पर निर्भर करता है। कई शोध यह दर्शाते हैं कि वरिष्ठ पेशेवरों की दक्षता उम्र के साथ मजबूत और बहुआयामी होती जाती है। वरिष्ठ पेशेवर जटिल परिस्थितियों में अधिक संतुलित और सहज निर्णय लेते दिखाई देते हैं। अर्थशास्त्री डेविड गैलसन के बहुचर्चित शोध में पाया गया है कि रचनात्मकता अवधारणात्मक और व्यावहारिक, दो रूपों में विकसित होती है। अवधारणात्मक रचनात्मकता कम उम्र में चरम पर होती है, जबकि व्यावहारिक रचनात्मकता अधिक उम्र में अपनी सर्वोत्तम अवस्था में पहुंचती है। इसी वजह से 50 से 70 वर्ष आय वर्ग के शोधकर्ता व लेखक सबसे प्रभावशाली कार्य प्रस्तुत करते हैं। नेतृत्व मनोज्ञान पर डेनियल गोलेमन और रिचर्ड बॉयाटजिस के अध्ययनों के मुताबिक, संघर्ष-प्रबंधन, जोखिम मूल्यांकन, भावनात्मक स्थिरता और संस्थागत दृष्टि उम्र के साथ कहीं अधिक परिपक्व व प्रभावशाली होती जाती है।

स्टैनफोर्ड सेंटर ऑन लॉन्गिविटी के अध्ययनों में पाया गया कि 60 वर्ष के बाद पेशेवर अपने काम को आर्थिक आवश्यकता से ज्यादा उद्देश्य और अर्थ के नजरिये से देखते हैं। यह दृष्टिकोण उन्हें दीर्घकालिक परियोजनाओं, संस्थागत सुधार और रणनीतिक नेतृत्व के लिए विशेष रूप से उपयुक्त बनाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, दुनिया के कई क्षेत्रों में स्वस्थ जीवन-आयु बढ़कर 68-70 वर्ष तक पहुंच चुकी है। बेहतर स्वास्थ्य, संतुलित जीवन-शैली और चिकित्सीय सुविधाओं ने 60 वर्ष से अधिक उम्र के पेशेवरों को पहले की तुलना में अधिक सक्रिय, ऊर्जावान और कार्यदक्ष बनाया है। इसलिए विशेषज्ञों का कहना है कि उम्र नहीं, अनुभव और दृष्टि उत्पादकता तय करती है।

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। शुक्रवार को अनाज मंडी में नई तुअर की दस्तक हुई, जिसके सौदे 7101 रू. प्रति क्किं?टल पर रहे। सामान्य कारोबार के बीच चना बना रहा। खाद्य तेलों में व्यापार ठंडा-ठंडा रहा। तिलहन बाजार बने रहे। किराना जिंसों में हरि इलायची में मजबूती रही।

व्यापारिक सूत्रों के अनुसार तुअर में नये मालों में 9 कट्टों की आवक रही। जिसके सौदे 7101 रू. प्रति क्किं?टल के रहे। चना सुस्त कारोबार के बीच 50 रू. क्किं?टल हल्का पड़ा। खाद्य तेलों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। तिलहनों में सोयाबीन 4400-4450 रू. प्रति क्किं?टल बोला गया। किराना जिंसों में हरि इलायची मजबूत हुई। भाव इस प्रकार रहे -

किराना - शक्कर 4070-4150, खोपरा गोला 320-370, खोपरा बूरा 4100-6500 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 211-215, ऊंझा हल्का 245-228, मीडियम 232-240, बेस्ट 251-265, हल्दी निजामाबाद 200-225, सांगली 270-275, साबूदाना हल्का 4800-4900, मीडियम 5000-5100, बेस्ट 5100-5200, सच्चा मोती 5300, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 101-125, बेस्ट 145-225, एस्ट्रा बेस्ट 275-350, सौंफ बारि?क 95-125, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 751-781, गरबल 715-725, मटरदाना 790-801, खसखस अनक्लीन 750-950, क्लीन 1050-1250, दालचीनी 220-240, जायफल 815-860, वाद्यान फूल 375-565, शाहजीरा 425, तेजपान 90-97, पत्थर फूल 235-260, जावत्री 1675-2050, नाग केसर 885-925, सौंठ 275-450, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 700-750, बेस्ट 780-800, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची 2750-2900, मीडियम 2950-3150, बेस्ट 3200-3400, एक्स्ट्रा बोल्ड 3400-3500, पानबार 2700, बड़ी इलायची 1475-1575, बेस्ट1825-2050, तरबूज मगज 565-585, काजू (240) 925-960, काजू (320) 850-860, काजू एस. डब्ल्यू 835-840, काजू एस.एस. डब्ल्यू 850-860, काजू जे.एच. 810-820, टुकड़ी 785-795, बादाम मगज 840-851, कैलिफोर्निया 771-785, अखरोट 575-725, बेस्ट 815-850, अखरोट गिरी 1250-1650, जर्दालु 375-475, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 500-550, बेस्ट 625-725, इंडियन 375-391, बेस्ट 401-425, चारौली 1650-1750, बेस्ट 1850-1950, मुनक्का 350-650, बेस्ट 800-925, अंजीर 851-1075, मखाना 675-875, बेस्ट 975-1115, खारक 75-85, मीडियम 95-125, बेस्ट 175-275, पिस्ता पिशोरी 2850-2900, कंधारी 2350, नमकीन पिस्ता 875-1075, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2600-2700, (160) 2500-2600, (200) 2400-2600, (250) 2600-2800

तेल - सींगदाना 1510-1520, मुम्बई 1530, राजकोट तेलिया 2390, सोया साल्वेंट 1185-1190, सोया रिफाइंड 1245-1250, कपास्या 1225-1230, धूलिया 1230, कड़ी 1230,

रात की धारणा - गुजरात लुज 1475, मुम्बई पाम 1250, मुम्बई सोया 1275,

खली - कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2075, देवास-उज्जैन 2075, खंडवा-बुरहानपुर 2050, अकोला 3250 (प्रति क्विंटल)

तिलहन - सरसो 8200-8400, रायडा 6300-6500, सोयाबीन 4400-4450, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन - चना कांटेवाला बेस्ट 5700-5750, एवरेज 5600-5650, डंकी चना 5000 से 5200, विशाल 5600-5625, काबूली डॉलर 8200-8500, मसूर बेस्ट 5900-5950, एवरेज 5700-5800, मूंग देशी 7800-7900, पाला 7900-8000, चमकी 8000-8100, नायलोन 8000-8100, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6600-6700, एवरेज 6400-6500, हल्की 6200-6300, तुअर महाराष्ट्र 6800-6900, उड़द बेस्ट 7600-7700, एवरेज 7400-7500, शंकर 7200-7300, हल्की 7000-7100,

दाल - चना दाल एवरेज 7200-7400, मीडियम 7400-7500, बोल्ड 7700-7900, तुअर दाल सवा नं. 7300-7400, तुअर दाल फूल 9000-9100, तुअर दाल बोल्ड 9900-10100, मसूर दाल एवरेज 7700-7800, बेस्ट 7900-8100, मूंग दाल 9100-9200, बोल्ड 9500-9700, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज - गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल - चावल हंसा सफेद 2900-3150, सेला 3500-3800, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-4700, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8800, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 7000-7500, मोगरा 4500-6000, तिबार 9500-10000, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा - इन्दौर 360, उज्जैन 280, रतलाम 300 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार -

इन्दौर। शुक्रवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार सामान्य रहा। किन्तु दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार तेजी के रहे। भाव इस प्रकार रहे - चॉंदी (9999) 190000, चॉंदी (99) 189000, टंच 188400, सिक्का 1800, सोना 10 ग्राम 138000,

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई। रुपया शुक्रवार को दो पैसे की गिरावट के साथ ही 90.52 पर बंद हुआ। आज सुबह कारोबार में रुपया 24 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.56 के नए निचले स्तर पर पहुंच गया। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर अनिश्चितता एवं विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी से भी निवेशकों की भावना प्रभावित होने से रुपया दबाव में है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि कीमती धातुओं की वैश्विक कीमतों में उछाल के बीच आयातकों द्वारा डॉलर की आक्रामक खरीद से भी रुपया पर दबाव पड़ा।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 449, निफ्टी 148 अंक उछला

मुंबई । भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को भी तेजी के साथ बंद हुआ। वहीं गत दिवस भी बाजार उछाल के साथ बंद हुआ था। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिना बाजार में ये तेजी एशियाई बाजारों से मिले-जुले संकेतों के बाद भी खरीददारी हावी होने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 449.53 अंक बढ़कर 85,267.66 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 148.40 अंक उछलकर 26,046.95 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान धातु और संपत्ति शेयरों में तेजी से बाजार उछला।

निफ्टी मेटल 2.63 फीसदी और निफ्टी रियल्टी 1.53 फीसदी ऊपर आये। निफ्टी ऑटो 0.58 फीसदी , निफ्टी आईटी 0.47 फीसदी , निफ्टी एनर्जी 0.83 फीसदी , निफ्टी इन्फ्रा 1.18 फीसदी उछले। वहीं निफ्टी एफएमसीजी 0.24 फीसदी और निफ्टी मीडिया 0.05 फीसदी नीचे आकर बंद हुए। बाजार में मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों के कारण तेजी रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 705.25 अंक बढ़कर 60,283.30 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 161.90 अंक उडलकर 17,389.15 पर पहुंच गया।

सेंसेक्स पैक में टाटा स्टील, अल्ट्राटेक सीमेंट, एलएंडटी, मारुति सुजुकी, भारती एयरटेल, अदाणी पोर्ट्स, एक्सिस बैंक, बजाज फाइनेंस, टाइटन और टीसीएस के शेयरों को लाभ हुआ जबकि एचयूएल, सन फार्मा, आईटीसी, एशियन पेंट्स, पावर ग्रिड, एचसीएल टेक, कोटक महिंद्रा, इन्फोसिस और एसबीआई के शेयर गिरे। इससे पहले आज सुबह भारतीय शेयर बाजार की अच्छी शुरुआत रही। सेंसेक्स 85,051 अंकों पर मजबूती के साथ खुला। शुरुआती कारोबार में इसमें तेजी जारी रही और 302.71 अंक की बढ़त के साथ 85,120.84 के स्तर पर पहुंच गया। निफ्टी-50 भी मजबूती के साथ 25,971 अंकों पर खुला। कुछ ही समय में यह 26,000 के महत्वपूर्ण स्तर को पार कर गया।

पहली बार चांदी 2 लाख रुपये प्रति किलो के ऊपर पहुंची, सोना भी उछला

नई दिल्ली । पहली बार चांदी 2 लाख रुपये प्रति किलो के पार पहुंच गई है। फेडरल रिजर्व बैंक द्वारा ब्याज दरों में कटौती और मांग बढ़ने के बाद मल्टी कमोडिटी मार्केट (एमसीएक्सा) पर चांदी में ये उछाल आया है। चांदी 1600 रुपये उछलकर 2,00,510 रुपये प्रति किलो पर कारोबार कर रही है। वहीं सोने में भी रिकॉर्ड तेजी रही। एमसीएक्स पर सोना आज करीब 2500 रुपये चढ़कर 1,34,966 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया, ये इसका रिकॉर्ड ऊंचा स्तर है। एमसीएक्स पर सोने के वायदा भाव लगभग 1,32,700 रुपए और चांदी के भाव 1,97,850 रुपए के आसपास कारोबार कर रहे थे। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने के फरवरी कॉन्ट्रेक्ट की शुरुआत मामूली गिरावट के साथ 1,32,442 रुपए पर हुई, जबकि पिछला बंद भाव 1,32,469 रुपए था। शुरुआती कमजोरी के बाद सोने में खरीदारी बढ़ी और यह कॉन्ट्रेक्ट 1,32,673 रुपए पर पहुंच गया, जो लगभग 204 रुपए की तेजी दर्शाता है। दिन के दौरान सोना 1,32,764 रुपए के रिकॉर्ड उच्च स्तर तक पहुंचा, जबकि 1,32,400 रुपए इसका दिन का निचला स्तर रहा। इसके विपरीत, चांदी के मार्च कॉन्ट्रेक्ट की शुरुआत सुस्त रही और पिछले बंद 1,98,942 रुपए से करीब 1,984 रुपए की गिरावट के साथ 1,96,958 रुपए पर खुला, यानी कारोबार के दौरान चांदी में दबाव बना रहा और यह 1,97,878 रुपए तक फिसल गई।

नवंबर में रूसी तेल निर्यात में अमेरिकी प्रतिबंधों के प्रभाव से भारी गिरावट

नई दिल्ली । अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) ने बताया कि अमेरिकी प्रतिबंधों और उनके संभावित प्रभावों के डर से नवंबर में रूसी तेल निर्यात में भारी गिरावट आई। कुल निर्यात लगभग 6.9 मिलियन बैरल प्रति दिन रह गया, जो पिछले महीने की तुलना में 420,000 बैरल प्रति दिन कम है। इस गिरावट के चलते रूस का तेल राजस्व 11 अरब डॉलर रह गया, जो पिछले साल की तुलना में 3.6 अरब डॉलर कम है। रूस के यूराल कच्चे तेल की कीमतें 43.52 डॉलर प्र ?ति बैरल तक गिर गईं, यानी 8.2 डॉलर प्र ?ति बैरल की कमी। अमेरिका ने रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर अतिरिक्त शुल्क लगाए हैं, जैसे भारत पर 25 प्रतिशत शुल्क, जिससे खरीदारों पर दबाव और बढ़ा। आईईए के अनुसार नवंबर में वैश्विक तेल आपूर्ति में 610,000 बैरल प्रति दिन की गिरावट दर्ज की गई। गिरावट में मुख्य योगदान ओपेक देशों (80 फीसदी) का रहा, जबकि अमेरिका, ब्राजील और जैव ईंधन उत्पादकों ने भी आपूर्ति कम करने में भूमिका निभाई। ईरान का उत्पादन 1.9 मिलियन बैरल प्र ?ति दिन स्थिर रहा। आईईए ने भविष्यवाणी की है कि 2025 में वैश्विक तेल आपूर्ति 3 मिलियन बैरल प्र ?ति दिन बढ़ेगी और 2026 में यह वृद्धि 2.4 मिलियन बैरल प्र ?ति दिन होगी। 2026 में वैश्विक मांग 860,000 बैरल प्र ?ति दिन रहने का अनुमान है। मांग में वृद्धि का आधा हिस्सा गैसोलीन और जेट या केरोसिन से आएगा, जबकि ईंधन तेल की मांग घटती रहेगी। रूसी तेल पर यूरोपीय संघ के आगामी प्रतिबंधों और रिफाइनरी ठप होने की वजह से उत्पाद क्रैक और रिफाइनिंग मार्जिन तीन साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गए हैं।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए उलझनों भरा रहने वाला है। आपका किसी नए घर को खरीदने का सपना पूरा होगा, लेकिन जीवनसाथी आपसे किसी बात को लेकर नाराज रहेंगे, इसलिए आपको अपने आसपास रह रहे लोगों से भी दूरी बनाकर रखनी होगी और आप छोटे बच्चों के लिए भी कोई उपहार लेकर आएंगे। सरकारी मामलों में आपको लापरवाही नहीं करनी है। आपकी किसी बात से परिवार में कोई सदस्य नाराज हो सकता है।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए मध्यम रूप से फलदायक रहने वाला है। आप अपनी पढ़ाई लिखाई को लेकर काफी स्ट्रीक रहेंगे और किसी प्रतियोगिता में भी भाग ले सकते हैं। आज आपकी अपने अधिकारियों से किसी बात को लेकर कहासुनी हो सकती है, जो आपकी टेंशन को बढ़ा सकती हैं। आपने यदि किसी को धन उधार दिया था, तो वह भी आपको वापस मिल सकता है, लेकिन आपको वाहनों का प्रयोग थोड़ा सावधान रहकर करना होगा, नहीं तो कोई दुर्घटना हो सकती है।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है, इसलिए आप पार्टनरशिप में भी किसी काम की शुरुआत कर सकते हैं। आपके अंदर आज एक्स्ट्रा एनर्जी रहने से आप प्रत्येक कामों को करने के लिए तत्पर रहेंगे, लेकिन आप अपनी ऊर्जा को सही कामों में लगाए, तो आपके लिए बेहतर रहेगा। आपका किसी बात को लेकर मन परेशान रहेगा। माताजी को आप कहीं घूमाने फिराने लेकर जा सकते हैं। आपको अपने धन और समय दोनों पर ध्यान देना होगा।

कर्क - आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। आपको कार्य क्षेत्र में अपने रुतबे को बनाए रखने की आवश्यकता है और आपको अपने डेली रूटीन को बेहतर करना होगा। आप सरकारी इन्वेस्टमेंट करने की योजना बना सकते हैं, लेकिन मौसम का प्रभाव आपके स्वास्थ्य पर पढ़ने से आपकी समस्याएं बढ़ेगी। परिवार में किसी नये मेहमान का आगमन हो सकता है, जिससे मन काफी खुश रहेगा।

सिंह राशि - आज का दिन आपके लिए जिम्मेदारी से काम करने के लिए रहेगा। आपका अटका हुआ धन मिल सकता है। वैवाहिक जीवन खुशनुमा रहेगा। आपको अपने रुपए पैसों को लेकर किसी पर भरोसा नहीं करना है। परिवार में किसी सदस्य की सेहत मे गिरावट आने से भाग दौड़ बनी रहेगी।

कन्या - आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। करियर में आपको अच्छा उछाल देखने को मिलेगा। रोजगार को लेकर परेशान चल रहे लोगों को भी कोई बेहतर ऑप्शन हाथ लग सकता है। आप अपने रहन सहन के स्तर में बदलाव लाएंगे। प्रेम व सहयोग की भावना आपके मन में बनी रहेगी और आपको किसी की कोई बात बुरी लगने से आपका मन परेशान रहेगा।

तुला - आज का दिन आपके लिए महत्वपूर्ण रहने वाला है। आप अपने किसी सहयोगी से कोई जरूरी जानकारी शेयर करने से बचे और आपकी जो योजनाएं रुकी हुई थी, वह फिर से शुरू हो सकती हैं। आपने यदि किसी को धन उधार दिया था, तो आपके उस धन के मिलने की संभावना बन रही है। आप अपनी मेहनत का फल पाकर काफी खुश होंगे।

वृश्चिक - आज आपको बेवजह किसी बात को लेकर क्रोध करने से बचना होगा और आपको कार्यक्षेत्र में किसी छोटी बात को भी बढ़ाने से बचना होगा। आपका कोई पुराना मित्र आपसे कोई धन संबंधित मदद मांग सकता है, जिसे आप पूरा अवश्य करेंगे।

धनु - आज का दिन आपके लिए धार्मिक कार्य से जुड़कर नाम कमाने के लिए रहेगा। आपकी कुछ अनोखी कोशिशे रंग लाएगी। व्यापार में भी आप किसी के साथ डील फाइनल करने की सोचेंगे, जो आपके लिए अच्छी रहेगी। आप अपने घर की साफ सफाई व रखरखाव पर पूरा ध्यान देंगे। आपको अपने आसपास रह रहे विरोधियों को पहचान कर चलना होगा।

मकर - आज का दिन आपके लिए बाकी दिनों की तुलना में अच्छा रहने वाला है। माता पिता के आशीर्वाद से आपका रुका हुआ काम पूरा होगा। घूमने फिरने के दौरान आपको कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी, जो जातक सरकारी नौकरी की तैयारी में लगे हैं, उन्हें कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। विद्यार्थियों को पढ़ाई लिखाई में एकाग्र होकर जुटना होगा।

कुंभ - आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। परिवार में किसी सदस्य को नई नौकरी के मिलने से कहीं बाहर जाना पड़ सकता है। आपको एक के बाद एक खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। जीवन साथी आपके साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलेंगे। आप प्रॉपर्टी में इन्वेस्टमेंट करने की प्लानिंग कर सकते हैं। आप अपने माताजी से किए हुए वादे को लेकर थोड़ा परेशान रहेंगे और आपका कोई मित्र आपसे मेल मिलाप करने आ सकता है।

मीन- आज आपको थोड़ा सावधानी बरतने की आवश्यकता है। आप किसी प्रॉपर्टी की खरीदारी करते समय उसके चल व अचल पहलुओं पूरा ध्यान दें, नहीं तो आप कोई गलत डिसीजन ले सकते हैं। बिजनेस में भी आपको मेहनत जारी रखनी होगी, तभी कोई अच्छा मुकाम हासिल होगा और अपने पेंडिंग पड़े कामों को भी समय से पूरा करने की कोशिश करेंगे। प्रेम जीवन जी रहे लोगों को अपने साथी के साथ समय बिताने का मौका मिलेगा। मौसम का विपरीत प्रभाव आपके स्वास्थ्य का पड़ सकता है।

शब्दजाल - 8108

शब्द जाल ऐसे 10 शब्द ढूंढिए जिनके पीछे राज शब्द लगा है. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

रामराज, नागराज, पुखराज, अधिराज, देवराज, योगीराज, दराज, धर्मराज, महाराज, युवराज

रा	क	जं	पु	ग	द	रि	या	दि	ल	ध
म	वि	ल	ग	ख	जी	ग	द	अ	ता	र्म
रा	स	त	यु	व	रा	ज	रा	धि	क	रा
ज	ज	क	दो	पु	ज	ज	ह	रा	त	ज
क	ना	दो	आं	आं	लं	का	म	ज	व	क
जी	द	ग	प	य	द	रा	ज	ण	र	यो
ती	ग	इ	रा	या	प	बा	श	र	ल	गी
क	र्ज	ल्सा	इ	ज	ब	म	र	लो	श	रा
ने	बा	म	ब्व	ब्रा	ह	त	हा	ह	प	ज
द	पा	दे	व	रा	ज	र्त	ऐ	रा	हा	त
क	दु	व	न	रा	ज	रा	ब	द	ज	थ

शब्दजाल - 8107 का हल

गो	नु	स	अं	प	म	खे	क	ला	व	क
उ	जी	हा	ला	क	शा	सौ	व	हा	जू	क
प	थो	तें	र	ल	ज	का	त	न	नी	द
हा	ल	व्य	व	हा	र	ऐ	हा	न	हा	थो
र	सा	ल	व	कु	श	जा	एं	र	क	र

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

13 दिसम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृश्चिक में	धनु	06.49 बजे से
चंद्र	कन्या में	मकर	08.55 बजे से
मंगल	धनु में	कुंभ	10.41 बजे से
बुध	वृश्चिक में	मीन	12.14 बजे से
गुरु	मिथुन में	मेष	13.44 बजे से
शुक्र	वृश्चिक में	वृष	15.24 बजे से
शनि	मीन में	मिथुन	17.23 बजे से
राहु	कुंभ में	कर्क	19.36 बजे से
केतु	सिंह में	सिंह	21.52 बजे से
राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक		कन्या	00.04 बजे से
		तुला	02.15 बजे से
		वृश्चिक	04.29 ब.से

शनिवार 2025 वर्ष का 347 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** हेमन्त। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** पौष (दक्षिण भारत में मृगशीर्ष) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** नवमी 16.39 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** हस्त अहोरात्र। **योग** आयुष्मान 11.16 बजे को समाप्त। **करण** गर 16.39 बजे तदनन्तर वणिज 05.41 बजे प्रात: को समाप्त। **चन्द्रायु** 22.7 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 23° 09' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872557 **जूलियन दिन** 2461022.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** जमादि उस्सानी **तारीख** 21

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल	05.55 से	07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से	07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से	08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से	08.42 बजे तक
रोग	08.51 से	10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से	10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से	11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से	11.47 बजे तक
चर	11.46 से	01.14 बजे तक	चर	11.47 से	01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से	02.42 बजे तक	रोग	01.19 से	02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से	04.10 बजे तक	काल	02.51 से	04.23 बजे तक
काल	04.10 से	05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से	05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: ज्ञान की जाति

यह घटना उस समय की है जब प्रसिद्ध न्यायवेत्ता महादेव गोविंद रानाडे हाई कोर्ट के जज थे। उन्हें अनेक भारतीय एवं विदेशी भाषाओं का ज्ञान था। फिर भी वह हमसे कुछ न कुछ नया सीखने को लालायित रहते थे। वह बंगला सीखने को आतुर थे लेकिन उन्हें अभी तक बंगला सिखाने के लिए कोई व्यक्ति नहीं मिला था। उन्हीं दिनों उन्हें पता चला कि उनके एक पड़ोसी की हजामत बनाने के लिए जो व्यक्ति आता है वह बंगला भाषी है। महादेव गोविंद रानाडे ने उसी से अपनी हजामत बनवाने का निश्चय किया। उन्होंने सोचा कि हजामत बनवाने से वह उसके साथ रहकर बंगला भी सीख जाएंगे। हजामत बनाते-बनाते नाई रानाडे को बंगला की जानकारी देता रहता था। उनकी पत्नी यह सब देखती रहती थी। एक दिन वह झुंझला कर बोली, 'आप एक नाई से बंगला सीख रहे हैं । यदि यह बात किसी को पता चल गई तो वह क्या सोचेगा? इससे आपका मान-सम्मान धूमिल हो जाएगा।' यह सुनकर रानाडे बोले, 'इसमें सम्मान घटने की या धूमिल होने की कौन सी बात है? मैं कोई ऐसा काम नहीं कर रहा हूं जिससे किसी को कोई हानि हो अथवा जो कानून के विरुद्ध हो। मैं ज्ञान का प्यासा हूं और बंगला सीख रहा हूं। फिर ज्ञान की कोई जाति नहीं होती। वह तो जिससे भी जहां से भी मिले तुरंत ले लेना चाहिए। और व्यक्ति अपनी जाति से नहीं ज्ञान से जाना जाता है।' उनकी पत्नी को अपनी गलती का अहसास हो गया और उन्होंने अपनी गलत सोच के लिए रानाडे से माफी मांगी।

फिल्म वर्ग पहेली- 7052

ऊपर से नीचे:-

१. नसीर, शाहरूख, रीनाराय की फिल्म-३
२. 'एक लड़की हो गई राजी' गीत वाली राहुल राय, शीबा की फिल्म-३
३. जीतेंद्र, विश्वजीत, मुमताज की 'हमें तुमसे तुम्हें हमसे' गीत वाली फिल्म-३
४. 'एक हसीना थी एक' गीत वाली ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-२
५. किशोरकुमार, माला की 'प्यार का जहाँ हो छोटा सा' गीत वाली फिल्म-४
६. 'बेदर्दी बालमा तुझको मेरा मन' गीत वाली फिल्म-३
८. राज बब्बर, राजीव कपूर, डिम्पल की 'जीने दे ये दुनिया' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'अली अली मैं जोगन बन गई' गीत वाली अष्मित पटेल, मीरा की फिल्म-३
१२. सुनीलदत्त, रेखा की 'हाय मेरी मजबूर जवानी' गीत वाली फिल्म-२,३
१४. 'उंगली में अंगूठी' गीत वाली सनी, अनिल कपूर, श्रीदेवी की फिल्म-२,४
१६. गोविंदा, आदित्य, नीलम, मंदाकिनी की अजय कश्यप निर्देशित फिल्म-४
१७. 'सगरे जगत का इक' गीत वाली अमिताभ, हेमा मालिनी की फिल्म-३
२५. राजेश खन्ना, पूनम ढिल्लों की 'ऐसी हसीन चाँदनी' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'पर्दे में कोई बैठा है' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'तू सामने जब आता है' गीत वाली फिल्म-३
२८. फिल्म 'मेहबूबा' में नायिका कौन थी-२
२९. रितिक रोशन, करिश्मा की फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. सनी, रजनीकांत, श्रीदेवी की फिल्म-४
३. किरणकुमार, राधा सलूजा की 'दिल का नजराना ले ओ' गीत वाली फिल्म-३
६. 'आजा रे अब मेरा दिल पुकारा' गीत वाली राज कपूर, नर्गिस की फिल्म-२
७. राजेंद्रकुमार, शर्मिला की 'खाई है रेहमने कसम संग रहने' गीत वाली फिल्म-३
९. करण दीवान, स्वर्णलता की सुपरहिट फिल्म-३
११. गुरूदत्त, वहीदा की फिल्म-२
१२. फिल्म 'जीत' में सलमान का नाम-२
१३. अजय, सोनाली की 'तुम आए तो आया मुझे याद' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'क्यूं मेरा दिल' गीत वाली करणनाथ, मनीषा, नतान्या सिंह की फिल्म-२
१६. सनी देओल, सुष्मिता की 'मैं अपना नाम भूला' गीत वाली फिल्म-२
१८. अजय, आफजाब, विवेक, रितेश, लारा, अमृताराव की फिल्म-२
१९. 'दिल जंगली कबूतर' गीत वाली फिल्म-३
२०. सचिन खेडेकर, तब्बू, स्मिता की अंडरवर्ल्ड पर बनी एक फिल्म-३
२१. 'फूलों से जो खुशबू आए' गीत वाली प्रशांत, ऐश्वर्या की फिल्म-३
२२. अक्षयकुमार, रवीना की 'क्यूं आँचल हमारा गिरा जा' गीत वाली फिल्म-२
२३. राजकुमार, शशि, साधना की फिल्म-२
२४. 'परदेसी तो हैं' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'दिल मेरे ना और इंतजार कर' गीत वाली शाहिद, करीना की फिल्म-२
३०. फिल्म 'रंगदे बसंती' के संगीतकार कौन थे?-४
३१. 'दिल है छोटा सा छोटी सी आशा' गीत वाली फिल्म-२
३२. अभिषेक, उदय, जॉन, ईशा, रिमी सेन की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7051

मु	सा	फि	र		प्या	र	ही	प्या	र
क्ति		जा	न	म		प्ता		सी	
	प			ज	ह	र		शा	न
प्र	ति	ज्ञा		बू	म		उ	म	र
	ता		स	र		फू	ल		सि
सा		खौ	फ		न		झ		म्हा
व	क्त		र		म	हा	न	ता	
न		दी		नौ	क	र		ल	की
भा	ग्य	वा	न			जी	त		म
दो		ना		स	पू	त		भू	त

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल- 7361

★★★★☆ कठिन

		5			3			
	2			9	5			
9						6		
							3	5
	6						7	
4	8							
		7						3
			2	4			9	
			8			2		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भर जाने आवश्यक है.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7360 का हल

4	2	5	8	6	1	9	7	3
7	3	1	9	4	2	8	5	6
6	9	8	7	3	5	4	2	1
1	6	2	3	8	9	5	4	7
9	4	3	5	1	7	6	8	2
8	5	7	4	2	6	3	1	9
2	1	9	6	5	8	7	3	4
5	7	4	1	9	3	2	6	8
3	8	6	2	7	4	1	9	5

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8576

बाएँ से दाएँ

1. चोगा,गाऊन-3
3. पायजामा,शलवार-4
6. भाग्य,लक-3
7. सूर्य,भास्कर-2
8. बिता हुआ दिन-2
10. न्यूनता,निम्नता-5
12. मैडल,पदक-3
15. माला का मोती-3
17. कुलिन स्त्री-5
20. थूक,लेस-2
22. विलंब,लेट-2
23. जाँच,निरीक्षण-3
24. श्मशान,शवदाहगृह-4
25. साफ,बेदाग-3

ऊपर से नीचे

2. दानशीलता,उदारता-5
3. पाठ,शिक्षा-3
4. रात्रि जागरण-4
5. नेत्रावरण-3
7. लीन,मगन-2
9. बुरी आदत-2
11. कामदेव-3
13. मगरमच्छ-3
14. इंतजार करना-2,3
15. आलेप,लोशन-4
16. सफेद का विलोम-2
18. पानी से सराबोर-2
19. माजरा,हालात-3
21. रिपोर्ट-3

शब्द पहेली -8575 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

जवाहर नवोदय विद्यालय कक्षा 6वीं में प्रवेश के लिए परीक्षा आज 1568 विद्यार्थी होंगे शामिल

पद्मेश न्यूज। लांजी। जवाहर नवोदय विद्यालय, वारासिवनी में कक्षा 6वीं में प्रवेश के लिए लांजी विकासखंड के अभ्यर्थियों की प्रवेश परीक्षा आज 13 दिसम्बर 2025 दिन शनिवार को लांजी मुख्यालय में आयोजित की जा रही है। यह परीक्षा सुबह 11:30 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक चलेगी। परीक्षा में शामिल होने वाले सभी विद्यार्थियों को निर्देश दिया गया है कि वे निर्धारित समय से एक घंटा पहले यानी सुबह 10:30 बजे तक अपने-अपने परीक्षा केंद्र पर अनिवार्य रूप से उपस्थित हो जाएं। प्रवेश पत्र, नीला/काला बॉल पेन तथा अन्य आवश्यक दस्तावेज साथ लाना अनिवार्य होगा। लांजी मुख्यालय में इस बार चार परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जहाँ कुल 1568 विद्यार्थी परीक्षा देंगे। केंद्रवार विद्यार्थियों का

विवरण इस प्रकार है- शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, लांजी में 528 विद्यार्थी, शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, लांजी में 456 विद्यार्थी, सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, लांजी में 312 विद्यार्थी एवं साकेत पब्लिक स्कूल, लांजी में 272 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल होंगे। जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा को पूरी तरह नकल-विहीन एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी केंद्रों पर व्यापक इंतजाम किए गए हैं। प्रत्येक केंद्र पर पर्याप्त संख्या में पर्यवेक्षक, उड़नदस्ता दल तथा पुलिस बल तैनात रहेगा। अभिभावकों से अनुरोध किया गया है कि वे अपने बच्चों को समय पर केंद्र तक पहुंचाएं तथा केंद्र के बाहर अनावश्यक भीड़ न करें। परीक्षा के दौरान मोबाइल फोन या किसी भी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण को केंद्र में ले जाना पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। परीक्षा में सफल होने वाले विद्यार्थियों को पूर्णतः आवासीय जवाहर नवोदय विद्यालय, वारासिवनी में कक्षा 6वीं से 12वीं तक निःशुल्क एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा।

पानी टंकी निर्माण हेतु प्रस्तावित शासकीय भूमि के अतिक्रमण को हटाने की मांग को लेकर महिलाओं ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। लांजी।

जनपद पंचायत लांजी के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत परसवाड़ा में जलजीवन मिशन अंतर्गत पानी टंकी निर्माण हेतु प्रस्तावित शासकीय भूमि पर ग्राम के राजा लिल्हारे द्वारा अतिक्रमण कर मकान का निर्माण कार्य किया जा रहा है। उक्त अतिक्रमण को हटाने की मांग लेकर 12 दिसम्बर शुक्रवार को ग्राम परसवाड़ा की दो दर्जन से अधिक महिलाएं सरपंच के साथ तहसील कार्यालय पहुंचकर एसडीएम लांजी को ज्ञापन सौंपा। महिलाओं ने कहा कि ग्राम के राजा लिल्हारे द्वारा जबरन शासकीय भूमि पर अतिक्रमण कर पक्का निर्माण किया जा रहा है जिसे हटाने के लिये विगत एक माह से प्रयास किये जा रहे है, स्टे ऑर्डर मिल जाने के बावजूद उसके द्वारा काम नहीं रोका गया है। महिलाओं ने यह भी बताया कि राजा लिल्हारे द्वारा सरकारी हैंडपंप में अपनी मोटर डालकर कब्जा कर लिया गया है और किसी भी ग्रामीण को उक्त हैंडपंप से पानी नहीं लेने दिया जाता और कोई विरोध करता है तो उसे राजा लिल्हारे एवं उसके परिवार द्वारा अपशब्द कहते हुए अभद्रता की जाती है। ग्राम पंचायत परसवाड़ा सरपंच के साथ पहुंची ग्रामीण महिलाओं को एसडीएम कमलचंद सिंहसार ने आश्वस्त करते हुए कहा की सरकारी जमीन पर कब्जे का अधिकार किसी को नहीं है। पानी टंकी निर्माण की भूमि को शीघ्र ही अतिक्रमण से मुक्त किया जाएगा। महिलाओं द्वारा एसडीएम को ज्ञापन सौंपे जाने के उपरांत पुलिस थाना लांजी पहुंचकर ज्ञापन सौंपा गया।

पानी टंकी निर्माण हेतु प्रस्तावित है भूमि - सरपंच

ग्राम पंचायत परसवाड़ा के सरपंच विजय लिल्हारे ने जानकारी में बताया कि ख.नं. 115 रकबा 0.336 हेक्टेयर की भूमि पर जल प्रदाय योजना अंतर्गत पानी टंकी निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। उक्त प्रस्ताव विगत 24 मई 2025 को सरपंच सहित ग्राम के 9 पंच सदस्यों की मौजूदगी में लिया गया है। परंतु ग्राम के ही वार्ड क्रमांक 7 निवासी राजा लिल्हारे द्वारा उक्त भूमि पर सरपंच की गैरमौजूदगी का फायदा उठाते हुए लगभग 8 कॉलम का पक्का अवैध अतिक्रमण कर लिया गया है। सरपंच विजय लिल्हारे ने यह भी बताया कि राजा लिल्हारे द्वारा पूर्व में भी ग्राम के अन्य स्थानों पर अपना अवैध कब्जा किया गया है, राजा लिल्हारे द्वारा अपने भूमि स्वामी हक की जमीन के बाजू में ही शासकीय भूमि पर अवैध कब्जा करते हुए पक्का निर्माण किया गया है। जिसमें उसके द्वारा अपने वाहन एवं मवेशी रखे जा रहे है।

ज्ञापन सौंपे जाने के दौरान राधेलाल, ममता, अनुसया, रामेश्वर, कंचना मलगाम, ज्योति उईके, मनु बाई उईके, रजवन्ता, रीना उईके, संतोष लिल्हारे, सुकचरन उईके, जुगरी बाई, लखन लिल्हारे, श्याम कली बाई, मधुकर, मनुबाई मलगाम, सुनीता मलगाम, ऊषा मलगाम, मनीराम मलगाम, सोनल लिल्हारे, रामलाल, मधुकांत तुमसरे, काजल, शीला तुमसरे, रामलाल तुमसरे, लता मलगाम, ललीता लिल्हारे, गुणवंता कोकोडे, घनश्याम सहारे, भुनेश्वरी कोहरे, सिंधु यसनपुरे, सरिता चन्ने, सत्यभामा बिसेन, रोशनी अंबाते, कालूलाल लिल्हारे, रीता अबोद, निकिता लिल्हारे आदि जन उपस्थित थे।

अखिल भारतीय रविदासिया धर्म संगठन का प्रदेश स्तरीय महासम्मेलन सम्पन्न

बालाघाट जिले को मिला दूसरा स्थान

पद्मेश न्यूज। लांजी। अखिल भारतीय रविदासिया धर्म संगठन (मध्य प्रदेश इकाई) के तत्वावधान में 9 दिसंबर 2025 को भोपाल में एक भव्य प्रदेश स्तरीय महासम्मेलन का आयोजन किया गया। उक्त सम्मेलन में मुख्य अतिथि विश्वास कैलाश सारंग (कैबिनेट मंत्री, मध्य प्रदेश सरकार), विशिष्ट अतिथि किशन सूर्यवंशी (अध्यक्ष, भोपाल नगर निगम), प्रियंक कानूनगो (सदस्य, राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग, नई दिल्ली) संगठन नेतृत्व संत सुखदेव महाराज राष्ट्रीय संत एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष, माधव सिंह अहिरवार प्रदेश अध्यक्ष, जोठवाल प्रदेश प्रभारी की प्रमुख उपस्थिति में हुआ। इस कार्यक्रम में काशी (वाराणसी), पंजाब, बिहार तथा मध्य प्रदेश के सभी जिलों से हजारों की संख्या में रविदासिया समाज के लोग, पदाधिकारी, संत-महात्मा एवं अनुयायी उपस्थित हुए। बालाघाट जिले से भी संगठन के प्रमुख पदाधिकारियों ने बड़ी संख्या में शिरकत की।

हमारी पहचान सिर्फ 'रविदासिया' हो

कार्यक्रम की अध्यक्षता संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं रविदासिया समाज के राष्ट्रीय संत शिरोमणि संत सुखदेव महाराज (पुणे) ने की। उन्होंने अपने कर-कमलों से दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया और पूरे देश को संदेश देते हुए कहा- संत रविदास जी महाराज की उपाधि सर्वोच्च है। हमारा समाज प्रदेश में संख्या की दृष्टि से सबसे बड़ा है, किन्तु जाटव, अहिरवार, मोची, सूर्यवंशी आदि अनेक उपनामों-उपजातियों में बंटा हुआ है। हमें अब इन छोटी-छोटी पहचानों को छोड़कर केवल और केवल रविदासिया के रूप में एकजुट होना है। संत सुखदेव महाराज ने गुरु रविदास जी की महिमा बताते हुए कहा कि उन्होंने सदैव भाईचारा, समानता और मानवता का संदेश दिया। उन्होंने उस राम को माना जिन्होंने शबरी के जूठे बेर खाए, उस गंगा माँ को माना जिन्होंने स्वयं प्रकट होकर कंगन भेंट किए। मीरा बाई ने उन्हें गुरु माना, गुरु नानक देव जी ने उनसे गुरु-वाणी ली और कबीर दास जी ने भी उन्हें गुरु स्वीकार किया। हम ऐसे महान एकता के प्रतीक संत के वंशज हैं। हमें उनके दिखाए मार्ग पर चलकर समाज कल्याण और सबको जोड़ने का कार्य करना है।

बालाघाट जिले को मिला दूसरा स्थान, दिनेश चौहान की विशेष सराहना

प्रदेश अध्यक्ष माधव सिंह अहिरवार ने बालाघाट जिले के कार्यों की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए पूरे प्रदेश में संगठन की रैंकिंग में बालाघाट को दूसरा स्थान प्रदान किया। उन्होंने जिला संचालक दिनेश चौहान (जो लांजी तहसील के अध्यक्ष भी हैं) की विशेष तारीफ की और कहा कि दिनेश जी ने सितंबर माह में सिद्धेश्वर मंगल भवन, लांजी में अत्यंत भव्य एवं अनुशासित कार्यक्रम आयोजित किया था। वे न्यायप्रिय, जिम्मेदार और संतों की वाणी को समाज तक पहुँचाने वाले व्यक्तित्व के धनी हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष संत सुखदेव महाराज ने फरवरी 2026 में बालाघाट आने का आश्वासन देते हुए जिला प्रभारी यशवंत कनोजे एवं पूरी जिला कमेटी को शुभकामनाएँ दीं।

ग्राम टेकरी में हुआ एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण का आयोजन

पद्मेश न्यूज। लांजी। विकासखंड लांजी के अंतर्गत ग्राम टेकरी में 12 दिसम्बर को आत्मा समिति कृषि विभाग लांजी द्वारा में कैफेटेरिया BwC अंतर्गत जिले के अंदर कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य दुलीचंद राजनीरे, कृषि स्थाई समिति के सभापति टूमन घोरमारे, जनपद सदस्य दिनेश लाडे जी, ग्राम के प्रथम नागरिक सरपंच प्रभुदयाल किरमे, सरपंच पूर्वाटोला गणेश बागड़े, सेवा निवृत्त पूर्व वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी अशोक नरताम की प्रमुख उपस्थिति में किया गया। कार्यक्रम में कृषि विभाग द्वारा ग्राम के किसान भाइयों एवं बहनों को मुख्य रूप से प्राकृतिक खेती एवं संबंधित विषय के बारे में जानकारी दी गई। प्रशिक्षण मे नमक पानी के घोल से बीज शोधन की विधि एवं जीवामृत, बीजमृत तैयार करने की विधि को ग्रामवासीयों के समक्ष डिमॉन्स्ट्रेशन करके बताया गया। रासायनिक खेती से होने वाले नुकसान तथा इससे विभिन्न प्रकार के स्वास्थ्य रोगों को जो कि मनुष्य, मृदा एवं वातावरण के लिए हानिकारक पहलू को भी बताया गया। तत्पश्चात फसल चक्र पद्धति के लाभ के बारे में बताया गया कि किस तरह फसल चक्र अपनाकर कृषक भाई लोग उत्पादन एवं फसल को रोगों बचाया जा सकता है। साथ ही पराली प्रबंधन, डीएपी तथा एनपीके को सही तरीके से इस्तेमाल करने की जानकारी किसानों को प्रदान किया गया। उद्यान विभाग ने ड्रिप, स्प्रिंकलर, एवं अन्य योजनाएं की जानकारी दी। पशुपालन विभाग ने गौधन, अच्छी नस्ल की पशुओं से प्रजनन, टीकाकरण, रोगों का निराकरण एवं संचालित योजनाएं की जानकारी दी। मत्स्य विभाग ने मछली पालन, सिंघाड़े की खेती पर बताया।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामवासियों ने अपनी उपस्थिति देखी गई एवं इस प्रशिक्षण के दौरान उत्साह देखा गया। किसान एवं ग्रामवासियों ने

भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम हो ऐसी इच्छा जाहिर की है। कार्यक्रम के दौरान ग्राम की मातृ शक्तियो एवं कृषि सखीयों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। कृषि सखियों में श्रीमती ओमेश्वरी बनसोड, श्रीमती लीला रहगंडाले, श्रीमती यशवंती माहुले, श्रीमती लीना दशहरे, श्रीमती निशा माहुले, श्रीमती निशा मसखरे, श्रीमती रूपा कंकरायने, श्रीमती रूपा उइके, श्रीमती सुभद्रा कोठारे उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान कृषि विभाग लांजी से अनुविभागीय कृषि अधिकारी खुदीराम सनोडिया, आत्मा विभाग से विकासखंड तकनीकी प्रबंधक अजय बिजेवार, सहायक तकनीकी प्रबंधक विनय उइके, मछुआ समिति के अध्यक्ष नंदकिशोर कामरी, वरिष्ठ उद्यान विकास अधिकारी निलेश सुल्खे, कृषि विस्तार अधिकारी अमित नारनौर, विनय प्रकाश बागड़े तथा पशुपालन विभाग से अशोक नारनौरे, प्रदान संस्था से श्रीमती रुक्मणी पांचे उपस्थिति थे।

शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय किरनापुर में एक दिवसीय स्काउट गाइड एवं रेडक्रास हाईक सम्पन्न

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय किरनापुर में प्रति वर्षानुसार प्राचार्य अनिता तारन के निर्देशन में स्काउट गाइड एवं रेडक्रास के द्वारा एक दिवसीय हाइक का आयोजन गुरुवार दिनांक 11-12-2025 को

किया गया।हाइक कि रवानगी हाइक स्थल बोरवन फारेस्ट के लिए सुबह 8-30 बजे की गई। वन ग्राम नदोरा में पहुंचकर नशा मुक्ति अभियान जागरुकता रैली स्काउट मास्टर मकबूल मोहम्मद कुरेशी के कुशल नेतृत्व में निकाली गई। जिसमें नशाबंदी संबंधित विभिन्न नारे लगाए गए जैसे नशे से दूरी है बहुत जरूरी, शराब छोड़ो मस्त रहो, जनतंत्र ने ठाना है नशे को बन्द कराना है,नशा जो करेगा, बैमोत मरेगा, नशे से दोस्ती जीवन से मुक्ति ,देश को बचाना है नशे को बंद कराना है इत्यादि नशा मुक्ति नारे लगाकर गांव के लोगों को नशा न करने के लिए प्रेरित किया गया। इसके पश्चात हमारा हाइक दल हाइक स्थल नदी के किनारे प्रकृति कि वादियों में बोरवन पहुंचा यहां स्काउट गाइड दल एवं रेडक्रास दल द्वारा टैंट बनाए गए, गजट बनाए गए ,ध्वजारोहण किया गया । स्काउट गाइड में भर्ती हुए नए सकाउट गाइड को दीक्षा संस्कार कराया गया।टैंट का निरीक्षण एवं स्काउट गाइड एवं रेडक्रास के विधार्थियों का अनुशासन देखने के लिए मुख्य अतिथि डी.एल.राहंगडाले काउन्सलर, विशेष अतिथि राजेन्द्र हाथीमारे सेवानिवृत शिक्षक,प्रभारी प्राचार्य डी.आर.पट्टावी द्वारा किया गया। इस दौरान कैम्प फायर का भी आयोजन किया गया।अतिथियों का स्वागत गुलदस्ता देकर किया गया स्काउट गाइड प्रभारी घनश्याम रामटेके ने शमा है सुहाना गीत गाकर हाइक स्थल में शमां का माहौल बांध दिये इसके पश्चात स्काउट गाइड रेडक्रास के विधार्थियों द्वारा बनाया गया स्वादिष्ट भोजन सभी ने किया । सभी ने हाइक स्थल पर भरपूर आनंद लिया।इस हाइक को सफल बनाने में प्रभारी प्राचार्य श्री डी.आर.पट्टावी स्काउट मास्टर मकबूल मोहम्मद कुरेशी, स्काउट गाइड प्रभारी घनश्याम रामटेके गाइडर वन्दना पटले रेडक्रास प्रभारी सुरेन्द्र चित्रीव एवं क्लर्क आशा मर्सकोले का सराहनीय योगदान रहा। मंच संचालन सुरेन्द्र चित्रीव द्वारा किया गया। अन्त में शाम 5 बजे हमारा हाइक दल उक्त स्थल से रवाना हो गया और 5.30 बजे विद्यालय पहुंच गया।हाइक मनोरंजक, प्रेरणादाई ,सुखद एवं मनमोहक रही, जिसमे सभी का सहयोग काबिले तारीफ रहा।

कबड्डी के रोमांचक मैचों में खिलाड़ियों ने दिखाए अपने जौहर

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पानगांव मे दो दिवसीय मंडई मेला कार्यक्रम के अवसर पर कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता मे म. प्र., छ. ग., महाराष्ट्र राज्य की

अनेक टीमों ने भाग लिया। कबड्डी प्रतियोगिता के मैचों का लुत्फ़ उठाने दिनभर लोगों की भीड़ खेल मैदान मे उमड़ पड़ी। तथा उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते रहे जिसके चलते खिलाड़ियों ने भी अपने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करते हुए लोगों का ध्यान अपनी ओर खिंचते रहे। प्रतियोगिता के प्रत्येक मैच के दौरान विजेता टीमों एवं खिलाड़ियों को आयोजन समिति द्वारा पारितोषिक प्रदान किए गए। क्षेत्र की अंतिम मंडई मेला के इस अवसर पर क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों के लोगों द्वारा आयोजनों का जमकर आनंद लिया गया।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबैंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

मुख्यमंत्री, प्रदेश अध्यक्ष,उप मुख्यमंत्री देवड़ा एवं शुक्ल ने मप्र में "विकास और सेवा के दो साल" की उपलब्धियों पर पत्रकार-वार्ता को किया संबोधित

मध्यप्रदेश में दो साल में हुआ अकल्पनीय विकास

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल, उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा एवं राजेन्द्र शुक्ल ने मध्यप्रदेश में "विकास और सेवा के दो साल" की उपलब्धियों पर शुक्रवार को कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में पत्रकार-वार्ता को संबोधित किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में हुए विकास कार्यों की जनता साक्षी है। मात्र दो वर्ष के अल्प कार्यकाल में राज्य सरकार ने प्रदेश के विकास का परिदृश्य बदल दिया है। इन दो सालों में प्रदेश में हुआ विकास अद्भुत है, अकल्पनीय है। दो साल में ही मध्यप्रदेश दशकों से चली आ रही नक्सलवाद की समस्या से पूरी तरह मुक्त हो गया है। इससे प्रदेश के विकास की एक बड़ी बाधा दूर हो गई है। नक्सलवादियों के एमएमसी जोन (महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़) 42 दिन में 42 नक्सलवादियों ने समर्पण कर विकास की धारा से जुड़कर जीवन को चुना है। उन्होंने कहा कि लाल सलाम के खात्मे के लिए हमारे बहादुर पुलिस अधिकारियों ने जो प्रतिबद्धता दिखाई है, वह निःसंदेह अद्भुत है। उन्होंने स्वयं नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में ड्यूटी मांगी और अपना टारगेट तय कर उसे अचीव भी किया। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने सभी क्षेत्रों में कार्य करने का प्रयास किया। सभी विभागों के दो साल के कार्यों की समीक्षा और आगामी 3 साल के टारगेट पर चर्चा की गई है। सभी मंत्रियों ने अपने विभाग के प्रेजेंटेशन दिए हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में विकास और सेवा का संकल्प लिए हम आगे बढ़ रहे हैं। दुनिया में वर्तमान वैश्विक परिस्थितियां और अवसर भी हमारे लिए अनुकूल होते जा रहे हैं। प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि आज का दिन हम सभी के लिए बड़ा महत्वपूर्ण है क्योंकि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व वाली भाजपा की प्रदेश सरकार अपने सफलतम 2 वर्ष पूरे कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। इन दो सालों में प्रदेश सरकार ने सुशासन, पारदर्शिता और त्वरित निर्णयों की क्षमता का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है। उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने कहा कि राज्य सरकार मध्यप्रदेश को विकास की श्रेणी में अग्रणी बनाने के लिए प्राण-प्रण से काम कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जनसम्पर्क विभाग द्वारा प्रकाशित विकास और सेवा के दो वर्ष-विभागवार उपलब्धियां, जिलों की विकास गाथा, जिलों की सफलता की कहानियां और नई राहें-नए अवसर (सरकार की सभी योजनाओं की जानकारी) का विमोचन भी किया।

सरकार ने प्रदेश की भूमि से नक्सलियों को खत्म कर दिया- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश में राष्ट्रीय नदी जोड़ो परियोजना का सफल क्रियान्वयन किया जा रहा है। केन-बेतवा, पीकेसी के बाद ताप्ती मेगा ग्राउण्ड वाटर रिचार्ज परियोजना की ओर हम तेजी से बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि केन-बेतवा परियोजना के अंतर्गत ही मंदाकिनी-चित्रकूट के नाम पर उप परियोजना का नया प्रोजेक्ट तैयार किया गया है।

-नक्सल मुक्त हुआ प्रदेश, 42 दिन में 42 नक्सलवादियों ने किया सरेंडर

-अगले पांच साल में 100 लाख हेक्टेयर रकबे को सिंचित करने का लक्ष्य

-भाजपा सरकार ने मध्यप्रदेश का बदला औद्योगिक परिदृश्य

इससे चित्रकूट धाम के आसपास भी पर्याप्त जल उपलब्ध होगा, साथ ही बिजली उत्पादन भी होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि नदी जोड़ो परियोजना के अंतर्गत सरकार अगले पांच साल में 100 लाख हेक्टेयर से अधिक कृषि रकबे को सिंचित करने का लक्ष्य लेकर चल रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में 1988-90 से नक्सलियों की गतिविधियों की शुरुआत हुई थी। कभी ऐसी भी स्थिति रही कि राज्य में पुलिस की बसों को आग के हवाले कर दिया गया। उन्हीं के एक मंत्री की नक्सलियों ने हत्या कर दी। जबकि केंद्र और राज्य में कांग्रेस की सरकार थी। आज हमें गर्व है कि केंद्र सरकार के मार्गदर्शन में तय की गई डेडलाइन के अंदर ही राज्य सरकार ने मध्यप्रदेश की भूमि से नक्सलियों को पूरी तरह से खत्म कर दिया है। मध्यप्रदेश 35 साल बाद नक्सल मुक्त हुआ। इस अभियान में कुछ जवानों को शहादत भी हुई। पिछले साल प्रमोशन मिलने के बाद इंस्पेक्टर आशीष शर्मा शहीद हुए। कल दो नक्सलियों के सरेंडर के साथ मध्य प्रदेश में नक्सलियों की संख्या शून्य हो गई है। राज्य सरकार ने नक्सलियों के पुनर्वास के लिए योजना बनाई। पिछले 42 दिन में 42 सरेंडर हुए और 10 नक्सलियों को ढेर किया गया है। हम ऐसा तंत्र विकसित करेंगे, जिससे दोबारा नक्सलवादी मूवमेंट स्थापित न हो पाए। राज्य सरकार ने सभी पड़ोसी राज्यों के साथ आवश्यक समन्वय किया।

प्रदेश में जल प्रबंधन की ऐतिहासिक प्रगति

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन मोहन यादव ने कहा कि केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना के माध्यम से प्रदेश में जल संरक्षण का बड़ा अभियान शुरू हुआ है। पार्वती-कालीसिंध और चंबल परियोजना के समझौते के बाद अब मध्यप्रदेश और राजस्थान को पर्याप्त जल मिल रहा है। महाराष्ट्र सरकार के साथ मिलकर ताप्ती वॉटर रीचार्ज परियोजना पर भी कार्य हो रहा है। एक लाख करोड़ की पीकेसी परियोजना में 90 हजार करोड़ भारत सरकार दे रही है। इसी प्रकार ताप्ती परियोजना के लिए भी 70 हजार करोड़ केंद्र सरकार दे रही है। उज्जैन में पहले सिंहस्थ हुए, लेकिन श्रद्धालुओं को गंभीर नदी के जल से स्नान कराया गया। वर्ष 2016 में नर्मदा के जल से स्नान का प्रबंध कराया, लेकिन आगामी 2028 के सिंहस्थ के लिए हमने 800 करोड़ लागत से नई योजना बनाई है। अब श्रद्धालु क्षिप्रा के जल से स्नान करेंगे। राज्य के अंदर पहली बार दो नदियों- गंभीर और कान्ह को अंडर डक्ट के माध्यम से लिंक किया जा रहा है।

मप्र में निवेश, उद्योग और शिक्षा का नया दौर

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि पहले भोपाल में जीआईएस नहीं होती थी। भूतो न भविष्यति इसी साल फरवरी में भोपाल में पहली बार ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट (जीआईएस) हुई। रीजनल इंडस्ट्रियल कॉन्क्लेव के माध्यम से भी निवेश आया है। इसी का परिणाम है कि निवाड़ी जैसे छोटे जिले में इस्पात कारखाना खुल रहा है। झाबुआ में खाद बनाया जा रहा है। नीमच में भारत ही नहीं दुनिया का पंप स्टोरेज बना है, जिसका कार्य दो साल में पूर्ण कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में स्वीकृत 7 पीएम मित्र पार्क में से पहला पार्क का अपने जन्मदिन के अवसर पर मध्यप्रदेश के धार में भूमिपूजन किया है। राज्य सरकार ने इसमें भूमि आवंटन भी कर दिया है। विक्रम उद्योगपुरी में दवा कंपनियों ने इंडस्ट्री लगाकर उत्पादन शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति के माध्यम से 55 पीएम एक्सीलेंस कॉलेज खोले गए हैं। प्रदेश में मेडिकल कॉलेज की संख्या निरंतर बढ़ाई जा रही है। अब प्रदेश में सरकारी-निजी कुल मिलाकर 52 मेडिकल कॉलेज हो गए हैं। राज्य सरकार पीपीपी मॉडल पर मेडिकल कॉलेज और चिकित्सा सुविधाएं बढ़ाने के लिए 1 रुपए लीज पर जमीन दे रही है।

दो वर्षों में प्रशासन, उद्योग, ऊर्जा और पर्यटन में ऐतिहासिक उपलब्धियाँ

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि इन दो सालों में ही हमने हुकुमचंद मिल के मजदूरों के बकाये का विवाद खत्म कराया। भोपाल गैस त्रासदी के पीड़ितों को न्याय दिलाते हुए जहरीले कचरे का निष्पादन कराया। इंदौर-उज्जैन, भोपाल-नर्मदापुरम को मेट्रोपोलिटन एरिया बनाने की योजना बनाई गई। हमारे औद्योगिक केंद्र मेट्रोपोलिटन एरिया के विकास के मुख्य आधार बनेंगे। उन्होंने कहा कि हम प्रदेश में नई एविएशन पॉलिसी लेकर आए हैं। इसके तहत प्रदेश में पहली बार इंटर स्टेट और इंट्रा स्टेट एयर सर्विसेज शुरू की गई हैं। रीवा से इंदौर और दिल्ली के लिए हवाई सेवा उपलब्ध हो गई है। प्रदेश में पर्यटन सुविधाओं का विकास तेजी से जारी है। चित्रकूट धाम और ओरछा धाम के विकास कार्य जारी हैं। हमने एक बगिया मां के नाम और गंगोत्री योजना शुरू की। उन्होंने कहा कि देश में सबसे सस्ती बिजली मध्यप्रदेश दे रहा है। ओंकारेश्वर, नीमच में सोलर प्लांट स्थापित किए गए हैं। मुरैना में स्थापित हो रहा सोलर प्लांट मध्यप्रदेश के साथ-साथ उत्तरप्रदेश को भी बिजली उपलब्ध कराएगा। केन्द्र सरकार ने साइबर तहसील का पहला पुरस्कार मध्य प्रदेश को दिया है। बटवारा, ई-नामांतरण जैसी सुविधाएं ऑनलाइन उपलब्ध है। जल गंगा संवर्धन अभियान शुरू किया। सड़कों के किनारे मुरम खुदाई से बने गड्ढों को हम जल संचयन संरचना के रूप में विकसित कर रहे हैं।

कृषि, गौ-संरक्षण, ऊर्जा और आईटी क्षेत्र में समग्र विकास का संकल्प

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन मोहन यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश नदियों का मायका है। यहां 250 से अधिक नदियां बहती हैं। हम बूंद-बूंद पानी को सहेजने की योजना बना रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गौ संरक्षण के लिए नई योजना शुरू की गई है। दूध उत्पादन को 20 प्रतिशत तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है। गोपालकों को 10 लाख रुपए तक अनुदान दिया जा रहा है। बड़ी गोशालाएं खोलने पर भी अनुदान मिलेगा। गोशालाओं के लिए 125 एकड़ भूमि भी दी जाएगी। हम वेस्ट को वैल्यू में बदल रहे हैं। प्रदेश में कचरे और पराली से ऊर्जा उत्पादन किया जा रहा है। इस क्षेत्र में कई नामी कम्पनियों ने भी रूचि व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि इंजीनियरिंग कॉलेजों के अंदर आईटी पार्क बनाए जा रहे हैं। आईटी सिटी और एआई सिटी तैयार करने की योजना है। प्रदेश में जल्द ही ई-बसें भी शुरू की जाएंगी। गरीब कल्याण के लिए अनेक निर्णय लिए हैं। बजट को 5 साल में दोगुना करने का लक्ष्य है। प्रदेश में प्रति व्यक्ति आय को 1 लाख 54 हजार रुपए तक बढ़ाया गया है। उन्होंने कहा कि 2600 रुपए प्रति क्विंटल गेहूं खरीदा, सोयाबीन की खरीद के लिए भावांतर योजना लॉन्च की गई। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के तहत बहनों को दी जाने वाली मासिक राशि भी बढ़ा दी गई है। अब हमारी बहनों को हर माह 1500 रुपए दिए जा रहे हैं।

सरकार के 2 साल पूरे होने पर कांग्रेस की प्रेस कॉन्फ्रेंस- जीतू बोले

2 साल प्रदेश की बर्बादी के

उमंग सिंघार ने कहा-

दो की जगह 22 साल का जवाब देना चाहिए

भोपाल। विकास और सेवा के 2 वर्ष डॉ. मोहन यादव का अभ्युदय मध्यप्रदेश पर पीसीसी चीफ जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग, उप नेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे ने संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस की। जीतू पटवारी ने कहा कि दो साल पूरे हो गए सरकार के लेकिन क्या स्थिति है आज उस बारे ने चर्चा होगी। सरकार से पत्रकारों के सवाल अलग होते हैं और छपता अलग है। पत्रकार सरकार की उपलब्धि बता रहे हैं, बखान कर रहे हैं। मैं माफी के साथ कहता हूं कि सवाल यह था कि मेडिकल की स्थिति क्यों खराब, कर्ज पर कर्ज क्यों, एक पेड़ मां के नाम और पूरा जंगल अदाणी के नाम, भ्रष्टाचार क्यों है..सवाल यह थे..बहनों को तीन हजार क्यों नहीं..55 हजार करोड़ की चोरी बहना योजना के यह सवाल होता..। यह दो साल प्रदेश की बर्दादी के सवाल हैं।

सौरभ शर्मा की सोने की ईंटें कहा गई

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा- सरकार के दो साल पूरे लेकिन जनता के हजारों सवाल हैं। डबल इंजन की बात करने वाली सरकार कर्ज लेकर अपने सिंगल एजेंडे पर काम कर रही है। कई योजनाओं में केंद्र सरकार ने पैसे देना बंद कर दिया। परिवहन घोटाला, नर्सिंग घोटाला, सौरभ शर्मा की सोने की ईंटें कहा गई किसके पास है सरकार बताएं। शैंपू की बात करने वाले मंत्री बताते हैं.फिर प्याज क्यों सडकों पर है। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय दो साल से मास्टर प्लान नहीं ला पाए..धारा 16 के तहत जमीनों के नाम पर गड़बड़ी की गई। यह भी तो आज सरकार को बताना था न, यह भी सरकार की ही उपलब्धि।

22 साल हो गए बीजेपी सरकार को और 2 साल की बात

भूमाफिया किसकी शह पर हावी हैं सरकार बताएं। परीक्षाओं के नाम पर धांधली यह भी सरकार की उपलब्धि। 22 साल हो गए बीजेपी की सरकार को और 2 साल की बात करते हैं, मप्र गजब ही है। उमंग सिंघार ने कहा- सरकार कई बातों को भूल गई। कई बार विधानसभा में सत्र की बात की लेकिन सब जानते है क्या किया। सरकार बखान करती है लेकिन विधानसभा कार्यवाही का लाइव प्रसारण क्यों नहीं करती। डरपोक सरकार ने प्रदेश को बीमार किया है। कुपोषण, बेरोजगारी, किसान को लाभ, शिक्षा क्या अच्छा हुआ सरकार के पास कोई जवाब नहीं है। कुपोषण बच्चों को हुआ पर ये हार सरकार की है। एमपी में एक लाख पर 169 शिशु मृत्यु दर है।

सरकार जनता के पैसों से जश्न मना रही

एमपी में युवाओं को नौकरी नहीं मिल रही है। एमपी में 25 लाख से ज्यादा बेरोजगार है। सरकार जनता के पैसों से जश्न मना रही है। प्रदेश ने शिक्षकों की लगातार कमी है। मेट्रो के नाम पर ट्रायल कर देते है इस पर करोड़ों रुपये खर्च हुए। सरकार ने 27 फीसदी आरक्षण के लिए सुप्रीम कोर्ट ने हलफनामा पेश नहीं किया। आज देश में सबसे ज्यादा महंगी बिजली मिल रही है। आम जनता की जेब खाली हो रही है कंपनियों की भरी जा रही है। पूरे प्रदेश में शराब गली गली बिक रही हैं।उज्जैन में शराब बिक रही है या नहीं इसका जबाव दे। उज्जैन से गुजरात शराब जा रही है। 2 साल की जगह 22 साल का हिसाब देना चाहिए।

69 साल पूरे होने पर मप्र विधानसभा का विशेष सत्र 17 दिसंबर को

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा का एक दिवसीय विशेष सत्र 17 दिसंबर का आयोजित किया जाएगा। विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर तथा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के बीच सहमति के बाद सत्र बुलाने के फैसले पर मुहर लग गई है। यह विशेष सत्र विधानसभा सत्र की पहली बैठक के 69 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में बुलाया जाने वाला है जिसमें मध्यप्रदेश के समग्र विकास पर चर्चा की जाएगी। एक दिवसीय यह विशेष सत्र मध्य प्रदेश की सोलहवीं विधानसभा का आठवां सत्र होगा। सत्र सुबह 11 बजे से होगा। राज्यपाल द्वारा अनुमोदित अधिसूचना विधानसभा सचिवालय द्वारा जारी कर दी गई है। इस एक दिवसीय सत्र में मध्य प्रदेश को विकसित, आत्मनिर्भर और समृद्ध राज्य बनाने पर चर्चा होगी। विधानसभा के गठन के बाद सबसे पहला सत्र 17 दिसंबर 1956 से शुरू हुआ था और इस दिन पहली बैठक हुई थी। इसी को देखते हुए विधानसभा सचिवालय द्वारा 17 दिसंबर को विधानसभा के पहले सत्र को 69 साल पूरा होने पर इस साल भी बैठक बुलाने की तैयारी की जा रही है। गौरतलब है कि इसके पहले 1 दिसम्बर से 5 दिसंबर तक चार दिवसीय विधानसभा का शीतकालीन सत्र बुलाया गया था। विधानसभा का विशेष सत्र इसके पहले भी कई बार बुलाया जा चुका है। कोरोना काल में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के 2020 में मुख्यमंत्री बनने के बाद विशेष सत्र बुलाया गया था। इसके पहले पूर्व विधानसभा अध्यक्ष ईश्वर दास रोहाणी के कार्यकाल में भी विशेष सत्र बुलाया जा चुका है। इसके अलावा कई अन्य मौकों पर भी विशेष सत्र हो चुके हैं। यह सत्र भले ही एक दिन का हो, लेकिन इसे महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि इसमें मध्यप्रदेश को विकसित, आत्मनिर्भर और समृद्ध राज्य बनाने की दिशा में सरकार की योजनाओं और भविष्य की रणनीति पर चर्चा की जाएगी। विभिन्न दलों के विधायकों को प्रदेश के विकास, अर्थव्यवस्था, रोजगार, किसानों, महिलाओं, युवाओं और बुनियादी ढांचे से जुड़े मुद्दों पर अपने सुझाव रखने का अवसर मिलेगा। सूत्रों के मुताबिक इस सत्र में सरकार पिछले दो वर्षों में किए गए कामों और उपलब्धियों को भी विधानसभा के सामने प्रस्तुत कर सकती है। साथ ही आगे किन क्षेत्रों पर विशेष ध्यान देना है, इस पर भी चर्चा होने की संभावना है। एक दिन का यह सत्र छोटे समय का जरूर है, लेकिन प्रदेश के दीर्घकालिक विकास को लेकर महत्वपूर्ण विमर्श का मंच बनने जा रहा है।

केंद्र को भेजेंगे आईएएस संतोष वर्मा की बर्खास्तगी का प्रस्ताव

विवादित बयानों के मामले में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कड़ा रुख

भोपाल। ब्राम्हण समाज की बेटियों को लेकर दिए गए आपत्तिजनक बयान को लेकर आईएएस अधिकारी संतोष वर्मा पर अब बर्खास्तगी की तलवार भी लटक रही है। सीएम के निर्देश के बाद सामान्य प्रशासन विभाग ने वर्मा की बर्खास्तगी के लिए केंद्र को प्रस्ताव भेजने की तैयारी शुरू कर दी है। संतोष वर्मा के विवादित बयानों के मामले में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कड़ा रुख अपनाते हुए उन्हें उप सचिव कृषि विभाग के पद से हटा कर जीएडी पूल में अटैच कर दिया गया है। संतोष वर्मा को चार्जशीट जारी करने की प्रक्रिया शुरू हुई है। आईएएस अधिकारी संतोष वर्मा के के मामले में सीएम डॉ. मोहन यादव ने सामान्य प्रशासन विभाग को वर्मा के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। सीएम के निर्देश के बाद सामान्य प्रशासन विभाग ने वर्मा की बर्खास्तगी के लिए केंद्र को प्रस्ताव भेजने की तैयारी शुरू कर दी है। इसके साथ ही वर्मा को वर्तमान में उप सचिव कृषि विभाग के पद से हटाकर जीएडी पूल में बिना विभाग और बिना कार्य के अटैच करने का निर्णय लिया गया है। विभाग ने वर्मा के राज्य प्रशासनिक सेवा से भारतीय प्रशासनिक सेवा के लिए पदोन्नति के लिए जाली आदेश तैयार करने, विभिन्न न्यायालय में आपराधिक प्रकरण लंबित होने, फर्जी दस्तावेजों और धोखाधड़ी के आधार पर ली गई आईएएस की पदोन्नति को गलत बताया है। इन्हीं बातों के आधार पर केंद्र को जल्द कार्रवाई का प्रस्ताव भेजा जा रहा है। वहीं वर्मा के खिलाफ जाली और फर्जी दस्तावेज के आधार पर संनिष्ठा प्रमाण पत्र प्राप्त करने के आरोप की विभागीय जांच अंतिम स्तर पर है। वहीं, वर्मा द्वारा ब्राह्मणों की बेटियों को लेकर दिए गए विवादित बयान के वर्तमान प्रकरण में दिए गए कारण बताओ नोटिस के प्रस्तुत जबाव को भी विभाग ने संतोषजनक नहीं माना है।

सुदामा नरवरे/12 दिसंबर 2025

3 साल 3 महीने की नर्मदा परिक्रमा में निकले आईएएस ओपी श्रीवास्तव

भोपाल। मध्य प्रदेश के सेवानिवृत्ति प्रशासनिक अधिकारी ओपी श्रीवास्तव पत्नी के साथ 3 साल 3 महीने और 13 दिन की नर्मदा परिक्रमा की यात्रा पर निकले हैं। नर्मदा पुरम के विवेकानंद घाट से 10 दिसंबर को यह परिक्रमा शुरू हो गई है।बेटी की शादी के तुरंत बाद श्रीवास्तव दंपति ने वानप्रस्थ आश्रम का तीसरा चरण शुरू किया है। पति-पत्नी थैला लटका कर लाठी की सहायता से 3300 किलोमीटर की पदयात्रा करने निकल पड़े हैं।

ओपी श्रीवास्तव एक अच्छे प्रशासनिक अधिकारी के रूप में जाने जाते हैं। वह कर्तव्य परायण के साथ-साथ धार्मिक क्रियाकलाप में सर्विस के दौरान भी काफी समय देते थे। उन्होंने गीता और रामायण पर मीशांसा लिखी है। उन्होंने गीता और रामायण सूक्ष्म अध्ययन करते हुए वर्तमान के हिसाब से उसका वर्णन किया है। ईएमएस से चर्चा करते हुए ओपी श्रीवास्तव ने कहा ,समाज से उन्हें बहुत मान सम्मान मिला है। मनुष्य जीवन मे ईश्वर से वह सब कुछ मिला है। जो उन्होंने सोचा भी नहीं था। उन्होंने अपने जीवन में सब कुछ देख लिया है। सारी जिम्मेदारियां से मुक्त होकर अब मां नर्मदा के सानिध्य मैं आत्म शांति के लिए रहने की इच्छा थी। वानप्रस्थ आश्रम मैं रहते हुए परलोक के लिए धर्म ध्यान करते हुए अगला जीवन जीना भी बेहतर बनाना लक्ष्य है।

ओपी श्रीवास्तव होशंगाबाद के एसडीएम भी रहे हैं। गृह सचिव के पद से सेवा निवृत हुए हैं। सर्विस के दौरान हर किसी की समस्या का समाधान करने का प्रयास किया है। नर्मदा परिक्रमा और वानप्रस्थ उनके जीवन का एक अलग अनुभव होगा। इस यात्रा में मेरी धर्मपत्नी भी साथ-साथ चल रही हैं।

अब भी नहीं हुई देर, आपका फार्म जमा नहीं तो बीएलओ से संपर्क करें

भोपाल। विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर अब अतिरिक्त समय ऐसे वोटरों के लिए मौका है जिनके गणना पत्रक अभी तक जमा नहीं हो सके हैं। अनुपस्थित, मृत और शिफ्ट हो चुके मतदाताओं की जांच इस अवधि में हो सकेगी जिससे आंकड़ा और कम हो सकेगा।

शत प्रतिशत काम हो चुका है लेकिन अब जो अनमैप मतदाता हैं उनकी संख्या घट सकती है। जिन मतदाताओं के फार्म घर पर पहुंच गए हैं और जमा नहीं हुए है वे बीएलओ से तत्काल संपर्क कर अपने फार्म जमा कर सकते हैं। अगले दो दिनों में मतदाता सूची का वाचन दोबारा होगा। अभी वर्तमान में बीएलओ और बीएलए बैठक कर अभी तक ढूंढे न जा सके मतदाताओं के काम में लगे हुए हैं।

बीएलओ को और समय मिलेगा

बता दें कि भारत निर्वाचन आयोग की ओर से एसआईआर के कार्य के लिए सात दिन का समय और बढ़ा दिया गया है। इस मोहलत के मिलने के बाद अब बीएलओ को और समय मिलेगा जिससे वे अपने अपने क्षेत्रों में ऐसे अनमैप मतदाताओं को मैप करने का काम कर सकेंगे। अब जिले मे अनमैप मतदाताओं का आंकड़ा कम करने की चुनौती है, अभी यह दो लाख से ज्यादा है। इन सात दिनों में बीएलओ इस आंकड़े को कम कर सकते हैं। यह वह लोग हैं जो अभी मतदाता सूची में सर्च नहीं हुए इसी कारण अब इन्हें सर्च करने के लिए समय मिल गया है।

एक हफ्ते तक बिना टिकट कर सकेंगे यात्रा

भोपाल। भोपाल में मेट्रो का कमर्शियल रन 21 दिसंबर को होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इवेंट में वर्चुअली जुड़ेंगे। केंद्रीय शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल खट्टर मेट्रो का उद्घाटन करेंगे। वे फूलों से सजी 3 कोच की मेट्रो से भोपाल को देखेंगे। पहले सप्ताह में लोग निःशुल्क यात्रा कर पाएंगे। कमर्शियल रन की तारीख में बदलाव भी हो सकता है। 21 की जगह 20 दिसंबर को ही मेट्रो की शुरुआत हो सकती है। हालांकि, सीएम डॉ. मोहन यादव खजुराहो के कन्वेंशन सेंटर में 21 दिसंबर को मेट्रो की शुरुआत करने की बात कह चुके हैं। इससे पहले कमर्शियल रन के कार्यक्रम को लेकर बीजेपी संगठन, सरकार और अफसरों के बीच मंथन का दौर जारी है। बता दें कि कमिश्नर मेट्रो रेल सेफ्टी की टीम ने भोपाल मेट्रो के प्रायोरिटी कॉरिडोर के लिए ग्रीन सिग्नल दे दिया है। सीएमआरएस टीम 12 नवंबर को भोपाल पहुंची थी। 13, 14 और 15 नवंबर को टीम ने डिपो से लेकर ट्रैक और ट्रेन तक निरीक्षण किया था। कमिश्नर नीलाभ्र सेनगुप्ता के साथ टीम ने मेट्रो के नट-बोल्ट भी देखे थे। मेट्रो के कमर्शियल रन और पीएम मोदी के आने की खबरों के चलते सभी मेट्रो स्टेशनों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। मेट्रो ने स्टेशनों पर प्राइवेट सिक्योरिटी गार्ड तैनात किए हैं। भोपाल मेट्रो से जुड़े अफसरों का कहना है कि ऑरेंज लाइन के कमर्शियल रन के लिए वे सभी काम पूरे हो चुके हैं, जो जरूरी है। स्टेशनों का कुछ काम जरूर बचा है, लेकिन उससे कमर्शियल रन पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

नर्मदा पर बनेगा नया पुल, मप्र-महाराष्ट्र जुड़ेंगे

पुल बनने से तीन राज्यों की कनेक्टिविटी होगी मजबूत

भोपाल। नर्मदा नदी पर नए सेतु का प्रस्ताव है। यह पुल आलीराजपुर और महाराष्ट्र के नंदुरबार जिले के बीच जलसंधि के पास बनने वाला यह सेतु दोनों राज्यों को जोड़ेगा, जिससे क्षेत्र में आवाजाही सुगम होगा। वर्तमान में, आलीराजपुर से नंदुरबार तक पहुंचने में लगभग 250 किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ती है। प्रस्तावित नर्मदा सेतु बनने से यह दूरी घटकर लगभग 125 किलोमीटर रह जाएगी, जिससे यात्रियों के समय और धन दोनों की बचत होगी।

नर्मदा नदी के दोनों किनारों पर कई गांव बसे हैं, जिनमें आलीराजपुर जिले के मथवाड़, खोड़ आम्बा, वाकानेर, आकडिया, उमरला और जलसंधि शामिल हैं।

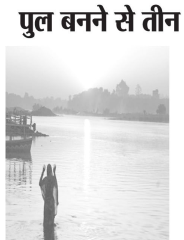

नदी के उस पार महाराष्ट्र में डमखेडी से लेकर धडगांव तक का पूरा क्षेत्र इन गांवों से आर्थिक और सामाजिक रूप से जुड़ा हुआ है। दोनों किनारों के लोगों के बीच पीढियों से पारिवारिक संबंध हैं।

तेज बहाव में नदी पार बंद

हालांकि, नदी पार करने के लिए सरल साधन न होने के कारण इन संबंधों में बाधा आती है। लोगों को आवाजाही के लिए पारंपरिक नावों पर निर्भर रहना पड़ता है। बरसात के दिनों में नदी का प्रवाह तेज होने पर आवाजाही लगभग ठप हो जाता है, जिससे बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंच, व्यापार और रोजमर्रा की जरूरतों में गंभीर समस्याएं आती हैं। हाल ही में, विधायक प्रतिनिधि दिलीप चौहान के नेतृत्व में आलीराजपुर जिले के सरपंचों और जनप्रतिनिधियों के एक दल ने जलसंधि से महाराष्ट्र के धडगांव तक का विस्तृत दौरा किया।

सेतु निर्माण से तीन राज्यों का व्यापारिक संपर्क मजबूत

विशेषज्ञों के अनुसार, नर्मदा नदी पर इस सेतु के निर्माण से परिवहन और लॉजिस्टिक लागत में भारी कमी आएगी। यह तीन राज्यों (मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र और गुजरात) के बीच व्यापारिक संपर्क को मजबूत करेगा और पर्यटन को गति देगा, विशेषकर हापेश्वर, कबीरवड और नर्मदा किनारे के प्राकृतिक स्थलों पर। इसके साथ ही, स्थानीय रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और आलीराजपुर-इंदौर-मुंबई मार्ग की दूरी कम होगी, जिससे पूरे पश्चिम भारत में कनेक्टिविटी में सुधार होगा।

न्यूजीलैंड की विंडीज पर जीत से भारत को हुआ नुकसान

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड की वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट मैच में नौ विकेट से जीत से भारत को विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) की अंक तालिका में नुकसान हुआ है। भारतीय टीम पांचवें से छठे स्थान पर खिसक गई है और शीर्ष दो की दौड़ में पिछड़ती जा रही है। भारतीय टीम ने डब्ल्यूटीसी के शुरुआती दो चक्र में उपविजेता रही, लेकिन पिछले सत्र में फाइनल के लिए क्वालिफाई नहीं कर सकी। टीम का डब्ल्यूटीसी 2025-27 चक्र में भी प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा है जिस कारण अंक तालिका में वह शीर्ष पांच से भी बाहर हो गई है।

न्यूजीलैंड संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर

न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज को दूसरे टेस्ट मैच में नौ विकेट से हराया। इस शानदार जीत से तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त के साथ न्यूजीलैंड की टीम तालिका में संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर आ गई। बेसिन रिवर्स में खेले गए दूसरे टेस्ट में शुक्रवार को न्यूजीलैंड की बड़ी जीत के बाद डब्ल्यूटीसी की तालिका में उलटफेर देखने को मिला। न्यूजीलैंड और वेस्टइंडीज के बीच सीरीज का तीसरा टेस्ट 18 दिसंबर से खेला जाएगा।

डब्ल्यूटीसी 2025-27 की अंक तालिका

स्थान	टीम	मैच	जीते	हारे	ड्रॉ	अंक कटे	अंक	पीसीटी
1	ऑस्ट्रेलिया	5	5	0	0	0	60	100.00%
2	दक्षिण अफ्रीका	4	3	1	0	0	36	75.00%
3	न्यूजीलैंड	2	1	0	1	0	16	66.67%
4	श्रीलंका	2	1	0	1	0	16	66.67%
5	पाकिस्तान	2	1	1	0	0	12	50.00%
6	भारत	9	4	4	1	0	52	48.15%
7	इंग्लैंड	7	2	4	1	2	26	30.95%
8	बांग्लादेश	2	0	1	1	0	4	16.67%
9	वेस्टइंडीज	7	0	6	1	0	4	4.76%

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हार से भारत को हुआ था नुकसान

भारत को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू जमीन पर दो मैचों की टेस्ट सीरीज 0-2 से गंवानी पड़ी थी जिस कारण वह डब्ल्यूटीसी की अंक तालिका में पाकिस्तान से भी नीचे पहुंच गया था। भारत पांचवें स्थान पर खिसक गया था, लेकिन अब न्यूजीलैंड की जीत से भी टीम को नुकसान उठाना पड़ा और वह छठे स्थान पर पहुंच गया है। पूर्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया 100 प्रतिशत अंकों के साथ शीर्ष पर बना हुआ है, जबकि दक्षिण अफ्रीका 75 प्रतिशत अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है।

अन्य टीमों का हाल

श्रीलंका (66.67) संयुक्त तीसरे, जबकि पाकिस्तान (50) पांचवें स्थान पर हैं। न्यूजीलैंड ने अब तक 66.67 प्रतिशत अंक अर्जित किए हैं, जबकि भारत का जीत-हार प्रतिशत 48.15 है। इंग्लैंड अगर एशेज में वापसी करने में सफल रहा तो भारतीय टीम और नीचे खिसककर सातवें स्थान पर आ सकती है। ऑस्ट्रेलिया एशेज सीरीज में 2-0 से आगे है और सीरीज में तीन और मैच खेले जाने हैं। भारतीय टीम को अपनी अगली टेस्ट सीरीज अगस्त 2026 में श्रीलंका के खिलाफ खेलनी है। वेस्टइंडीज के खिलाफ इस जीत से न्यूजीलैंड को 12 अंक मिले, जबकि सीरीज का शुरुआती मुकाबला ड्रॉ पर छूटा था। न्यूजीलैंड 16 अंक और 66.67 प्रतिशत अंक के साथ श्रीलंका के साथ संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर है।

भारत के खिलाफ शुरुआती टी20 मैचों में शायद ही खेल पायें न्यूजीलैंड के फिन

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड को अपने भारत दौरे के शुरुआती टी20 मैचों में बल्लेबाज फिन एलन की सेवाएं शायद ही मिल पायें। इसका कारण है कि एलन बिग बैश लीग (बीबीएल) में व्यस्त हैं। अगर पर्थ स्कॉर्चर्स का मुकाबला 17 जनवरी को मेलबर्न स्टार्स के खिलाफ होता है तो फिन एलन चौथे टी20ङ्घ में खेल सकते हैं। वहीं अगर पर्थ स्कॉर्चर्स फाइनल के लिए क्वालिफाई नहीं करती है तो वह सभी मैचों में खेल पायेंगे।

भारत के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज अगले साल की शुरुआत में 21 जनवरी को नागपुर में शुरू होगी। इस सीरीज से दोनो ही टीमों को अगले साल होने वाले टी20 विश्वकप के लिए अभ्यास का भी अवसर मिलेगा। टी20 सीरीज से पहले तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज भी होगी।

एलन ने बताया, बिग बैश खत्म होने के बाद वह सीधे भारत पहुंचेंगे। इस बल्लेबाज ने कहा, न्यूजीलैंड के लिए खेलना मेरे लिए सबसे बड़ी बात है। मुझे अपने देश का प्रतिनिधित्व करने के कारण ही खेलना अच्छा लगता है हालांकि क्रिकेट तेजी से बदल रहा है। एलन ने आगे कहा, पिछले कुछ समय से न्यूजीलैंड क्रिकेट के साथ काम करना बहुत अच्छा रहा है। बिग बैश के बाद ब्लैक कैप्स के लिए कुछ चीजों में वापस आने का भरोसा है और उम्मीद है कि मैं इसे जारी रख पाऊंगा।

एलन ने अंतिम बार बार मार्च में इंटरनेशनल क्रिकेट मैच खेला था। इस स्टार बल्लेबाज ने वेलिंगटन में पाकिस्तान पर न्यूजीलैंड की 8 विकेट की जीत में 12 गेंदों पर 27 रन बनाए थे।

भारत-दक्षिण अफ्रीका दूसरे टी20 में बुमराह और तिलक ने बनाये रिकार्ड

मुल्लांपुर। भारतीय क्रिकेट टीम को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टी20 में हार का सामना करना पड़ा है। इसी के साथ ही ये सीरीज 1-1 से बराबरी पर गयी। इस मैदान में ये पहला अंतरराष्ट्रीय मैच था। जिसमें भारतीय टीम को 51 रनों से हार का सामना करना पड़ा है। इस मैच में कई रिकार्ड भी बने है। भारतीय टीम को अपनी धरती पर सबसे बड़ी हार झेलनी पड़ी। वहीं टी20 में मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के एक ही ओवर में पहली बार 4 छक्के लगे। वहीं अर्शदीप ने के एक ओवर में 7 वाइड गेंदें फेंकीं। सकारात्मक बात ये रही कि बल्लेबाज तिलक वर्मा ने इस मैच में पांच छक्के लगाये। अब वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी-20 में कुल मिलाकर सबसे अधिक 27 छक्के लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बन गये हैं।

इसमें दक्षिण अफ्रीका ने भारत को 51 रनों से हरा दिया। भारत की पूरी टीम 162 रनों पर सिमट गई।भारत की ओर से तिलक वर्मा ने 34 गेंद में सर्वाधिक 62 रन बनाए। इसमें 2 चौके और 5 छक्के शामिल हैं। इसके अलावा जितेश शर्मा ने 27, हार्दिक पांड्या ने 20, अक्षर पटेल ने 21 और अभिषेक शर्मा ने 17 रन बनाए। पारी में शुभमन गिल समेत 3 बल्लेबाज 0 पर आउट हुए। अभिषे और शुभमन के घरेलू मैदान पर असफल होने से उनके प्रशंसक निराश हुए। मैच शुरू होने से पहले पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने युवराज और विश्वकप विजेता महिला टीम की कप्तानी हरमनप्रीत कौर के नाम पर स्टेडियम में दो स्टैंड्स का उद्घाटन किया।

रवींद्र जडेजा की पत्नी बोली, विदेशी दौरे पर कई क्रिकेटर करते हैं नशा

अहमदाबाद। भारतीय क्रिकेट टीम के भारतीय ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा की पत्नी और गुजरात सरकार में मंत्री रिवाबा जडेजा के एक बयान से नई बहस छिड़ गयी है। रिवाबा ने बयान में अपने पति की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह कभी भी नशा नहीं करते। वहीं अन्य क्रिकेटर विदेशी दौरों मे नशे आदि में लिप्त रहते हैं। उन्होंने कहा भारतीय टीम के कई खिलाड़ी विदेशी दौरों में नशे से बच नहीं पाते हैं पर जडेजा ऐसा कुछ नहीं करते। उनका ध्यान अपने परिवार पर ही रहता है। रिवाबा के इस बयान की कई लोगों ने आलोचना भी की है। उनका कहना है कि बिना किसी साक्ष्य के इस प्रकार के आरोप लगाने ठीक नहीं हैं। उनका ये सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। रिवाबा ने कहा कि जडेजा इंग्लैंड, दुबई और ऑस्ट्रेलिया सहित कई देशों में खेलने के लिए जाते हैं पर उन्होंने कभी किसी नशे को हाथ तक नहीं लगाया। वह हमेशा अनुशासित रहते हैं। जडेज अभी टेस्ट और एकदिवीसय प्रारुप और आईपीएल में खेलते हैं। आईपीएल 2026 में वह राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेलते नजर आएंगे। 12 साल चेन्नई सुपर किंग्स के साथ बिताने के बाद उन्हें राजस्थान ने ट्रेड के जरिये शामिल किया है।

लॉस एंजिल्स ओलंपिक में स्वर्ण जीतना है पहलवान रवि दहिया का लक्ष्य

नई दिल्ली। ओलंपिक पदक विजेता पहलवान रवि कुमार दहिया ने कहा है कि उनका लक्ष्य लॉस एंजिल्स ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतता है और इसके लिए वह तैयारी भी कर रहे हैं। टोक्यों ओलंपिक के 57 किग्रा फ्रीस्टाइल वर्ग में रजत पदक विजेता रवि इसके बाद साल 2024 में पेरिस ओलंपिक में वह जगह नहीं बना पाये और इसी कारण अब वह अपना भार वर्ग बदलकर लॉस एंजिल्स ओलंपिक की तैयारी कर रहे हैं। रवि 57 किग्रा की जगह अब 65 किग्रा भार वर्ग में हिस्सा ले सकते हैं। उनसे देश को अगले ओलंपिक में स्वर्ण पदक की उम्मीद है। इस खिलाड़ी का कहना है कि वह रजत तक ही सीमित नहीं रह सकते हैं। उनका लक्ष्य स्वर्ण जीतना है। रवि को पहचान 2018 में अंडर-23 विश्व चैंपियनशिप में मिली। तब 57 किलोग्राम भार वर्ग में उन्होंने रजत पदक जीता था। वहीं साल 2019 में विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतकर उन्होंने टोक्यो ओलंपिक में अपनी जगह पक्की की थी। रवि एशियाई चैंपियनशिप में भी विजेता हैं। 2018, 2020, और 2021 में उन्होंने इसमे स्वर्ण पदक जीते थे।टोक्यो ओलंपिक के बाद उन्होंने साल 2022 में राष्ट्रमण्डल खेलों में भी दहिया ने स्वर्ण पदक जीता था।उनके पिता राकेश दहिया तो किसान हैं, लेकिन उनके चाचा मुकेश दहिया कुश्ती से जुड़े रहे हैं। इस वजह से रवि को कुश्ती विरासत में मिली है, जिसे उन्होंने अपने प्रयासों से सफल बनाया है। रवि ने केवल 10 साल की उम्र में दिल्ली के छत्रसाल स्टेडियम में कुश्ती प्रशिक्षण के लिए दाखिला लिया। घर से दूर प्रशिक्षण के लिए पहुंचे रवि के लिए उनके पिता रोजाना 39 किलोमीटर की दूरी तय कर दिल्ली स्टेडियम में उनके लिए घर से ताजा दूध व फल लेकर वहां पहुंचते थे। यह प्रक्रिया रवि के एक बड़े पहलवान बनने तक जारी रही। ऐसे में रवि के पिता की साधना उन्हें पहलवान बनाने की दिशा में एक बड़ी प्रेरणा है। सतपाल सिंह की देखरेख में में रवि की कोचिंग शुरू हुई थी।

अकरम ने आईपीएल का मजाक उड़ाया, पीएसएल की प्रशंसा की

लंदन । पाकिस्तान के पूर्व ऑलराउंडर वसीम अकरम ने यहां एक कार्यक्रम के दौरान इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का मजाक उड़ाया है। अकरम ने कहा कि आईपीलए में जितना समय लगता है उतने में बच्चे बड़े हो जाते है पर लीग खत्म नहीं होती। अकरम ने कहा कि इससे अच्छी तो पाक क्रिकेट लीग (पीएसएल) है जो कुछ ही दिन चलती है। वहीं पीएसएल की प्रशंसा करते हुए अकरम ने कहा, 卐इस लीग की सबसे अच्छी बात यह है कि यह सिर्फ 34 से 35 दिन चलती है, अगले साल शायद थोड़ा और बढ़ जाए।卐 अकरम ने मजाकिया अंदाज में कहा, 卐विदेशी खिलाड़ी जब पाकिस्तान आते हैं, तो 35-40 दिन रहना पसंद करते हैं क्योंकि ढाई से तीन महीने का समय ज्यादा ही लंबा हो जाता है। उन्होंने कहा, बिग बैश लीग भी पहले ढाई महीने चलती थी पर बाद में उन्हें लगा कि ये सही नहीं है।

रविवार को होगा भारत-पाकिस्तान मुकाबला

वैभव पर रहेंगी नजरें, हाथ नहीं मिलने को लेकर जारी गतिरोध टूटेगा !

दुबई। अंडर 19 एशिया कप क्रिकेट में रविवार को होने वाली भारत और पाकिस्तान मैच को लेकर प्रशंसकों में उत्साह चरम पर है। इस मैच में सभी की नजरें वैभव सूर्यवंशी पर रहेंगी। वैभव ने जिस प्रकार यूएई के खिलाफ मुकाबले में आक्रामक बल्लेबाजी की है। उससे तय है कि वह पाक के खिलाफ भी उसी अंदाज में उतरेंगे। विश्वकप में ये देखना होगा कि भारतीय टीम के खिलाड़ी पाक खिलाड़ियों से हाथ मिलाते हैं या नहीं।

माना जा रहा है कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) टीम का इस मैच में हाथ मिलाने से नहीं रोकेगी। इसका कारण है कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने कहा है कि अंडर-19 स्तर पर खेलभावना को मजबूत करने पर उसका ध्यान रहेगा।

वहीं आईसीसी ने कहा है कि अगर भारतीय खिलाड़ी हाथ नहीं मिलाते, तो इसकी जानकारी पहले से मैच रेफरी को देनी होगी। आईसीसी का प्रयास है कि जूनियर क्रिकेट में सही संदेश जाए और किसी प्रकार का विवाद खड़ा ना हो। इस टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान की टीमें, ग्रुप एक से सेमीफाइनल में पहुंच सकती हैं क्योंकि अन्य टीमें मलेशिया और काफी कमजोर हैं। भारतीय टीम के लिए राहत की बात ये है कि वैभव सूर्यवंशी अच्छी फॉर्म में हैं। वहीं कप्तान आयुष म्हात्रे ने हाल में घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन किया था। म्हात्रे ने दो शतक और एक अर्धशतक लगाया था। वहीं वैभव ने सबसे कम उम्र में शतक लगाया था। इस प्रकार के इनके प्रदर्शन को देखते हुए माना जा रहा है कि भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदार है।

अंडर-19 एशिया कप की टीमें

ग्रुप ए- भारत, पाकिस्तान, मलेशिया, यूएई

ग्रुप बी- बांग्लादेश, श्रीलंका, अफगानिस्तान, नेपाल

भारतीय टीम- आयुष म्हात्रे (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी, विहान मल्होत्रा (उप-कप्तान), वेदांत त्रिवेदी, अभिज्ञान कुंडू (विकेटकीपर), हरवंश सिंह (विकेटकीपर), युवराज गोहिल, कनिष्क चौहान, खिलान ए. पटेल, नमन पुष्पक, डी. दीपेश, हेनिल पटेल, किशन कुमार सिंह (फिटनेस के अधीन), उधव मोहन और एरॉन जॉर्ज.

स्टैंडबाय खिलाड़ी- राहुल कुमार, जे हेमचूडेशन, बीके किशोर और आदित्य रावत।

डिविलियर्स को एकदिवसीय में बल्लेबाजी क्रम में बदलाव रहा है पसंद

गंभीर से कुछ मामलों में सहमत

जोहांसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका की क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान एबी डिविलियर्स ने कहा कि उन्हें एकदिवसीय में बल्लेबाजी क्रम में बदलाव पसंद रहा है। डिविलियर्स ने हालांकि माना कि ये बेहद संवेदनशील मामला है। इसका कारण ये है कि खिलाड़ियों की भूमिकाओं के साथ ज्यादा प्रयोग नहीं किये जा सकते। डिविलियर्स के अनुसार वह कुछ हद तक भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर के इस विचार से सहमत हैं कि एकदिवसीय में बल्लेबाजी क्रम को कुछ ज्यादा ही महत्व दिया जा रहा है। पूर्व दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज ने टीम में लचीलेपन और खिलाड़ियों की मुख्य भूमिका के बीच संतुलन बनाने पर भी बल दिया। भारत की दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में 2-1 से जीत के बाद गंभीर ने कहा था कि उन्हें लगता है कि एकदिवसीय प्रारूप में बल्लेबाजी क्रम को जरूरत से ज्यादा महत्व दिया जाता है।

डिविलियर्स ने कहा, 'इसमें शीर्ष तीन, चार से छह नंबर के बल्लेबाज शामिल होते हैं। इसके बाद निचले क्रम के बल्लेबाजों की बारी आती है। वहीं दाएं और बाएं हाथ के संयोजन बनाने के लिए खेल के हालातों के अनुसार बदलाव करने होते हैं। इस क्रिकेट ने टी20 सीरीज की शानदार शुरुआत के लिए भी भारतीय टीम की प्रशंसा की है। साथ ही कहा कि टी20 में भारत का प्रदर्शन पिछले काफी समय से प्रभावशाली रहा है। भारत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच जीता जो उसकी 31 मैचों में 27वीं जीत है।

राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप के कार्यक्रम में हुआ बदलाव

नई दिल्ली। ग्रेटर नोएडा इस माह के अंत में शुरु होने वाले एलीट पुरुष और महिला राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप के कार्यक्रम में बदलाव किया गया है। सरकार द्वारा लागू प्रदूषण नियंत्रण उपायों को देखते हुए अब ये चैम्पियनशिप 31 दिसंबर की जगह पर 4 जनवरी से शुरु होगी। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ ने कहा, "सरकार द्वारा अनिवार्य प्रदूषण नियंत्रण उपायों के 31 दिसंबर 2025 तक प्रभावी होने के कारण अब ये चैंपियनशिप पर चार से 10 जनवरी 2026 तक खेली जाएगी।" इससे पहले दिल्ली सरकार ने निर्देश जारी किए कि एनसीआर राज्य सरकारें और दिल्ली प्रशासन क्षेत्र में उच्च स्तर के वायु प्रदूषण को देखते हुए ऐसे आयोजनों को टालने के लिए तत्काल कदम उठाएं। राष्ट्रीय महासंघों और केंद्रीय खेल मंत्रालय द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों, कॉलेजों और खेल संघों से भी इस आदेश का पालन करने को कहा गया था। माना जा रहा है कि उसी को देखते हुए मुक्केबाजी चैम्पियनशिप आगे बढ़ायी गयी है।

अंडर-19 क्रिकेट विश्व कप के लिए क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने घोषित की टीम

मेलबर्न । क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने अगले साल की शुरुआत में होने वाले पुरुषों के अंडर-19 क्रिकेट विश्व कप के लिए अपनी टीम घोषित कर दी है। विश्वकप नामीबिया और जिम्बाब्वे में 15 जनवरी से 6 फरवरी तक खेल जाएगा। इस टीम में भारतीय मूल के दो खिलाड़ियों आर्यन शर्मा और जॉन जेम्स को भी जगह मिली है। आर्यन बल्लेबाज होने के साथ ही धीमी गति के बाएं हाथ के स्पिनर हैं। वहीं जेम्स ऑलराउंडर हैं । भारतीय मूल के क्रिकेटरों के अलावा ऑस्ट्रेलिया की टीम में श्रीलंकाई मूल के दो खिलाड़ी नादेन कूरे और नितेश सैमुअल के अलावा चीनी मूल का एक खिलाड़ी एलेक्स ली यंग भी शामिल हैं। इस टीम की कप्तानी ओलिवर पीक करेंगे। जूनियर टीम के मुख्य कोच टिम नीलसन ने कहा, 'आईसीसी अंडर19 विश्व कप के लिए एक मजबूत और संतुलित टीम की घोषणा हुई है। हमने ऐसे खिलाड़ियों को अवसर दिया है। जो बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं और जिनसे हमें टूर्नामेंट में सफलता हासिल करने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, 'जिन खिलाड़ियों का चयन किया गया है उन्होंने सितंबर में भारत के खिलाफ अंडर19 सीरीज के अलावा हाल ही में पर्थ में खोली गई राष्ट्रीय अंडर19 चैंपियनशिप में अच्छा प्रदर्शन किया था। ऑस्ट्रेलिया को इस टूर्नामेंट के लिए ग्रुप ए में आयरलैंड, जापान और श्रीलंका के साथ रखा गया है। टीम जनवरी की शुरुआत में नामीबिया पहुंचेगी और नौ से 14 जनवरी तक अभ्यास मैच खेलेगी।

ऑस्ट्रेलिया की अंडर-19 पुरुष टीम ः

ओलिवर पीक, कैसी बार्टन, नादेन कूरे, जेडन ड्रेपर, बेन गॉर्डन, स्टीवन होगन, थॉमस होगन, जॉन जेम्स, चार्ल्स लाचमंड, विल मलाजचुक, नितेश सैमुअल, हेडन शिलर, आर्यन शर्मा, विलियम टेलर, एलेक्स ली यंग।

सूर्यकुमार ने हार की जिम्मेदारी ली, अक्षर को पहले भेजे जाने के फैसला का भी बचाव किया

मुल्लांपुर। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टी20 क्रिकेट मुकाबले में हार पर निराशा जताते हुए इसकी जिम्मेदारी ली है। सूर्यकुमार ने कहा कि उन्हें इस मैच में जिम्मेदारी लेनी थी पर वह उसमें सफल नहीं हो पाये। इस मैच में भारतीय टीम 214 रनों के लक्ष्य को हासिल नहीं कर पायी थी। इस मैच में ऑलराउंडर अक्षर पटेल को तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए भेजने के फैसले का भी सूर्या ने बचाव करते हुए कहा कि पिछले कुछ समय में उसने शुरआत में उतारने पर बल्लेबाजी में अच्छा प्रदर्शन किया है जिसको देखते हुए उसे इस बार अवसर दिया गया। अक्षर को पहले भेजने के कारण मुख्य कोच गौतम गंभीर के फैसलों पर भी सवाल उठे थे।

सूर्यकुमार ने कहा कि अक्षर ने एकदिवसीय और टेस्ट क्रिकेट में अच्छी बल्लेबाजी की है हालांकि वह इस मैच में उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये। कप्तान ने हार की जिम्मेदारी लेते हुए आगामी मैचों में अच्छी बल्लेबाजी की बात कही।

सूर्यकुमार ने कहा, हमने पहले गेंदबाजी करके भी गलती की जबकि हमें बल्लेबाजी करनी चाहिये थी पर कहा कि टीम को इससे सीखने का अवसर मिला।

उन्होंने कहा कि हमें दूसरी योजना भी लेकर चलनी चाहिये थी पर हमने ऐसा नहीं किया। हमने दूसरी पारी में विरोधी टीम की गेंदबाजी देखकर सबक लिया है। अब हम अगले मैच में उसी के अनुसार गेंदबाजी करना चाहेंगे।

सूर्यकुमार ने कहा, हम हर मैच में अभिषेक शर्मा पर आधारित नहीं रह सकते। मुझे और शुभमन गिल को अच्छी बल्लेबाजी करनी चाहिये थी पर हम ऐसा नहीं कर पाये। शुभमन पहली ही गेंद पर आउट हो गए थे। इसके बाद मुझे लंबी पारी खेलते हुए मैच आगे ले जाना चाहिये था पर मैं ऐसा नहीं कर पाया।

विनेश ने संन्यास का फैसला वापस लिया, लॉस एंजिल्स ओलंपिक खेलना है लक्ष्य

चंडीगढ़। ओलंपियन महिला पहलवान विनेश फोगाट ने अचानक ही संन्यास से वापसी की घोषणा कर सबको हैंरान कर दिया है। विनेश ने पेरिस ओलंपिक फाइनल के ठीक पहले अधिक वजन होने के कारण अयोग्य घोषित किये जाने के बाद हताशा में खेल से संन्यास की घोषणा कर दी थी। अब विनेश ने अपने संन्यास के फैसले को वापस लेने की घोषणा करते हुए कहा कि वह 2028 लॉस एंजिस ओलंपिक में उतरना चाहती है। इसी साल अगस्त में विनेश ने कुश्ती से संन्यास लेकर राजनीति में प्रवेश किया था। वहीं अब वह एक बार फिर से मैदान में उतरने के लिए तैयार हैं। संन्यास से वापसी की जानकारी विनेश ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिये दी है। विनेश ने अपनी एक भावुक पोस्ट में लिखा, 'लोग आम तौर पर मुझसे पूछते रहते हैं कि क्या पेरिस मेरा आखिरी सफर था? मेरे पास लंबे समय से इस सवाल का जवाब नहीं था। इस दौरान कई साल के बाद मैंने चैन की सांस ली। अपने कार्यभार को समझने के लिए मैंने थोड़ा समय लिया। जीवन का उतार-चढ़ाव, देखा। मुझे अब भी खेल पसंद है। अब भी मैं प्रतिस्पर्धा करना चाहती हूं।'

विनेश ने पोस्ट में आगे लिखा, 'शांत माहौल में मुझे कुछ ऐसा मिला जिसे मैं भूल गई थी 'आग कभी नहीं बुझती है।' ये केवल थकावट और शोर के नीचे दबी हुई थी। अनुशासन, दिनचर्या, लड़ाई ये मेरे सिस्टम में है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि मैं कितनी दूर चली गई, मेरा एक हिस्सा मैट पर ही रहा है। तो मैं यहां हूं, एक ऐसे दिल के साथ जो निडर है और एक ऐसी भावना के साथ जो झुकने से इंकार करता है, अब ओलंपिक की ओर वापस कदम रख रही हूं। और इस बार, मैं अकेली नहीं हूं। मेरा बेटा मेरी टीम में शामिल हो रहा है, मेरी सबसे बड़ी प्रेरणा, 2028 ओलंपिक की इस राह पर मेरा छोटा चीयरलीडर होगा।'

तीन बार की ओलंपियन रही विनेश ने एशियाई और राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीते हैं। 2024 पेरिस ओलंपिक में फाइनल से ठीक एक रात पहले विनेश को अधिक वजन के कारण अयोग्य घोषित कर दिया गया था। तब विनेश ने इसे अपने खिलाफ बड़ी साजिश बताया था। इसके बाद प्रशंसकों और करीब लोगों के समझाने के बाद भी विनेश नहीं मानी और संन्यास की घोषणा कर दी थी। इसके बाद विनेश ने हरियाणा विधानसभा चुनाव लड़ा था और जुलाना सीट से 6,000 वोटों के अंतर से जीत हासिल की थी।

पीएम जनमन योजना से बदला बैगा समुदाय की सुकवारा बाई का जीवन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के किरनापुर विकासखंड के ग्राम कुण्डे की विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा समुदाय की महिला सुकवारा बाई पति परसराम का जीवन अब नई दिशा पकड़ चुका है। प्रधानमंत्री जनमन योजना ने उनके सपनों को साकार करते हुए न केवल उन्हें एक पक्का मकान दिया, बल्कि उनके आत्मसम्मान, सुरक्षा और भविष्य की उम्मीदों को भी मजबूत किया है। पहले सुकवारा बाई मिट्टी और फूस से बने कच्चे घर में रहती थीं। बरसात के दिनों में टपकती छत और कमजोर दीवारें उनके परिवार के लिए चिंता और परेशानी का कारण बनी रहती थीं। मगर आज स्थिति बिल्कुल बदल चुकी है। योजना के अंतर्गत मिले सीमेंट-कांक्रीट के पक्के मकान ने उनके जीवन में स्थिरता और सुरक्षा की नई रोशनी भर दी है। गांव में उनका सम्मान बढ़ा है और वे आत्मविश्वास से भर चुकी हैं।

सम्मान और आत्मविश्वास का नया अध्याय

नए पक्के घर ने सुकवारा बाई के जीवन में खुशी का ऐसा रंग भरा, जिसकी उन्होंने कल्पना भी नहीं की थी। अब बारिश का डर नहीं, न ही मेहमान आने पर शर्मिंदगी। उनके अनुसार यह छोटा सा पक्का घर मेरे आत्मसम्मान की पहचान बन

गया है। वनोपज संग्रहण और मजदूरी से परिवार चलाने वाली सुकवारा बाई कभी नहीं सोच पाती थीं कि उनका अपना मजबूत घर होगा। लेकिन पीएम जनमन योजना ने उनका वर्षों पुराना सपना पूरा कर दिया।

सरकारी योजनाओं से मजबूत हुआ जीवन

मात्र साक्षर होने के बावजूद सुकवारा बाई शिक्षा का महत्व अच्छी तरह जानती हैं। वे अपने बच्चों को बेहतर पढ़ाई के लिए प्रेरित करती हैं, ताकि वे उनसे बेहतर जीवन जी सकें। सरकार की विभिन्न योजनाओं ने उनके परिवार को आर्थिक रूप से सशक्त किया है। सुकवारा के परिवार को मनरेगा के तहत गांव में नियमित काम मिल रहा है, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धा पेंशन योजना से मासिक पेंशन मिल रही है,पोषण आहार अनुदान योजना के तहत 1000 रुपये मासिक सहायता मिल रही है और प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के अंतर्गत हर माह 35 किलो मुफ्त राशन मिल रहा है। सुकवारा बाई को आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत 5 लाख रुपये तक के मुफ्त उपचार की सुविधा भी मिली है। इन सभी योजनाओं ने मिलकर उसके जीवन की कठिनाइयों को कम किया है और भविष्य को सुरक्षित बनाया है।

जिला पंचायत स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास समिति ने वन स्टॉप सेंटर का किया निरीक्षण

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला पंचायत बालाघाट की स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास समिति की सभापति श्रीमती केशर बिसेन तथा समिति सदस्य डॉ. गीता हनवत, श्रीमती सुनीता बहेटवार और श्रीमती सविता मरकाम ने 12 दिसंबर को वन स्टॉप सेंटर बालाघाट का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान समिति ने सेंटर की दैनिक कार्यप्रणाली, दर्ज माहवार प्रकरणों, उपलब्ध सेवाओं और विभिन्न नवाचारों का विस्तृत अवलोकन किया। समिति ने हिंसा से पीड़ित महिलाओं को प्रदान की जाने वाली परामर्श सेवाएँ, विधिक सहायता, त्वरित संरक्षण, आश्रय एवं पुनर्वास सुविधाओं की जानकारी लेते हुए इनके प्रभावी संचालन की समीक्षा की। साथ ही महिला हेल्पलाइन में दर्ज प्रकरणों तथा पीड़ित महिलाओं को उपलब्ध कराई जा रही मदद की प्रक्रिया का भी मूल्यांकन किया गया। निरीक्षण के दौरान समिति ने वन स्टॉप सेंटर द्वारा जिलेभर में आयोजित की गई जागरूकता कार्यशालाओं व कार्यक्रमों की जानकारी ली।इसके साथ शासन के निर्देशानुसार संचालित 100 दिवसीय बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के प्रथम चरण की प्रगति पर भी विस्तृत समीक्षा की गई। समिति ने स्कूल-कॉलेजों में आयोजित निबंध व चित्रकला प्रतियोगिताएँ, शपथ कार्यक्रम तथा समुदाय स्तर पर किए जा रहे जनजागरूकता प्रयासों की सराहना करते हुए इन्हें और व्यापक करने के निर्देश दिए। सभापति श्रीमती बिसेन ने सेंटर के कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए विभिन्न विभागों के बीच अंतर-विभागीय समन्वय बढ़ाने, जनजागरूकता कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों की सहभागिता सुनिश्चित करने और समुदाय स्तर पर जागरूकता गतिविधियों को और मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि हिंसा से पीड़ित महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए उन्हें कौशल विकास कार्यक्रमों से जोड़ना अत्यंत आवश्यक है। इसके लिए संबंधित विभागों की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाएगा। वन स्टॉप सेंटर के निरीक्षण ने न केवल सेवाओं की गुणवत्ता का मूल्यांकन किया, बल्कि इसे और मजबूत व जनसुलभ बनाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश प्रदान किए।

अब तक 29 हजार 568 किसानों से 323.54 करोड़ रुपए की, 13 लाख 65 हजार 732 क्विंटल धान की हुई खरीदी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। किसानों को उनकी उपज का वाजिब दाम दिलाने के लिए खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में जिले में 185 केंद्रो पर 01 दिसम्बर से समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी की जा रही है। 12 दिसम्बर की शाम तक जिले के 29 हजार 568 किसानों से 13 लाख 65 हजार 732 क्विंटल धान की खरीदी की जा चुकी है। इसके एवज में किसानों को 323 करोड़ 54 लाख 19 हजार 108 रुपए का भुगतान किया जाना है। किसानों से खरीदे गए 05 लाख 69 हजार 78 क्विंटल धान का परिवहन कर गोदामों में पहुंचाया जा चुका है। अब तक किसानों को 33 करोड़ 09 लाख रुपए का भुगतान उनके बैंक खातों में किया जा चुका है। जिले में गोदाम स्तर पर बनाए गए 59 केंद्रो पर 05 लाख 09 हजार 526 क्विंटल एवं समिति स्तरीय 126 केंद्रो पर 08 लाख 56 हजार 205 क्विंटल धान की खरीदी की जा चुकी है। धान खरीदी के दौरान किसानों का भुगतान 03 दिनों के भीतर हो जा रहा है। गोदाम स्तरीय केंद्र में धान विक्रय करने वाले किसानों के भुगतान आदेश जेआईटी पोर्टल पर पहुंच गए है और शीघ्र ही राशि किसानों के खाते में पहुंच रही है। समिति स्तर के केंद्रों पर धान विक्रय करने वाले किसानों को भुगतान में कुछ दिनों का इंतजार करना होगा। खरीदी केंद्र से गोदाम में धान पहुंचने पर ही उसके भुगतान की प्रक्रिया प्रारंभ होगी, जबकि गोदाम स्तर के केंद्र पर धान विक्रय करने के साथ ही भुगतान की प्रक्रिया प्रारंभ हो जाती है। कलेक्टर श्री मीना ने कहा है कि जिले के जिन खरीदी केंद्रो पर अधिक मात्रा में धान की खरीदी हो रही है, उन पर कड़ी निगरानी बनाए रखे। किसानों से खरीदी के दौरान निर्धारित मात्रा में ही धान की तौल की जाए। खरीदी केंद्रो से धान का उठाव कर उसे शीघ्रता से गोदामों में पहुंचाया जाए। सभी केंद्रो पर बारदानों की पर्याप्त व्यवस्था रखे, जिससे परिवहन एवं बारदाने के अभाव में धान की खरीदी प्रभावित नही होना चाहिए। किसानों से एफएक्यू गुणवत्ता के धान ही खरीदी जाए। किसानों से अपील की गई कि वे अपनी धान को अच्छी तरह से साफ कर एवं सुखाकर ही विक्रय के लिए लाए। खरीदी केंद्रो पर शासन द्वारा निर्धारित एफएक्यू गुणवत्ता की धान ही खरीदी जाएगी। उल्लेखनीय है कि खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में जिले में समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन के लिए 01 लाख 30 हजार 37 किसानों द्वारा अपना पंजीयन किया गया है।

रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व में जुलाई 2026 में छोड़े जाएंगे चीते

भोपाल। मध्य प्रदेश के रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व में जुलाई 2026 में चीते छोड़े जाएंगे। हाल ही में खजुराहो में हुई मोहन कैबिनेट पर यह फैसला लिया गया था। सीएम डॉ. मोहन यादव ने बताया था कि रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व को चीता पुनर्वास योजना में शामिल किया गया है। जिसके तहत आगामी वर्ष में यहां चीते लाये जाएंगे। मुख्यमंत्री की इस घोषणा के बाद रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व को चीतों के अनुकूल बनाने की दिशा में काम शुरू कर दिए गए है। बुंदेलखंड के विकास की दिशा में यह एक नया अध्याय जुडने़ जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि राज्य सरकार वन क्षेत्र संरक्षण, पर्यटन विकास और प्राकृतिक धरोहरों को बचाने के लिए लगातार प्रयासरत है।

इंडिगो संकट के बीच डीजीसीए का एक्शन, चार फ्लाइट ऑपरेशन इंस्पेक्टर को किया सस्पेंड

-एयरलाइन संचालकों में घमंड और ओवर कॉन्फिडेंस ने इस संकट को बढ़ाया

नई दिल्ली। इंडिगो एयरलाइन में जारी संकट के बीच लगातार एक्शन हो रहा है। शुक्रवार को डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए) ने एयरलाइन की सुरक्षा और ऑपरेशनल नियमों की देखरेख के लिए जिम्मेदार चार फ्लाइट ऑपरेशन इंस्पेक्टर को सस्पेंड कर दिया है।

डीजीसीए की चार सदस्यों वाली कमेटी शुक्रवार को भी इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स से मिलेगी। पीटर से पिछले हफ्ते बड़े पैमाने पर फ्लाइट्स कैंसिल होने को लेकर पूछताछ की जाएगी। भारत में लो-कॉस्ट कैरियर कॉन्सेप्ट के पायोनियर कैप्टन गोपीनाथ ने कहा है कि इंडिगो संकट शायद इसलिए बढ़ा क्योंकि एयरलाइन संचालकों में घमंड और ओवर कॉन्फिडेंस आ गया था। इसलिए एयरलाइन हालात नहीं समझ पाई।

एक नवंबर से लागू हुए फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन नियमों के दूसरे फेज को लागू करने में सही प्लानिंग की कमी ही 2 दिसंबर से शुरू हुए संकट का कारण है। नए नियमों के साथ, एयरलाइन के पास अपनी फ्लाइट्स ऑपरेट करने के लिए पर्याप्त संख्या में पायलट नहीं थे।

जब बॉटम लाइन, रेवेन्यू और प्रॉफिट में ग्रोथ और स्टॉक मार्केट पर ज्यादा ध्यान दिया जाता है, तो ऐसा होता है कि वे पायलट और दूसरे स्टाफ की बात सुनना बंद कर देते हैं। इंडिगो ने टिकट बेचने से पहले फ्लाइट्स की संख्या कम कर दी होती, तो सब कुछ ठीक होता।

डीजीसीए को पूरी तरह से एक इंडिपेंडेंट रेगुलेटर होना चाहिए और इसमें कोई भाई-भतीजावाद और कोई पॉलिटिकल असर नहीं होना चाहिए। कैप्टन आर गोपीनाथ 2003 में एयर डेक्कन लेकर आए थे। उन्होंने ही भारत में कम लागत वाली एयरलाइन (एलसीसी) मॉडल की शुरुआत की थी। एयर डेक्कन ने एटीआर टर्बोप्रॉप विमानों के साथ ऑपरेशन शुरू किया था।

एयरलाइन के घाटे में जाने के बाद निवेशकों के दबाव में 2008 में उन्हें एयर डेक्कन को विजय माल्या को बेचना पड़ा। माल्या ने इसे किंगफिशर नाम दिया। भारत में बजट हवाई यात्रा के जनक गोपीनाथ ने एयर डेक्कन को बर्बाद करने के लिए इंडिगो की मूल कंपनी इंटरग्लोब एविएशन को दोषी ठहराया है।

बता दें गुरुवार को दिल्ली और बैंगलोर एयरपोर्ट पर 200+ फ्लाइट कैंसिल हुईं। सिविल एविएशन मिनिस्ट्री ने एयरलाइन को जो आम तौर पर करीब 2,300 फ्लाइट्स ऑपरेट करती है, अपने विंटर शेड्यूल को 10 परसेंट कम करने का भी निर्देश दिया है।

सीएम ममता बनर्जी ने नहीं भरा एसआईआर फॉर्म, बोलीं- इससे बेहतर है जमीन पर नाक रगड़ना

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में अगले साल विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं। चुनावों से पहले मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर बंगाल की राजनीति अपने चरम पर है। इसी बीच मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बड़ा बयान देते हुए खुलासा किया कि उन्होंने अब तक एसआईआर फॉर्म नहीं भरा है। उन्होंने कहा कि उन्हें अपनी नागरिकता साबित करने की जरूरत नहीं है और ऐसा करना अपमानजनक है। बनर्जी ने कहा, मैंने अभी तक फॉर्म फिलअप नहीं किया है। क्यों करूं? मैं तीन बार की केंद्रीय मंत्री रही हूं, सात बार सांसद रही हूं और आपके आशीर्वाद से तीन बार मुख्यमंत्री बनी हूं। अब मुझे प्रमाणित करना होगा कि मैं नागरिक हूं या नहीं। इससे तो जमीन पर नाक रगड़ना बेहतर है।

इससे पहले नादिया जिले के कृष्णनगर में रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने तीखे शब्दों में आरोप लगाया कि भाजपा और केंद्र सरकार बंगाल में 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा, अमित शाह सीधे तौर पर मतदाताओं की सूची से 1.5 करोड़ नाम हटाने की कोशिशों को गाइड कर रहे हैं। अगर एसआईआर प्रक्रिया के दौरान एक भी योग्य मतदाता को बाहर किया गया तो वह अनिश्चितकालीन धरने पर बैठ जाएंगी। मुख्यमंत्री ने उन रिपोर्टों का हवाला दिया कि जिन लोगों ने अपने दस्तावेज़ों के हिस्से के रूप में दादा-दादी के नाम जमा किए थे, उन्हें सुनवाई के लिए बुलाया जाएगा और उनके नाम रोल से हटाए जाने का खतरा होगा। उन्होंने कहा, अब हम सुनते हैं कि जिन्होंने अपने दादा-दादी के नाम दिए हैं, उन्हें बुलाया जाएगा और योजना है कि इन सुनवाइयों से सीधे नाम हटा दिए जाएं। गौरतलब है कि चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया है कि मुख्यमंत्री सहित संवैधानिक पदाधिकारियों को 'मार्क्ड इलेक्टर' श्रेणी में रखा जाता है, इसलिए उन्हें सामान्य नागरिकों की तरह फॉर्म भरने की बाध्यता नहीं है। इस श्रेणी में प्रधानमंत्री, सभी मुख्यमंत्री और अन्य संवैधानिक पद धारक शामिल हैं और कानूनी तौर पर उन्हें जनगणना फॉर्म जमा करने की आवश्यकता नहीं है। बंगाल में एसआईआर का पहला चरण आज गुरुवार को खत्म हो रहा है, जिसमें ड्राफ्ट रोल 16 दिसंबर को घोषित किए जाएंगे और सुनवाई और सत्यापन दिसंबर और जनवरी के मध्य तक जारी रहेंगे। अंतिम मतदाता सूची फरवरी के मध्य में प्रकाशित होने वाली है।

रिटायरमेंट के बाद पुलिसकर्मियों को 'परोपकार' नहीं

-एक से 5 लाख रुपये दिया जाता था परिजनों को

भोपाल। मध्य प्रदेश में अब रिटायर होने वाले पुलिसकर्मियों को परोपकार योजना का फायदा नहीं मिलेगा। यानी विभाग की तरफ से दी जाने वाली परोपकार निधि की सहायता उन्हें नहीं मिलेगी। पुलिस मुख्यालय ने आदेश जारी किया है। पुलिस मुख्यालय में इस बदलाव को लेकर कहा है कि तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी, जिनकी सेवा निवृत्ति के 2 साल बाद उनकी मौत होती है, उन्हें भी 1 लाख रुपए की पात्रता है। इस विषय में बदलाव करते हुए कहा गया है कि परोपकार निधि योजना 2025 के अंतर्गत पात्रता में सेवानिवृत्ति के बाद परोपकार निधि न दिए जाने का प्रस्ताव जारी किया गया है। पिछले दिनों आला अफसरों ने फैसला लिया था कि परोपकार निधि के तहत सेवारत पुलिसकर्मी की मृत्यु होने पर परिजनों को एक के बजाय पांच लाख दिए जाएंगे। इसमें फंड की कमी आने की संभावना देखते हुए रास्ता खोजा गया। कमलनाथ सरकार ने अगस्त 2019 में पुलिस समेत अन्य विभागों के कर्मचारियों की रिटायरमेंट आयु 60 से बढ़ाकर 62 कर दी थी। तब प्रचलित नियम के अनुसार पुलिस महकमे में परोपकार की राशि रिटायरमेंट के दो साल बाद तक यानी 64 साल की आयु तक दी जा रही थी। रिटायरमेंट की आयु 60 वर्ष थी तब 62 वर्ष की आयु तक के रिटायर कर्मी इसके पात्र थे। लिहाजा इस नियम में संशोधन करते हुए दो साल की अवधि को घटा दिया गया। ऐसे में नया नियम बनाकर रिटायर कर्मचारियो को इसके दायरे से बाहर कर दिया गया। दरअसल मध्य प्रदेश में अभी तक पुलिसकर्मियों के रिटायरमेंट के 2 साल के बाद मौत होने पर परोपकार के तौर पर 1 से 5 लाख रुपए के परिजनों को दिया जाता था लेकिन अब यह निधि की राशि नहीं दी जाएगी। इसके लिखित आदेश पीएचक्यू ने सभी यूनिटों को जारी कर दिए हैं। परोपकार निधि के तहत रिटायरमेंट के दो सालों के भीतर तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के जिन भी कर्मचारियों की मृत्यु रिटायारमेंट के दो साल के भीतर होती है, उनके परिजनों को एक लाख रुपए की राशि दी जाती थी। हाल ही में परोपकार निधि योजना में बदलाव करते हुए ये फैसला लिया गया है कि अब ये सुविधा किसी भी रिटायर कर्मचारी को नहीं दी जाएगी। एक अक्टूबर से रिटायर कर्मचारी परोपकार निधि से बाहर हो गए हैं। स्पेशल डीजी कल्याण एवं महिला सुरक्षा अनिल कुमार का कहना है कि परोपकार राशि को बड़ाने के लिए नए नियम 1 अक्टूबर से लागू हो गए हैं। अब रिटायर कर्मचारी इसके दायरे में नहीं आएंगे।

पुलिसकर्मियों के निधन पर परिवार को अब 5 लाख की मदद मिलेगी

पुलिसकर्मियों के कल्याण के लिए डीजीपी ने कई फैसले लिए। इसके तहत अब परोपकार निधि से पुलिसकर्मी के निधन पर परिवार को मिलने वाली मदद 1 लाख से बढ़ाकर 5 लाख कर दी गई है। यह राशि जुटाने के लिए सभी रैंक के पुलिसकर्मियों से सालाना 1200 रुपए (100 रुपए महीने) लिए जाएंगे। पुलिसकर्मी चाहें तो लिखित में योजना से बाहर भी हो सकते हैं। वहीं शिक्षा निधि की सहायता राशि में 50 प्रतिशत बढ़ोतरी की गई है। परोपकार निधि योजना 2025 के संबंध में 19 सितंबर को हुई पुलिस परामर्शदात्री समिति में ये फैसला लिया गया था कि अब रिटायर स्टाफ परोपकार निधि से बाहर होंगे। हालांकि समिति ने सेवारत किसी भी अधिकारी या कर्मचारी के निधन पर परिवार को दी जाने वाली परोपकार निधि एक लाख से बढ़ाकर पांच लाख कर दी है।

2 अध्यक्ष-8 पार्षदों समेत इन पदों के लिए डाले जाएंगे वोट

- नगरीय निकाय और पंचायत उपचुनाव की प्रक्रिया शुरू

भोपाल । मध्य प्रदेश निर्वाचन आयोग ने नगरीय निकाय और त्रिस्तरीय पंचायतों के उपचुनाव की तारीखों का ऐलान कर दिया है। 2 अध्यक्ष, 8 पार्षद के साथ ही जिला पंचायत के 4, जनपद पंचायत के 14 और सरपंच के 67 पदों के लिए उपचुनाव होगा। नगरीय निकायों में 29 दिसंबर को मतदान और 31 दिसंबर को मतगणना होगी। एमपी के नगरीय निकाय और त्रिस्तरीय पंचायतों के उपचुनाव की प्रक्रिया 8 दिसंबर से शुरू हो चुकी हैं। नाम निर्देशन पत्र 15 दिंसबर तक भरें जाएंगे। इसकी जांच 16 दिसंबर को होगी। 18 दिसंबर तक नाम वापस ले सकते है। इसी दिन निर्वाचन प्रतीकों का आवंटन होगा। नगरीय निकायों में मतदान 29 दिसम्बर को सुबह 7.00 बजे से शाम 5.00 बजे तक होगा। मतगणना और निर्वाचन परिणामों की घोषणा 31 दिसम्बर को सुबह 9.00 बजे से होगी।

वहीं पंचायतों में मतदान 29 दिसंबर को सुबह 7.00 बजे से अपरान्ह 3.00 बजे तक होगा। पंच पद के लिये मतगणना मतदान के तुरंत बाद मतदान केंद्र पर ही होगी। सरपंच, जनपद पंचायत सदस्य एवं जिला पंचायत सदस्य की विकासखंड मुख्यालय पर श्वङ्करू से की जाने वाली मतगणना 2 जनवरी को सुबह 8.00 बजे से होगी। इसी दिन सरपंच एवं जनपद पंचायत सदस्य के निर्वाचन परिणामों की घोषणा की जाएगी। जिला पंचायत सदस्यों व पंच पद के लिए परिणामों की घोषणा 5 जनवरी 2026 को सुबह 10.30 बजे से की जाएगी।

सीधी जिले के नगर परिषद मझौली और रीवा जिले के सेमरिया में अध्यक्ष पद के लिए उपचुनाव होगा। वहीं नगरीय निकायों में 8 पार्षदों के लिये उप निर्वाचन होगा। सिंगरौली नगर पालिक निगम के वार्ड 34, मंडला नगर पालिका परिषद के वार्ड 8, लहार नगर पालिका परिषद के वार्ड 5 और मौ नगर परिषद के वार्ड 4, मेहगांव के वार्ड 5, आलमपुर के वार्ड 13, सतवास के वार्ड 9 और पानसेमल के वार्ड 2 में पार्षद पद के मतदान होगा। पंचायत उप निर्वाचन के तहत जिला पंचायत सदस्य के 4, जनपद पंचायत सदस्य के 14, सरपंच के 67 और 3872 पंच पद के लिए उपचुनाव होगा। आपको बता दें कि बुधवार 10 दिसंबर को राज्य निर्वाचन आयोग के सचिव दीपक सिंह ने उपचुनाव की तैयारियों की समीक्षा बैठक की। इस दौरान उन्होंने नगरीय निकाय और पंचायत उपचुनाव की सभी तैयारियां समय पर पूरा करने के निर्देश दिए। साथ ही मतदान केंद्रों पर मूलभूत सुविधाएं मुहैया कराने, नाम निर्देशन पत्र शनिवार को भी जमा करने और संवेदनशील-अतिसंवेदनशील मतदान केंद्रों में सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता करने के निर्देश दिए हैं।

भोपाल के लालघाटी फ्लाईओवर के नीचे आग लगी

भोपाल। भोपाल के लालघाटी चौराहे पर फ्लाईओवर के नीचे सौंदर्यीकरण के लिए लगे एसीपी (एल्युमिनियम कंपोजिट पैनल) में शुक्रवार को आग लग गई। आग ब्रिज पर लगी लाइट और कचरे से भीषण हो गई। तुरंत 3 दमकलें मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। आग की वजह से काफी देर तक ट्रैफिक भी रुका रहा। जानकारी मिलते ही बैरागढ़ से 2 और फतेहगढ़ फायर स्टेशन से एक दमकल मौके पर पहुंची। बैरागढ़ स्टेशन के फायर फाइटर मुबारिक अहमद ने बताया कि आग लगने की वजह सामने नहीं आई है। फ्लाईओवर में सौंदर्यीकरण के लिए लगे प्लाइवुड समेत अन्य सामान में पहले आग लगी थी। ऊपर लाइट के पोल में भी आग लग गई और सडक़ पर कचरे की वजह से यह भभक गई। कुछ देर में आग बुझा दी गई।

भोपाल, इंदौर, सीहोर, शाजापुर और राजगढ़ में शीतलहर का अलर्ट

इंदौर का न्यूनतम तापमान गिरकर 4.5 डिग्री पर पहुंच गया

भोपाल । प्रदेश की राजधानी भोपाल में लगातार छठे दिन कोल्ड वेव की स्थिति बनी हुई है। गुरुवार को भोपाल, इंदौर, सीहोर, शाजापुर और राजगढ़ जिलों के साथ रायसेन में भी तेज शीतलहर चली, जबकि शहडोल में कोल्ड डे रिकॉर्ड किया गया। प्रदेश में कड़ाके की ठंड इस कदर हावी है कि तापमान लगातार तीसरी रात भी 5 डिग्री से नीचे दर्ज हुआ। इंदौर, जो आमतौर पर अपेक्षाकृत गर्म माना जाता है, इस बार प्रदेश के इकलौते हिल स्टेशन पचमढ़ी से भी ज्यादा सर्द हो गया। इंदौर का न्यूनतम तापमान गिरकर 4.5 डिग्री पर पहुंच गया पिछले 10 साल का सबसे निचला स्तर। वहीं पचमढ़ी 4.8 डिग्री पर दर्ज हुआ। मौसम विभाग ने शुक्रवार के लिए भोपाल, इंदौर, सीहोर, शाजापुर और राजगढ़ में शीतलहर की चेतावनी जारी की है। प्रदेश के अधिकांश शहरों का तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे जर्द किया गया। जिसमें रायसेन 5 डिग्री सेल्सियस , रीवा 5.9डिग्री सेल्सियस, शिवपुरी 6 डिग्री सेल्सियस, उमरिया 6.1डिग्री सेल्सियस, मलाजखंड 6.8डिग्री सेल्सियस, नौगांव 7.1डिग्री सेल्सियस, मंडला 7.3 डिग्री सेल्सियस, खजुराहो 7.4 डिग्री सेल्सियस नरसिंहपुर 8.2डिग्री सेल्सियस , छिंदवाड़ा 8.4डिग्री सेल्सियस, सतना 8.6डिग्री सेल्सियस, दमोह 8.8डिग्री सेल्सियस, रतलाम 9.2डिग्री सेल्सियस, श्योपुर-गुना 9.4डिग्री सेल्सियस] भोपाल 6.6 डिग्री सेल्सियस, ग्वालियर 9.2डिग्री सेल्सियस, उज्जैन 8.2डिग्री सेल्सियस, जबलपुर 8.5डिग्री सेल्सियस डिग्री दर्ज किया गया। हिमाचल, उत्तराखंड और कश्मीर में जल्दी हुई बर्फबारी का सीधा प्रभाव मध्यप्रदेश के मौसम पर पड़ा है। उत्तरी हवा का रुख तेज होने से प्रदेश में शीतलहर की स्थिति बनी हुई है। ऊपरी वायुमंडल में जेट स्ट्रीम तेज गति से सक्रिय है। 12.6 किमी ऊंचाई पर 204 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से बह रही यह हवा मध्यप्रदेश में ठंड बढ़ाने में अहम भूमिका निभा रही है। विशेषज्ञों के अनुसार, जेट स्ट्रीम की गति कुछ स्थानों पर 222 किमी/घंटा तक दर्ज हुई है।

अब दो से ज्यादा बच्चों पर नौकरी खोने का डर नहीं

मप्र में सरकारी कर्मचारियों के लिए 24 साल पुराना नियम खत्म!

भोपाल। मप्र सरकार बड़ा फैसला लेने जा रही है। इससे अब सरकारी कर्मचारियों के लिए दो से ज्यादा बच्चे होने पर नौकरी जाने का डर खत्म हो जाएगा। राज्य सरकार ने साल 2001 से चली आ रही दो बच्चे की सीमा को हटाने का निर्णय लिया है। सामान्य प्रशासन विभाग ने हाल ही में इस प्रतिबंध को पूरी तरह हटाने का प्रस्ताव मुख्यमंत्री सचिवालय को भेज दिया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि जैसे ही कैबिनेट इसकी मंजूरी देगी, नया नियम तुरंत लागू हो जाएगा।

यह प्रतिबंध पिछले 24 साल से लगा हुआ था। इसे हटाने का समय कई लोगों को चौंकाने वाला लगा क्योंकि ठीक एक साल पहले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने नागपुर में कहा था कि हर परिवार में कम से कम तीन बच्चे होने चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी थी कि बहुत कम बच्चे वाली समाज धीरे-धीरे खत्म हो जाती है और जनसंख्या संतुलन बनाए रखना जरूरी है। मोहन भागवत के इस बयान के दस महीने बाद अक्टूबर 2025 में मध्यप्रदेश सरकार ने संकेत दिया था कि वह दो बच्चे का नियम हटाने का प्रस्ताव कैबिनेट में लाएगी। अब तीन महीने की लंबी चर्चा और वरिष्ठ अधिकारियों के सुझाव के बाद यह प्रस्ताव अंतिम रूप ले चुका है। पड़ोसी राज्य राजस्थान ने यह प्रतिबंध 2016 में और छत्तीसगढ़ ने 2017 में ही हटा दिया था। अब मध्यप्रदेश भी उन्हीं के रास्ते पर चल पड़ा है। जल्द ही मध्यप्रदेश के लाखों सरकारी कर्मचारियों को यह राहत मिलने वाली है कि वे कितने भी बच्चे चाहें, रख सकते हैं, उनकी नौकरी पर कोई खतरा नहीं होगा। यह फैसला राज्य में जनसंख्या नीति और परिवार कल्याण के नजरिए से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

सीएम की मंजूरी के बाद आएगा कैबिनेट में

पिछले तीन महीने से विभिन्न स्तरों पर विचार-विमर्श के बाद दो बच्चों की सीमा हटाने के प्रस्ताव को अंतिम रूप दिया गया है। सीएम सचिवालय से हरी झंडी मिलने के बाद इसे कैबिनेट की मंजूरी के लिए भेजा जाएगा। कैबिनेट से स्वीकृति मिलते ही यह लागू हो जाएगा। प्रदेश में 7 लाख से ज्यादा सरकारी कर्मचारी हैं। सामान्य प्रशासन विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सरकारी कर्मचारियों के लिए दो बच्चों की सीमा जल्द हटा ली जाएगी। फिलहाल सरकार इस सीमा को हटाने के लिए सही समय के आने का इंतजार कर रही है। यह मुद्दा पहली बार तब उठा, जब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने पिछले साल एक दिसंबर को नागपुर में चेतावनी दी थी कि कम से कम तीन बच्चे होने चाहिए। दस महीने तक इस मुद्दे को दबाए रखने के बाद मप्र सरकार ने अक्टूबर में संकेत दिया कि वह सरकारी कर्मचारियों पर दो बच्चों की सीमा हटाने के लिए राज्य मंत्रिमंडल में एक प्रस्ताव लाएगी। इसके बाद सामान्य प्रशासन विभाग ने प्रस्ताव तैयार किया और उसे सरकारी अधिकारियों को भेज दिया गया। मप्र में सरकारी नौकरियों पर दो बच्चों की सीमा 2001 से लागू है। एक बार सीमा हटने के बाद तीसरा बच्चा पैदा करने वाले किसी भी सेवारत अधिकारी या कर्मचारी को नौकरी से बर्खास्त नहीं किया जाएगा।

पद्मेश न्यूज
शहरनामा

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

सुशासन दिवस पर 24 दिसम्बर को दिलायी जायेगी शपथ

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा स्थापित सुशासन के उच्चतम मापदण्डों के महत्व को प्रतिपादित करते हुए उनके जन्म-दिवस 25 दिसम्बर के एक दिन पूर्व 24 दिसम्बर को सुशासन दिवस मनाया जाता है। बुधवार 24 दिसम्बर को प्रात: 11 बजे सभी शासकीय कार्यालयों में सुशासन दिवस की शपथ दिलाई जायेगी। कलेक्टर श्री मृणाल मीना ने सभी अधिकारी कर्मचारियों को 24 दिसम्बर को अपने-अपने कार्यालयों में सुशासन दिवस की शपथ लेने के निर्देश दिये हैं।

अब 18 दिसम्बर तक भरे जाएंगे गणना पत्रक, 23 दिसम्बर को मतदाता सूची का प्रारूप प्रकाशन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भारत निर्वाचन आयोग ने मध्यप्रदेश सहित छ: राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान का संशोधित कार्यक्रम जारी किया है। संशोधित कार्यक्रम के अनुसार इन 6 राज्यों में मतदाता सूची के प्रारूप प्रकाशन और गणना पत्रक भरने की अवधि को आगे बढ़ाया गया है। जारी कार्यक्रम अनुसार मध्यप्रदेश में अब 18 दिसम्बर 2025 तक एन्युमरेशन फार्म भरने का काम बीएलओ द्वारा किया जाएगा तथा 23 दिसंबर को मतदाता सूची के प्रारूप का प्रकाशन होगा। इसके बाद फरवरी 2026 में फाइनल मतदाता सूची का प्रकाशन होगा। आयोग द्वारा नए मतदाताओं से फॉर्म 6 (शामिल करने के लिए) और घोषणा पत्र भरकर अपने बूथ स्तर के अधिकारियों के पास जमा करने या वेबसाइट voters.eci.gov.in का उपयोग करके ऑनलाइन आवेदन करने का आग्रह किया गया है।

आंजनबिहरी जंगल में करेंट लगने से हुई नर बाघ की मौत

शव तीन दिन पुराना होने की पुष्टि हुई; पोस्टमार्टम से मिले महत्वपूर्ण तथ्य

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट/कटंगी।

दक्षिण सामान्य वन मंडल बालाघाट के वन परिक्षेत्र कटंगी के बोनकट्टा सर्किल के आंजनबिहरी बीट के कक्ष क्रमांक 562 में मिले मृत बाघ की मौत की प्रारंभिक पुष्टि हो गई है। पीएम के बाद यह साफ हो गया है कि करंट लगने से ही नर बाघ की मौत हुई है। पहले वन विभाग ने बाघिन होने की बात कहीं थी लेकिन आज जब वरिष्ठ अधिकारी और एनसीटीए के सदस्य और चिकित्सकों की टीम मौका स्थल पहुंची तो उन्होंने बाघ होने की पुष्टि की। बाघ की उम्र तरकरीबन डेढ़ वर्ष के आस-पास की बताई गई है। जहां बाघ का शव मिला था उसी स्थान पर पीएम के बाद अंतिम संस्कार किया गया। वन विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक करंट से बाघ की मौत होने के बाद कक्ष क्रमांक 562 में शव को लाकर फेंका गया है। बाघ की मौत अनुमानित तीन दिन पहले ही हुई है। ऐसे में वास्तविक घटनास्थल का पता लगाने के लिए जांच दल गठित किए गए है। शुक्रवार की दोपहर साढ़े 3 बजे राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण के दिशा-निर्देशों के अनुसार बाघ के शव का पोस्टमार्टम कर प्रोटेकाल के साथ विधिवत अंतिम संस्कार यानी दहन किया गया। मुख्य वन संरक्षक गौरव चौधरी, वन मंडल अधिकारी नित्यानयम एल, वन मंडल अधिकारी अरिहंत कोचर, एसडीएम के.सी.ठाकुर, उपवन मंडल अधिकारी बी.आर. सिरसाम, तहसीलदार गीता राहंगडाले, वन परिक्षेत्र अधिकारी बाबूलाल चडार, एनटीसीए प्रतिनिधि डॉ मोहनिश पिछोड़े, मुकेश बिसेन, पशु चिकित्सक डॉ संदीप अग्रवाल (कान्हा टाइगर रिजर्व), डॉ देवव्रत डहेरिया, डॉ विजय मानेश्वर और सरपंच दिनेश पुष्पतोडे की मौजूदगी में अंतिम संस्कार किया गया। चिकित्सकों की टीम ने मृत बाघ का पीएम करते हुए पुष्टि की है कि बाघ की मौत करंट लगने से हुई है बाघ के मुंह में करंट लगा है।

वन्य प्राणियों से फसलों को बचाने लगाया जाता है करंट

उल्लेखनीय है तिरोड़ी तहसील क्षेत्र के पठार अंचल के वनों से सटे कई गांवों में धान और गन्ना उत्पादक कुछेक किसान आज भी वन्य प्राणियों से फसलों की सुरक्षा करने के लिए अपने खेतों में बिजली का करंट लगाते है। अनुमान लगाया जा रहा है कि इसी तरह के करंट की चपेट में आकर बाघ की मौत हुई है। हालांकि यह घटना कहा घटित हुई है। इसकी जांच के लिए 3 टीमों का गठन किया गया है। डॉग स्क्वायड की भी मदद ली गई जिसने आज जंगल के भीतर करीब 01 किमी दूर तक घूमकर साक्ष्य जुटाने की कोशिश की लेकिन कोई ठोस साक्ष्य नहीं मिल पाया है। टीम ने घटनास्थल की जांच की तहकीकात शुरू कर दी है। बता दें कि गुरूवार की शाम करीब साढ़े 04 बजे के आस-पास जंगल की ओर से वापस घर की तरफ लौट रहे गांव के दो लोगों ने सबसे पहले वन्य प्राणी के शव को देखा। जिसकी सूचना सुरक्षा श्रमिक को दी थी और शाम ढलते तक यह खबर पूरे क्षेत्र में आग की तरह फैल गई थी। आज शुक्रवार को बाघ का अंतिम संस्कार किया गया। वहीं बाघ की मौत पर चल रही सभी तरह की अटकलों पर विराम लग गया और एक बात साफ हो चुकी है कि बाघ की मौत करंट की चपेट में आने से हुई है।

संदिग्धों से पूछताछ करना बड़ी चुनौती

एक बात तो साफ है कि करंट की चपेट में आने से ही बाघ की मौत हुई है और घटनास्थल कहीं और का है, बाघ को कक्ष क्रमांक 562 में लाकर फेंका गया है। वन विभाग ने घटनास्थल की जांच के लिए 3 टीमों का गठन भी कर दिया है लेकिन इसके बावजूद संदिग्धों से पूछताछ करना वन विभाग के लिए किसी चुनौती से कम नही है। क्योंकि इस तरह की घटना के बाद वन विभाग अगर थोड़ी भी सख्ती दिखाकर संदिग्धों से पूछताछ करता है तो गांव में वन विभाग की इस तरह की सख्ती की कार्रवाई का विरोध होता दिखता है। इस बीच अगर वन्य प्राणी किसी इंसान का शिकार कर ले तो ग्रामीण अपना सारा गुस्सा तब उजागर करते है। पूर्व में कुड़वा में वन विभाग पर हुए पथराव की घटना और अंबेझरी में वन परिक्षेत्र अधिकारी से हुई धक्की मुक्की की घटना इस बात का प्रमाण है।

इनका कहना है

गुरूवार की शाम ही टाइगर की मौत की जानकारी आई थी चूंकि बाघ की मौत संदिग्ध थी इसलिए कोई हाथ नहीं लगा सकता था आज डॉग स्क्वायड के आने के बाद ही शव को हाथ लगाया गया तो बाघ होने की पुष्टि हुई है। करंट की चपेट में आने से मौत हुई है घटनास्थल का पता लगाने के लिए तीन टीमों को गठन किया गया है।

नित्यनतम एल
वन मंडल अधिकारी

मगरदर्रा के केंद्र प्रभारी को निलंबित करने के निर्देश

खरीदी केंद्रों का निरीक्षण नही करने पर जेएसओ को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना की अध्यक्षता में 12 दिसम्बर को जिला उपार्जन समिति की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन की विस्तार से समीक्षा की गई और धान की व्यवस्थित खरीदी के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिये गए। बैठक में अपर कलेक्टर जी एस धुर्वे, जिला आपूर्ति अधिकारी श्री आरके ठाकुर, उप पंजीयक सहकारी समिति राजेश उइके, वेयर हाउस के प्रबंधक पटले, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी सुनिल किरार एवं समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

बैठक में सर्वप्रथम खरीदी केंद्रो पर खरीदे गए धान एवं उसके परिवहन की जानकारी ली गई। इस दौरान कलेक्टर श्री मीना ने धान की खरीदी में गड़बड़ी किये जाने पर मगरदर्रा के प्रभारी को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के निर्देश दिये। बिरसा के कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी द्वारा खरीदी केंद्रो का निरीक्षण नही करने पर उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये गए कि क्यों न इस लापरवाही के लिए उनके विरूद्ध अनुशासनात्क कार्यवाही की जाए। खरीदी केंद्रो से धान का परिवहन कर गोदाम पहुंचाने के लिए अनुबंधित परिवहनकर्ता मेसर्स पंकजम इंटरप्राईजेस द्वारा बालाघाट एवं लालबर्रा के खरीदी केंद्रो से धान का परिवहन नही करने पर उसके विरूद्ध एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिये गए।

कलेक्टर श्री मीना ने बैठक में सख्त निर्देश दिये कि धान का परिवहन करने वाले ट्रकों में जीपीएस अनिवार्य रूप से लगा होना चाहिए और कंट्रोल रूम से प्रत्येक ट्रक की लोकेशन ट्रेक की जाए। ट्रक में खरीदी केंद्र से धान के परिवहन के दौरान लोडिंग करते समय एवं गोदाम में अनलोडिंग करते समय अधिक समय नही लगना चाहिए। यह कार्य शीघ्रता से किया जाना है। कलेक्टर श्री मीना ने कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी, मंडी निरीक्षक एवं नागरिक आपूर्ति निगम के अमले को सभी खरीदी केंद्रो की सतत निगरानी करने और भंडारण गोदाम का नियमित रूप से सत्यापन करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि किसी भी केंद्र पर व्यापारी या बिचौलिये का धान किसान के नाम पर नही खरीदा जाना चाहिए। यदि कहीं पर भी ऐसा होना पाया जाता है तो दोषी व्यक्ति के विरूद्ध तत्काल एफआईआर दर्ज कराए।

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस में रिपोर्टर्स और डिप्टी एडिटर्स को अवसर

संपादकीय टीम और
न्यूज रूम में
हम भर्ती कर रहे हैं !!
हमारी टीम में शामिल हों !!

हिन्दी दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस को ऐसे उप-संपादकों, सिटी रिपोर्टरों (सिटी डेस्क) की तलाश है जो समाचारों के प्रति जुनूनी हों और बुनियादी बातों से आगे बढ़कर मूल्यवर्धन करना जानते हों। हिन्दी भाषा का ज्ञान हो, किताबों में रूचि हो और तथ्यों को खबरों में बदलना आता हो !! ना भी आता हो तो भी ! हद दर्जे का जिज्ञासु होना जरूरी है !!

हम चाहते हैं-
हिन्दी समाचार लेखन में दक्षता और अपने समाचारों के फोटो वीडियो बनाने की क्षमता
समाचार के मूल्य, शीर्षकों और प्रस्तुति की गहरी समझ
रिपोर्टिंग और डिज़ाइन टीमों के साथ सुचारू रूप से समन्वय करने की क्षमता
यदि आप एक रचनात्मक और जिम्मेदार पत्रकार हैं या पत्रकारिता में आना चाहते हैं और सार्थक शहरी कहानियों, खबरों, हलचलों,घटनाओं, को आकार देना चाहते हैं, तो हमें आपसे संपर्क करने में खुशी होगी।
आप हमारी टीम का हिस्सा बन सकते हैं !
अपना रिज्यूमे इस पते पर भेजें
[balaghatexpress@gmail.com]
स्थान-बालाघाट एक्सप्रेस, काली पुतली चौक,बालाघाट

पार्ट टाइम जॉब

हिन्दी टाईपिस्ट की आवश्यकता है

हिन्दी दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय में सांय 6 से 11 बजे तक कार्य हेतु हिन्दी टाईपिस्ट की आवश्यकता है।
पार्ट टाइम जॉब को प्राथमिकता देने वाले तत्काल संपर्क करें।
वेतन-योग्यतानुसार
सम्पर्क- कार्यालय दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस
काली पुतली चौक, बालाघाट (मप्र)मो.9425138710
ईमेल :-balaghate&press@gmail.com

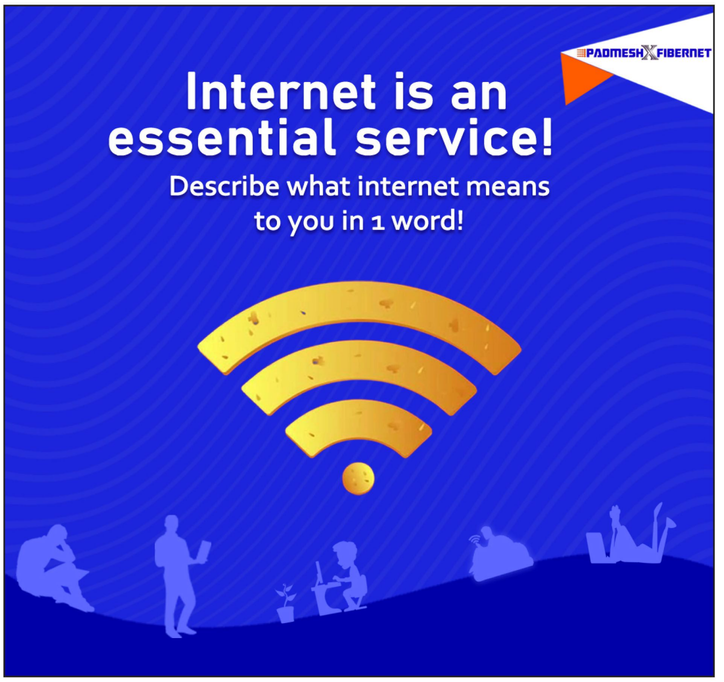

आवश्यकता है
पेट्रोल पंप में काम करने हेतु
• युवक-4 पद • मेनेजर-2 पद
• युवती-4 पद • नाईट वाचमेन- 1पद
की आवश्यकता है। वेतनमान-योग्यतानुसार
सम्पर्क करें- अभिषेक पेट्रोलियम चंदोरी कटंगी रोड़ वारासिवनी
मो.नं. 6260987149, 7974436365, 9822219741, 9713298484

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, नि:संतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित, **प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा**, मो.नं. :**9425138710**,
स्थानीय संपादक : डॉ. विपिन बिहारी शाडिल्य, ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. M P /HIN/2009/32311 , न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट